मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.6	22.3
जमशेदपुर	33.6	22.0
डालटनगंज	32.6	19.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार, 20 अक्टूबर 2023 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 185

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

AHF ASIA HOCKEY

HOCKEY INDIA

JHARKHAND WOMEN'S ASIAN CHAMPIONS TROPHY RANCHI 2023

प्रवेश नि:शुल्क

झारखण्ड

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम, रांची

भारत

चीन

जापान

कोरिया

मलेशिया

थाईलैंड

ड्रैग फ्लिक स्कोर

27 अक्टूबर - 05 नवम्बर 2023

हॉकी के महासंग्राम का बनें गवाह

WATCH LIVE ON

SONY SPORTS NETWORK | SONY liv

Title Sponsor | Host Partner

AHF Partners

Hero | polytan WE MAKE SPORT. | OUKEN | 表示灯 | STAUFF 스타우프코리아

Official Partner

ODISHA INDIA'S BEST KEPT SECRET.

Official Suppliers

SHALBY DIVINE | Sportz

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

शिक्षण संस्थानों में मां दुर्गे की आराधना

राज्यभर के शिक्षण संस्थानों में नवरात्र के मौके पर कई कार्यक्रम हो रहे हैं. गुरुवार को कई संस्थानों में नवरात्र के उपलक्ष्य पर नृत्य नाटिका का मंचन किया गया तथा दुर्गा पूजा का संदेश भी दिया गया. साथ ही फैंसी ड्रेस, नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी हुई. कुछ स्कूलों में गुरुवार के बाद पूजा की छुट्टी हो रही है, तो कुछ शनिवार से बंद हो रहे हैं.

ऑक्सफोर्ड में नवरात्रि महोत्सव

संवाददाता। मेदिनीनगर

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, मेदिनीनगर में गुरुवार को नवरात्रि महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया. स्कूल के विद्यार्थियों ने गीत-संगीत के साथ रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोहा. कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य डॉ एके सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर की. कुमारी पलक ने नवरात्र की महत्ता पर हिंदी में विस्तार से जानकारी दी. सानिया फातमा ने माता दुर्गा के नौ रुपों का विस्तार से वर्णन करते हुए दैनिक जीवन संबंधी उपयोगितापूर्ण तथ्यों से अवगत कराया.

क्लास छह सी की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य द्वारा सभी का मन मोह लिया. कुमारी ओशी द्वारा एकल नृत्य प्रस्तुत किया गया. अंग्रेजी भाषा में मां नवदुर्गा के महत्व को कुमारी समीक्षा ने बताया. अखंडजय द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया. कक्षा नौवीं की छात्राओं द्वारा सामूहिक मनोरम नृत्य प्रस्तुत किया गया. पश्चात् कनिका व अपर्णा ने मां दुर्गा पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी. सृष्टि, परी और जिया द्वारा भी मनभावन नृत्य प्रस्तुत किया गया. तत्पश्चात् मां दुर्गा की महिमा पर आधारित महिषासुर वध का मंचन किया गया. स्कूल के प्राचार्य डॉ एके सिंह ने नवरात्रि की शुभकामना देते हुए कहा कि-जिस प्रकार दीया अँधेरे को समाप्त कर प्रकाश देता है, ठीक उसी प्रकार मां दुर्गा आप सभी के जीवन के अंधकार का नाश कर, प्रकाश का संचार करें. माँ दुर्गा की भक्ति और परमात्मा की शक्ति सदैव शुभ व फलदायी होती है. मंच संचालन शिवांगी आनंद और मीनू सिंह ने संयुक्त रूप से किया. इस अवसर पर सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र उपस्थित थे.

नवोत्सव का पुरस्कार वितरण के साथ समापन

जमशेदपुर। अरका जैन यूनिवर्सिटी में दुर्गोत्सव के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय बहुरंगी कार्यक्रम 'नवोत्सव' का रंगारंग व पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ. इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के निदेशक सह कुलसचिव अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मां दुर्गा शक्तिस्वरूपा हैं.

जगतजननी मां दुर्गा की पूजा शक्ति की आराधना है और दशहरा असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छी की विजय का प्रतीक है. ह उत्सव हमें सामूहिकता का सन्देश देता है. इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के परिसर निदेशक डॉ अंगद तिवारी एवं वित्त पदाधिकारी ऋचा गर्ग ने भी अपने विचार रखे और छात्र-छात्राओं को दुर्गोत्सव की महत्ता बताते हुए इससे सीख लेने की आवश्यकता बतायी.

इससे पूर्व छात्र-छात्राओं ने कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये. इसके माध्यम से उन्होंने अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया. इसमें डांडिया, फैशन शो, नृत्य, गायन, फेस पेंटिंग आदि शामिल था. डांडिया की प्रस्तुति कर छात्र-छात्राओं ने गुजरात की माटी की सुगंध बिखेर दी. फैशन शो में राहुल धल विजेता और संस्कार पांडेय उप विजेता रहे. इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे.

बच्चों ने नवरात्र सेलिब्रेशन कर किया रंगारंग कार्यक्रम

नोवामुंडी। डीएवी पब्लिक स्कूल गुवा में नवरात्र सेलिब्रेशन 2023 कार्यक्रम का आयोजन सेल गुवा मुख्य महाप्रबंधक कमल भास्कर एवं महिला समिति अध्यक्ष स्मिता भास्कर की अध्यक्षता में आयोजित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक हवन के साथ की गई. इस दौरान एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कक्षा नवम एवं दशम के बच्चों द्वारा स्वागत गीत के साथ-साथ सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति की गई. मां दुर्गा के नौ रूपों का जीवंत प्रदर्शन कक्षा एलकेजी से कक्षा चतुर्थ के बच्चों ने किया. कक्षा चतुर्थ से पंचम तक के बच्चों ने फैंसी ड्रेस के माध्यम से दशहरा की महत्ता को राम,रावण, हनुमान, लक्ष्मण, सीता के रूपों में द्वारा दर्शाया. स्कूल की प्राचार्या उषा राय ने कहा कि नवरात्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है 'नौ रातों का समय'. इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति की देवी की पूजा की जाती है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला समिति अध्यक्षा स्मिता भास्कर एवं मुख्य महाप्रबंधक कमल भास्कर को शाल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया गया.

डीएवी स्कूल ललपनिया में मनाया गया दुर्गोत्सव

बेरमो। डीएवी पब्लिक स्कूल टीटीपीएस ललपनिया में दुर्गा उत्सव मनाया गया. जूनियर विंग में छोटे बच्चों ने दुर्गा माता के विभिन्न रूप धारण किया. वहीं छात्र छात्राओं की माताओं ने भक्ति गीत पर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया. विद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य आकाश कुमार सिन्हा ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की. उन्होंने चयनिका पाल, मधु तिवारी, नेहा रानी, रोहित पाठक की प्रस्तुति की प्रशंसा की. गीत संगीत के आयोजन में संगीत शिक्षक रोहित पाठक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सीनियर विंग में भी छात्राओं ने दुर्गा माता के भजन गाए. प्राचार्य श्री सिन्हा ने शिक्षकों शिक्षिकाओं, छात्र छात्राओं तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम में राम निवास राय, रणजीत सिंह, संदीप कुमार, मनोज कुमार शास्त्री, अजमल हुसैन की भूमिका सराहनीय रही.

आपकी बात

"थेरेपी एक आरामदायक इलाज है. इससे शरीर को काफी राहत मिलती है. कई बीमारियों को जड़ से खत्म करने में भी सहायक है."

नाम : आलोक कुमार
पद : सामाजिक कार्यकर्ता
जन्मस्थल : पटना
कार्य क्षेत्र : हजारीबाग

हजारीबाग नया बस स्टैंड हुरहुरू मार्ग स्थित मधुबन के निकट विगेन इंडिया थेरेपी सेंटर के प्रोपराइटर आलोक कुमार पिछले डेढ़ दशक से लोगों को निःशुल्क सेवा दे रहे हैं. पटना से वर्ष 1998 में मैट्रिक और एकाउंट्स ऑनर्स में ग्रेजुएशन की डिग्री लेने वाले आलोक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपने थेरेपी सेंटर में निःशुल्क सेवा दे रहे हैं. रांची में भी उन्होंने थेरेपी सेंटर खोल आमजनमानस की सेवा की. वह कहते हैं कि थेरेपी शरीर के लिए कारगर इलाज है. गठिया, पैरालिसिस, अस्थमा समेत अन्य बीमारियों में थेरेपी से काफी लाभ मिलता है. वर्ष 2005-06 में दिल्ली से जापानी लैंग्वेज कोर्स करनेवाले आलोक ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया जोनल ऑफिस हजारीबाग से सेवानिवृत्त उनके पिता महेश प्रसाद चौधरी को शारीरिक रूप से परेशानी हुई, तो पटना में थेरेपी कराने से उन्हें लाभ मिला. तब उन्होंने सोचा कि क्यों ने अपना ही थेरेपी सेंटर खोला जाए और फिर उसे मूर्त रूप दिया. इस सेंटर में उनकी छोटी बहन अजीता कुमारी भी सहयोग करती हैं. पुष्पा देवी के दो पुत्रों में छोटे आलोक के बड़े भाई अरविंद कुमार नोएडा में सैमसंग कंपनी में काम करते हैं. आलोक कहते हैं कि थेरेपी एक अलग तरह का आरामदायक इलाज है. इससे शरीर को काफी राहत मिलती है. कई बीमारियों को जड़ से खत्म करने में भी थेरेपी काफी सहायक है.

बीबीएमकेयू में कार्यालय से संबंधित ठप पड़े हैं काम

संवाददाता। धनबाद

बिनोद बिहारी महतो महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में कुलपति या प्रभारी कुलपति के नोटिफिकेशन के छह दिन के इंतजार के बाद 19 अक्टूबर से सात दिन की छुट्टी शुरू हो गई. दुर्गापूजा के लिए विश्वविद्यालय 19 से 25 अक्टूबर तक के लिए बंद हो गई हैं. वहीं इस बीच 13 से 18 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय में रोजमर्रा के कार्यालयी काम पूरी तरह ठप रहे. 16 अक्टूबर को छुट्टी से लौटे प्रतिकुलपति डॉ पवन कुमार पोद्दार और रजिस्ट्रार डॉ कौशल कुमार अनौपचारिक रूप से विश्वविद्यालय का काम संभाल रहे हैं. हालांकि गुरुवार की देर शाम को राजभवन की ओर से वीसी से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गई है.

दिसंबर तक 22 छुट्टी

बीबीएमकेयू में दुर्गा पूजा से छुट्टियों का मौसम शुरू हो गया है. इस कड़ी में अक्टूबर माह में गांधी जयंती के लिए एक दिन की छुट्टी थी. जबकि, दुर्गा पूजा के लिए सात और बाल्मीकि जयंती के लिए एक दिन की छुट्टी रहेगी. वहीं, नवंबर महीने में 8 से 21 नवंबर तक दीपावली, बिरसा जयंती, झारखंड स्थापना दिवस और छठ पूजा की 12 दिनों की छुट्टी होगी. जबकि 27 नवंबर को गुरु नानक जयंती के लिए एक दिन छुट्टी रहेगी. दिसंबर महीने में क्रिसमस की एक दिन की छुट्टी 25 दिसंबर को होगी. ऐसे में अक्टूबर से दिसंबर तक कुल 22 दिनों के लिए विश्वविद्यालय व कॉलेज बंद रहेंगे.

कार्यक्रम के दौरान महिषासुर का वध रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

विकास पब्लिक स्कूल में मना नवरात्रि उत्सव

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं.

संवाददाता।रांची

गुरुवार को रांची में विकास पब्लिक स्कूल, पुंदाग के परिसर में नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय निदेशक संजय कुमार, प्रधानाचार्या रेखा देवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. कार्यक्रम में शिक्षक संजोय पाठक ने स्वागतम भाषण प्रस्तुत किया. वहीं, पलक एंड ग्रुप के द्वारा शुभारंभ नृत्य की प्रस्तुति की गई. इसके बाद कक्षा एक से दशम की छात्राओं के द्वारा गरबा नृत्य पेश किया गया. कार्यक्रम में महिषासुर का वध मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा, इसका मंचन मंजू एंड ग्रुप ने किया. कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका पम्मी आदर्श ने छात्र-छात्राओं को दुर्गा पूजा की शुभ कामनाएं दी और नवरात्रि का पर्व तथा इसके महत्व को समझाया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिभावकगण, शिक्षक, अभिजीत, विश्वजीत, रेशमा बेगम, शकुंतला सिंह, बबिता, निशा, नेहा, अविनाश कुमार सिंह, आरती, साक्षी जायसवाल वंदना, प्रीति इंदवार ने अहम भूमिका निभाई.

प्राइवेट स्कूलों में पूजा की छुट्टी, 31 से लौटेगी रौनक

संवाददाता | जमशेदपुर

शहर और आसपास के प्राइवेट स्कूलों में दुर्गा पूजा से पहले गुरुवार को पठन-पाठन का अंतिम दिन रहा. इस दिन अन्य दिनों की ही तरह स्कूलों में सारी गतिविधियां संचालित हुईं. साथ ही शुक्रवार से स्कूलों में पूजा की छुट्टी की घोषणा कर दी गयी. छुट्टी की घोषणा एक ही साथ सभी आईसीएसई और सीबीएसई स्कूलों में की गयी है. मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल की प्राचार्य आशु तिवारी ने बताया कि स्कूलों में छुट्टी 30 अक्तूबर तक रहेगी. 31 अक्तूबर को स्कूल फिर से खुल जायेंगे और सभी गतिविधियों का संचालन पूर्ववत होगा.

वीमेंस यूनिवर्सिटी में हुआ 'लोकतंत्र' विषय पर चुनावी जागरूकता कार्यक्रम

मतदान से जुड़ें पहलुओं पर चर्चा

संवाददाता।जमशेदपुर

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में गुरुवार को चुनावी साक्षरता क्लब की ओर से 'लोकतंत्र' विषयक चुनावी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह आयोजन यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया. उन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में मतदान के महत्व को उजागर किया. डीएसडबल्यू डॉ किश्वर आरा द्वारा स्वागत संबोधन किया गया. उप निर्वाचन अधिकारी प्रियंका सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि मतदान के दौरान यदि मतदाता को तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तो उन्हें किस प्रकार के कदम उठाए जानें चाहिए. उन्होंने बताया कि नए मतदाता किस प्रकार वोटर कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं. इस दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर मतदाता हेल्पलाइन नंबर से कैसे जुड़ सकते हैं. मतदाता यदि अपनी जन्मतिथि में सुधार करना चाहता हो तो वह किस प्रकार करें. ऐसे कई महत्वपूर्ण बातों के संबंध में उन्होंने बताया.

वोटर कार्ड को व्यक्तिगत पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता है. चुनाव के समय यह कार्ड फर्जी वोटों को रोकने में मदद करता है. नोडल अधिकारी ईएलसी डॉ सोनाली सिंह ने भी छात्राओं को मतदान के अधिकारों के प्रति जागरूक किया और मतदाता हेल्पलाइन एप के महत्व के बारे में बताया. कार्यक्रम में ईएलसी के सदस्यगण अमित गुंजन, विभा कुमारी सिंह, सुनीता कुमारी एवं यूनिवर्सिटी के अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे.

मासिक गुरु गोष्ठी को लेकर बीपीओ ने की बैठक

गढ़वा। रंका अनुमंडल के प्रखंड संसाधन केंद्र में बीपीओ संतोष कुमार दुबे ने संकुल पदाधिकारी के साथ बैठक की. इसमें बताया गया कि 20 अक्टूबर को राजमाता गुंजेश्वरी देवी महाविद्यालय में नव प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मध्य विद्यालय, राजकीय मध्य विद्यालय, स्त्रोनत उच्च विद्यालय तथा 10 प्लस टू कॉलेज के प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक सह मासिक गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया है.

कोल्हान विवि जेपीएससी ने निकाली नियुक्ति, योग्यताधारी कर सकते हैं आवेदन

18 नवंबर को खत्म हो रहा रजिस्ट्रार का कार्यकाल

संवाददाता | जमशेदपुर

कोल्हान विश्वविद्यालय में फिलहाल कुलपति (वीसी) की नियुक्ति नहीं हो सकी है. प्रतिकुलपति (प्रोवीसी) का भी पद रिक्त है. वहीं, आगामी 18 नवंबर को कुलसचिव (रजिस्ट्रार) के पद पर कार्यरत डॉ जयंत शेखर का भी कार्यकाल समाप्त हो रहा है. इसे लेकर झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से नियुक्ति निकाल दी गयी है. इस पद के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 14 नवंबर है. हालांकि इस पद के लिए देश भर के किसी भी विश्वविद्यालय में कार्यरत व योग्यताधारी शिक्षक आवेदन कर सकते हैं.

कोल्हान में 15 से अधिक योग्यताधारी शिक्षक

जानकार बताते हैं कि कोल्हान में भी ऐसे कई योग्यताधारी शिक्षक हैं, जो विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए आवेदन कर सकते हैं. आवेदन के योग्य शिक्षकों में कोल्हान विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ एससी दाश, डॉ एमए खान, डॉ तपन कुमार खानरा, डॉ परसुराम सियाल, डॉ संजय यादव, डॉ मुश्ताक अहमद, डॉ राजेंद्र भारती, डॉ एके झा, डॉ आरके चौधरी, डॉ पीके गुप्ता, डॉ श्रीनिवास कुमार, डॉ मनोज महापात्रा, डॉ विजय कुमार पियूष, डॉ नरेश कुमार, डॉ अशोक कुमार झा व अन्य शामिल हैं.

2008 बैच के एक भी शिक्षक आवेदन के योग्य नहीं

कोल्हान विश्वविद्यालय समेत इसके अधीनस्थ किसी भी कॉलेज में कार्यरत 2008 बैच के एक भी शिक्षक कुलसचिव पद के लिए आवेदन करने के योग्य नहीं है. क्योंकि इसके लिए 15 वर्ष पठन-पाठन का अनुभव समेत एकेडमिक लेवल 11 व 60 वर्ष से कम उम्र होना अनिवार्य है. कोल्हान में 2008 बैच के किसी भी शिक्षक के पास एकेडमिक लेवल 11 की योग्यता नहीं है.

तीन नामों की चर्चा

विश्वविद्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल आवेदन करनेवाले शिक्षकों में कई के नाम प्रकाश में आ रहे हैं. इनमें तीन शिक्षकों के नाम पर चर्चा तेज है. इनमें घाटशिला कॉलेज घाटशिला के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ आरके चौधरी, एबीएम कॉलेज के डॉ राजेंद्र भारती और एलबीएसएम कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ अशोक कुमार झा के नाम शामिल हैं.

क्लास रूम में मारपीट के आरोपी को मिला रिवार्ड

संवाददाता | जमशेदपुर

ग्रेजुएट कॉलेज में क्लास रूम में हाल ही में मारपीट करने की आरोपी शिक्षिका डॉ रश्मि कुमारी को कोल्हान विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान का पीजी हेड बनाया गया है. इससे पूर्व मारपीट के मामले को लेकर सरायकेला के काशी साहू कॉलेज में उनका स्थानांतरण कर दिया गया था. जबकि इस मामले की अन्य आरोपी आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापक डॉ पूजा सिन्हा का चक्रधरपुर स्थित जेएलएन कॉलेज में स्थानांतरण किया गया है. विश्वविद्यालय ने अपनी इस कार्रवाई के चंद दिनों बाद ही डॉ रश्मि कुमारी को विवि में पीजी हेड बनाया जाना सवालों को जन्म देने लगा है. फिलहाल जांच चल ही रही है.

क्या है मामला

द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वीमेन में हाल ही में राजनीति विज्ञान विभाग की दो शिक्षिकाओं के बीच क्लास रूम में छात्राओं के सामने जमकर मारपीट हुई थी. इस घटना में डॉ रश्मि कुमारी घायल हो गयी थीं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. डॉ रश्मि स्थायी और डॉ पूजा सिन्हा आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापक हैं. कॉलेज की ओर से घटना की जानकारी दिए जाने के बाद विवि की ओर से एक जांच टीम का गठन किया गया था. जांच पूरी होने के पश्चात विश्वविद्यालय ने कार्रवाई करते हुए दोनों शिक्षिकाओं का अन्य जिलों में स्थित कॉलेजों में स्थानांतरण कर दिया था.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार, 20 अक्टूबर 2023 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 185

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

नवंबर से झारखंड के 13664 स्कूलों में नया प्रयोग

शुरू होगा बैगलेस डे

ट्रेनिंग शुरू

- क्लास 6 से 8 तक के बच्चों के लिए यह कार्यक्रम चलाया जाएगा
- इंडस्ट्रियल विजिट से व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम से जुड़ेंगे बच्चे

13664 स्कूल | 1472615 बच्चे

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड के 13664 माध्यमिक स्कूलों में नवंबर महीने से बैगलेस डे की शुरुआत होगी. शिक्षा विभाग शनिवार को बच्चों को स्कूल के बस्ते के बोझ से छुटकारा देने और व्यावसायिक शिक्षा के प्रति उनका रुझान बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना शुरू करने जा रहा है. राज्य के 13664 स्कूलों के क्लास 6 से 8 तक के बच्चों के लिए यह कार्यक्रम चलाया जाएगा. शनिवार को स्कूलों में बैगलेस डे होगा और उस दिन मिडिल स्कूलों के 1472615 बच्चे बिना बैग के स्कूल पहुंच कर एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में शामिल होंगे.

11 तरह की व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी : बैगलेस डे के दिन छात्रों को स्कूलों में योग, व्यायाम और खेलकूद की गतिविधियों के अलावा 11 तरह की व्यावसायिक शिक्षा की जानकारी दी जाएगी. इसके लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से छात्रों को हर बैगलेस डे के दिन इंडस्ट्रियल विजिट पर ले जाया जाएगा. बच्चों को स्कूल के आसपास स्थिति इंडस्ट्रियल एरिया और अलग-अलग व्यावसायिक क्षेत्रों का दौरा कराया जाएगा. आर्ट एंड क्राफ्ट, क्रॉकरी, गीत-संगीत जैसे व्यवसाय की जानकारी उन्हें फील्ड में ही मिल जाएगी. इसके बाद इन व्यावसायिक चीजों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा.

मास्टर ट्रेनरों को दी जा रही ट्रेनिंग

बैगलेस डे और व्यावसायिक शिक्षा को लेकर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. इसके लिए सभी जिलों के मास्टर ट्रेनरों को ट्रेनिंग दी जा रही है. 19 अक्टूबर तक सभी जिलों के तीन-तीन मास्टर ट्रेनर को ट्रेनिंग देकर उन्हें अपने-अपने जिलों में भेजा जाएगा. वहां जाकर ये मास्टर ट्रेनर अपने जिले के शिक्षकों को ट्रेनिंग देंगे.

व्यावसायिक पाठ्यक्रम से जुड़कर बहुत कुछ सीखेंगे बच्चे : स्वप्निल कुजूर

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर स्वप्निल कुजूर ने बताया कि बैगलेस डे में छठी, सातवीं और आठवीं क्लास के बच्चों को शामिल किया जाएगा. उन्हें 11 तरह की व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी. इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की ट्रेनिंग मास्टर ट्रेनरों को दी जा रही है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में बच्चों का पढ़ाई के साथ-साथ संपूर्ण विकास जरूरी है. बच्चों का कौशल विकास करने और उन्हें व्यावसायिक शिक्षा का महत्व बताने के लिए शुरू हो रहा यह कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है.

दोहरा उद्देश्य पूरा करेगा नया प्रयोग

बैगलेस डे की पहल दोहरे उद्देश्य को पूरा करेगी. सामाजिक दृष्टिकोण से, यह छात्रों को कारीगरों और व्यक्तियों, जैसे बढ़ई, माली, कुम्हार, मूर्तिकार और कलाकारों से बातचीत के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिन्होंने व्यावहारिक अनुभव से अपनी कला को निखारा है. यह बातचीत उनकी कार्यशैली के बारे में जानकारी प्रदान करेगी. शैक्षिक दृष्टिकोण से, छात्रों को आईसीटी, विज्ञान लैब और कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलेगा.

इन राज्यों में चल रहा है बैगलेस डे प्रोग्राम

बता दें कि बैगलेस डे का प्रचलन झारखंड के कई प्राइवेट स्कूलों में पहले से है. राज्य की हेमंत सरकार अब सरकारी स्कूलों में यह नया प्रयोग करने जा रही है. यही नहीं देश के कई अन्य राज्यों की सरकारों ने भी अपने यहां के सरकारी स्कूलों में बैगलेस डे का प्रचलन शुरू कर सप्ताह में एक दिन बच्चों के कंधे से बस्ते का बोझ कम किया है. नवंबर 2022 में पड़ोस के छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में बैगलेस डे शुरू किया गया था. वहीं बिहार में भी नवंबर 2022 से यह व्यवस्था लागू है. उत्तर प्रदेश में 2020 से स्कूलों में एक दिन बैगलेस डे का नियम चल रहा है. दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार ने 2018 में ही बैगलेस डे की शुरुआत कर दी थी.

प्यारा सजा है दरबार भवानी...

मां का पट खुला, लगे जयकारे: गुरुवार की शाम हरमू पंच मंदिर के पंडाल का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन करते सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन. - फोटो। रमीज

प्रो. पवन कुमार पोद्दार बीबीएमकेयू के प्रभारी कुलपति बनाए गए

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. पवन कुमार पोद्दार विवि के प्रभारी कुलपति बनाए गए हैं. इस बाबत राजभवन ने गुरुवार को

न ोटिफिके श न जारी कर दिया है. दुर्गापूजा की छुट्टी के कारण विश्व विद्याल य अभी बंद है. नए प्रभारी कुलपति 26 अक्टूबर को विश्वविद्यालय खुलने के बाद प्रभार ग्रहण करेंगे.

ज्ञात हो कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे कुलपति शुकदेव भोई को राजभवन ने छह दिन पहले पद से हटा दिया था. जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, प्रभारी कुलपति को फिलहाल रोजमर्रा के कार्यालयी कार्य को गति देने के लिए पावर दिया गया है. विवि के बड़े फैसलों के लिए उन्हें राजभवन से संपर्क में रहना होगा. यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी.

शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को ईडी ने किया गिरफ्तार

रांची। झारखंड शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शराब कारोबारी योगेंद्र

तिवारी को गुरुवार की देर शाम गिरफ्तार कर लिया. इस मामले में ईडी ने बीते 23 अगस्त को 34 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी. उन ठिकानों में योगेंद्र तिवारी के देवघर स्थित होटल सिद्धार्थ के सामने स्थित गोदाम, बोम्पास टाउन स्थित डॉ. राजीव पांडेय अस्पताल के पास स्थित आवास, हरमू हाउसिंग कालोनी के डी-2 स्थित मेसर्स संथाल परगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड व जामताड़ा के दो ठिकाने भी शामिल थे.

सामयिक टिप्पणी

सक्रिय राजनीति से रघुवर दास की विदाई के मायने

प्रमुख संवाददाता। रांची

ओडिशा का राज्यपाल बनाये जाने के साथ ही पूर्व सीएम रघुवर दास की झारखंड की सक्रिय राजनीति से विदाई हो गई है. रघुवर भाजपा का बड़ा चेहरा हैं. संगठन में मजबूत पकड़ है. कूटनीति और जोड़-तोड़ के दांव-पेंच में माहिर हैं. उम्मीद थी कि 2024 के लोकसभा और विस चुनाव में पार्टी उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देगी. चर्चा थी कि उन्हें रांची या चतरा से लोस का चुनाव लड़वाया जा सकता है, लेकिन राज्यपाल बनाये जाने के बाद इन संभावनाओं पर विराम लग चुका है. झारखंड में भाजपा के पास नेताओं-कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज है, लेकिन प्रदेश स्तर के चेहरे सिर्फ तीन (बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास) ही हैं.

चुनाव से पहले जब भाजपा को रघुवर के दांव-पेंच की जरूरत है, ऐसे में उन्हें विदा करने का फैसला बहुत बड़ा कदम है. हालांकि 2019 का चुनाव भाजपा ने रघुवर के नेतृत्व में ही लड़ा था और सत्ता से बाहर हो गई थी. अब बाबूलाल मरांडी राज्य में भाजपा के सर्वमान्य नेता नजर आ रहे हैं, क्योंकि अर्जुन मुंडा भी केंद्र में मंत्री हैं और रघुवर को राजभवन भेज दिया गया है.

- **सरयू राय की भाजपा में वापसी के द्वार खुले! :** रघुवर की विदाई से उनके खेमे में निराशा है. रघुवर के कंधे के सहारे लोकसभा और विस चुनावों में टिकट की उम्मीद लगाये नेताओं की टेंशन बढ़ गई है. उधर भाजपा के दूसरे खेमों में खुशी का माहौल है. रघुवर के जाने से अर्जुन मुंडा गुट के नेताओं में एक बार फिर उम्मीद जगी है. जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के समर्थकों के चेहरे भी खिल गये हैं. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के गुट के भी नेताओं और कार्यकर्ताओं के चेहरे में चमक आ गई है. रघुवर दास के ओडिशा जाने के बाद कोल्हान प्रमंडल में भाजपा में बड़ा बदलाव होने की संभावना दिख रही है. कहा जा रहा है कि जल्द ही सरयू राय की भाजपा में वापसी हो सकती है.

- **रघुवर को ओडिशा भेजकर कोल्हान में डैमेज कंट्रोल करने की तैयारी :** 2019 के विस चुनाव में भाजपा की हार और कोल्हान में भाजपा का सूपड़ा साफ होने के लिए रघुवर दास को ही जिम्मेवार माना जा रहा था. उधर सरयू राय अंदर से संघ और भाजपा के बीच पैठ बनाए हुए हैं. सरयू गुट के भाजपाइयों ने कई बार रघुवर की शिकायत भी की. भाजपा में सरयू की लोकप्रियता और रघुवर के खिलाफ बढ़ते आक्रोश को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने रघुवर को ओडिशा भेज कर डैमेज कंट्रोल का फैसला लिया है.

- **रघुवर को ओडिशा भेजने में बाबूलाल की भूमिका ! :** भाजपा ने आदिवासी वोटरों को साधने के लिए मरांडी को प्रदेश की कमान दे दी है. पार्टी में यह भी चर्चा है कि रघुवर को ओडिशा भेजने के पीछे बाबूलाल की बड़ी भूमिका है. रघुवर बड़े कद के नेता हैं. अगर वे यहां रहते तो लोस या विस का टिकट उन्हें भी देना पड़ता.ऐसे में माना जा रहा है कि सियासी समीकरण देखते हुए बाबूलाल मरांडी की पहल पर उन्हें झारखंड से विदा किया गया है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	56,800
चांदी (किलो)	74,000

ब्रीफ खबरें

नागा साधु की गला घोंट कर हत्या

अयोध्या। अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में एक नागा साधु की गला घोंटकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान साधु राम सहारे दास (44) के रूप में की गई है. मृतक के गले पर गहरा निशान पाया गया तथा उसकी हत्या के मामले में मंदिर में रहने वाले एक व्यक्ति पर शक है, लेकिन वह फरार है. इस बीच, हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने बताया कि दास 1991 से अपने बचपन के दिनों से हनुमानगढ़ी में रह रहा था.

पूजा में बादल देंगे दस्तक दशमी को बारिश के आसार

धनबाद। रांची, धनबाद सहित सूबे के अन्य जिले में इस वर्ष दुर्गापूजा का मौसम सुहाना रहेगा. मौसम विभाग के 19 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से 23 अक्टूबर की रात संथाल के जिलों के अलावा धनबाद व गिरिडीह में बादल दस्तक देंगे. वहीं 24 अक्टूबर को इन्हीं क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी व बारिश की संभावना है. वहीं 25 अक्टूबर को राज्य के लगभग सभी जिलों में बारिश की संभावना बनी हुई है.

सीएम की मौजूदगी में आरएमसी और अपोलो चेन्नई ने किया सब लीज डीड पर हस्ताक्षर

रांची में बनेगा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

बड़ी पहल

प्रमुख संवाददाता। रांची

रांची स्मार्ट सिटी के एडीबी एरिया में अपोलो ग्रुप का सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनेगा. प्लॉट नंबर 44 में 2.75 एकड़ जमीन पर 250 बेड के हॉस्पिटल का निर्माण होगा. इसे लेकर गुरुवार को सीएम हेमंत सोरेन की मौजूदगी में नगर निगम और चेन्नई के अपोलो अस्पताल इंटरप्राइजेज लि. के बीच सब लीज डीड पर हस्ताक्षर हुआ. सीएम ने अपोलो हॉस्पिटल प्रबंधन से कहा कि वह हॉस्पिटल जल्द से जल्द शुरू करें. उन्होंने राज्य स्थापना दिवस के दिन 15 नवंबर को अस्पताल का भूमि पूजन करने का निर्देश दिया.

हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार दे रही विशेष ध्यान : मुख्यमंत्री : सीएम ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत बेहतर नहीं रही है. 2019 में उनकी सरकार के गठन के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में लगातार काम हो रहा है. सरकारी अस्पतालों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है.जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों की नियुक्तियां की जा रही हैं. निजी क्षेत्र के अस्पताल भी खोलने के प्रयास हो रहे हैं, ताकि लोगों को बेहतर इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े.

2.75

एकड़ जमीन पर होगा निर्माण, मिलेगा सैकड़ों लोगों को रोजगार

- सीएम ने 15 नवंबर को अस्पताल के भूमि पूजन करने का दिया निर्देश

अस्पताल में उपलब्ध कराई जाएंगी ये सुविधाएं

अस्पताल में विशेष रूप से कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, गायिनकोलॉजी, जननरल सर्जरी, जनरल मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स, ईएनटी सेवा प्रदान की जाएगी. इसके अलावा इमरजेंसी सेवा, रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, डाइटरी सर्विसेस की भी व्यवस्था होगी. अपोलो हॉस्पिटल द्वारा 24 घंटे एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करायी जाएगी. हॉस्पिटल के अंदर पार्किंग, फार्मेसी, एटीएम, कैंटीन आदि की व्यवस्था भी रहेगी.

अपोलो में पहले चरण में ओपीडी की शुरुआत होगी

अस्पताल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री को बताया कि जल्द ही 250 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा. पहले चरण में यहां ओपीडी की शुरुआत होगी. अस्पताल में स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा. सामान्य चिकित्सक और पारा मेडिकल कर्मी भी झारखंड के होंगे, वहीं विभिन्न विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी.

डेढ़ लाख लोग सीधे तौर पर होंगे लाभान्वित

रांची स्मार्ट सिटी परिसर में स्कूल, कॉलेज, फाइव स्टार होटल, मॉल, ऑफिस समेत कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निर्माण होना है. एक मेडिकल कॉलेज का भी निर्माण प्रस्तावित है. इसके अलावा यहां लगभग 16 हजार आवासीय इकाइयां होंगी. करीब डेढ़ लाख लोग एडीबी एरिया में निवास करेंगे. ऐसे लोग इस अस्पताल से सीधे लाभान्वित होंगे.

45 वर्षों की सब लीज पर दी गई है जमीन

गौरतलब है कि रांची के घाघरा में अपोलो हॉस्पिटल के निर्माण के लिए रांची नगर निगम और अपोलो हॉस्पिटल इंटरप्राइजेज के बीच 4 सितंबर 2014 को एकरारनामा हुआ था. लेकिन प्रस्तावित जमीन पर विवाद होने के कारण अपोलो को स्मार्ट सिटी में जमीन उपलब्ध कराने का फैसला लिया गया. जमीन की सब लीज फिलहाल 45 वर्षों के लिए की गयी है. भविष्य में लीज अवधि बढ़ायी भी जा सकता है.

प्रसंगवश

रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून ...

बैजनाथ मिश्र

बैजनाथ मिश्र

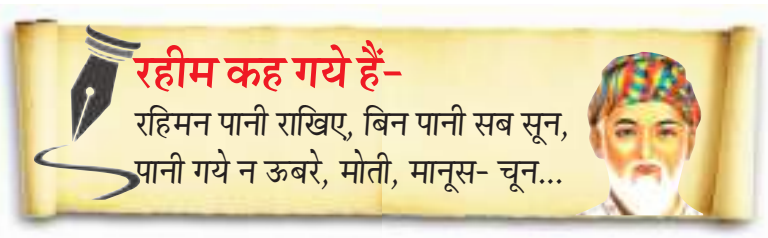

हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के तीन स्तंभ हैं. विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका. इन तीनों को संविधान प्रदत्त अधिकार मिले हैं. लेकिन इनमें से कोई भी संप्रभु या सर्वशक्तिमान नहीं है. अगर कोई संप्रभु है, तो हमारा राष्ट्र और हम भारत के लोग, जिन्होंने एक सुविचारित, सुचिंतित संविधान अंगीकार किया है. जिसमें संशोधन का अधिकार भी हम लोगों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से विधायिका को ही दिया है. लेकिन संविधान में तीनों स्तंभों के अधिकार क्षेत्र के स्पष्ट पृथक्करण की व्यवस्था के बावजूद इन तीनों में यदा-कदा सर्वोच्चता की होड़ शुरू हो जाती है. इस होड़ के उद्रेक में ये संस्थाएं यह भूल जाती हैं कि कोई भी अधिकार असीम नहीं होता. सबके लिए संविधान में लक्ष्मण रेखाएं खींची हुई हैं. इसलिए जब भी कोई संस्था इस रेखा का उल्लंघन करती है, तो हम भारत के लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक हो जाता है. ताजा मामला महाराष्ट्र विधानसभा का है. वहां जून 2022 से ही दल-बदल और विधायक दलों में टूट-फूट का कोलाहल राष्ट्रीय स्तर पर छाया हुआ है. सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में यह मामला उसी समय से है. इसी मामले के नये संस्करण की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष बताएं कि वह दल-बदल मामले में कब तक फैसला सुनाएंगे या कम से कम इस मामले की सुनवाई की समयबद्ध योजना या कार्यक्रम बताएं. दिलचस्प यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई लिखित आदेश नहीं दिया है, बल्कि सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से ऐसा कहा है और यह संदेश भी दिया है कि स्पीकर उसके आदेश की अनदेखी नहीं कर सकते. ऐसा लग रहा था कि सुप्रीम कोर्ट 16-17 अक्टूबर को सुनवाई के बाद इस बाबत कोई लिखित आदेश दे देगा, लेकिन उसने स्पीकर को 30 अक्टूबर तक की मोहलत दे दी है. न्याय के बड़े मंदिरों में बैठे देवताओं के पास कन्टेम्प्ट और डिफेमेशन जैसे हथियार तो हैं ही, किसी कानून की व्याख्या का अधिकार भी उन्हें ही है. सर्वोच्च मंदिर के न्यायमूर्तियों की तो बात ही निराली है. इसलिए उनसे अग्रिम माफी के साथ यह सवाल पूछना स्वाभाविक है कि संविधान के किस अनुच्छेद के तहत सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट विधानसभा के स्पीकर को उनके कार्यक्षेत्र में दखल देते हुए शीघ्र निर्णय लेने का आदेश दे सकता है ? संविधान के अनुच्छेद 212 में यह स्पष्ट प्रावधान है कि न्यायालय विधानमंडल की कार्यवाहियों की जांच नहीं कर सकता. इसे स्पष्ट करते हुए इस अनुच्छेद में कहा गया है कि राज्य के विधानमंडल की किसी कार्यवाही की विधि मान्यता की प्रक्रिया को किसी अभिकथित अनियमितता के आधार पर प्रश्नगत नहीं किया जाएगा. -शेष पेज 10 पर

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त हैं)

झारखंड हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

पति पर इतना बोझ न डालें कि शादी उसके लिए सजा बन जाए

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए अहम व मार्मिक बात कही. अदालत ने कहा कि पत्नी का भरण-पोषण प्रदान करना पति का नैतिक दायित्व है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए कि वैवाहिक जीवन-शैली बनी रहे, इसके लिए पति पर इस हद तक बोझ डालना भी उचित नहीं कि शादी उसके लिए सजा बन जाए.

धनबाद फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर की गयी थी याचिका : दरअसल धनबाद फैमिली कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी. जिसपर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि वर्ष 2018 में उसकी शादी हुई. शादी के कुछ दिनों बाद ही उसकी पत्नी ने दहेज और घरेलू हिंसा का आरोप लगाया और वैवाहिक घर छोड़ कर अपने माता-पिता के साथ रहने लगी.

भरण-पोषण के लिए 25,000 देने को कहा

पत्नी ने आरोप लगाया था कि याचिकाकर्ता, एक आर्थिक रूप से समृद्ध व्यवसायी, कोयला और कोक विनिर्माण संयंत्रों सहित कई स्रोतों से पर्याप्त आय अर्जित करता है और उसकी कुल मासिक आय 12.5 लाख रुपए होने का अनुमान है. जिसके बाद धनबाद फैमिली कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि पति अपनी पत्नी को 40,000 हजार रुपए मेंटेनेंस (भरण-पोषण) दे. धनबाद कोर्ट के इस फैसले को बदलते हुए हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया कि फैमिली कोर्ट का निर्णय गलत निष्कर्षों पर आधारित था और तय की गयी भरण-पोषण की राशि अनुचित थी. इसके बाद हाईकोर्ट ने प्रार्थी को 25,000 हजार रुपए मेंटेनेंस (भरण-पोषण) के तौर पर देने का निर्देश दिया है.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा पूजा को लेकर शहर में निकला फ्लैग मार्च

चक्रधरपुर । दुर्गा पूजा को लेकर गुरुवार शाम चक्रधरपुर शहर में प्रशासनिक पदाधिकारी ने फ्लैग मार्च निकाला. पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा, एसडीपीओ दिलीप खलखो के नेतृत्व में निकाला गया. जहां प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी मोहल्ले व पूजा पंडाल में पैदल घूमकर जायजा लिया. इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने विसर्जन जुलूस के द्वारा निकाले जाने वाले रूट चार्ट संबंधित भी जानकारी ली. इस दौरान साफ सफ़ाई इत्यादि को तो भी अधिकारियों ने देखा.

जेपी उद्यान में 10 लेन में होगी पार्किंग

आदित्यपुर । दुर्गा पूजा के दौरान आदित्यपुर के जेपी उद्यान में 10 लेन की पार्किंग व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए होगी. जिसमें दोपहिया-चारपहिया-तिपहिया वाहन की पार्किंग लेनवार होगी. जबकि सिक्युरिटी और पुलिस लिखा एप्रोन पहने पुलिस बल की पुरुष महिला के जवान तैनात रहेंगे. वहीं दोपहर 12 से सुबह 4 बजे तक भारी वाहनों का आदित्यपुर टोल ब्रिज से बिष्टुपुर जाने के लिए नो एंट्री रहेगा. गुरुवार को गम्हरिया थाना से खरकई पुल तक पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाल .

बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता परेशान

आदित्यपुर । दुर्गा पूजा में निर्बाध बिजली आपूर्ति का विभाग का दावा फेल हो रहा है. आदित्यपुर के उपभोक्ता बिजली की आंख मिचौली से परेशान हैं. युवा जनशक्ति मोर्चा के अध्यक्ष अभय झा ने इसे जनता के साथ क्रूर मज़ाक करार दिया है. उन्होंने बताया कि खासकर शाम में जब पूजा अर्चना करने का टाइम होता है, तो बिजली गुल हो जाती है. उन्होंने बताया कि लगातार विभाग के अभियंताओं से टेलीफोन बात कर रहे हैं कि आप संध्या समय में बिजली ना काटें.

जिप सदस्य के प्रयास से ब्रिज पर लगी लाइट

घाटशिला । घाटशिला के गोपालपुर ओवर ब्रिज पर घाटशिला जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह के प्रयास से गुरुवार को नया लाइट लगाया गया. ओवर ब्रिज पर लाइट लगाई गई थी परंतु कुछ दिनों के बाद उन लाइटों की स्थिति काफी दयनीय हो चुकी थी. इसके कारण ओवर ब्रिज पर काफी अंधेरा रहता था. लोगों को रात के समय आने-जाने में परेशानी हो रही थी. दुर्गा पूजा के पर्व को देखते हुए घाटशिला के जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह ने इस ओर प्रयास करते हुए लाइट लगवाया.

वन कार्यालय के पास से वनकर्मी लापता

चंदवा। थाना क्षेत्र के सरोज नगर निवासी सुमित कुमार पिता हरदेव साव बीते मंगलवार को वन विभाग कार्यालय के नजदीक से लापता हो गया. सुमित वन विभाग का ही कर्मी था और ड्यूटी के लिए ही घर से निकला था. उसे ब्लॉक कॉलोनी तक देखा गया, मगर उसके बाद वह लापता हो गया. उसके लापता होने के बाद परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की. सभी रिश्तेदारों के यहां भी पता किया, मगर कहीं उसका पता नहीं चल पाया. इसके बाद परिजनों ने चंदवा थाना में लिखित आवेदन देकर गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया है.

लखाईडीह सीता झरना में वृहत डैम निर्माण की मांग

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के लखाईडीह के ग्रामीणों ने जल संसाधन विभाग से सीता झरना में वृहत डैम निर्माण की मांग की है. ग्राम प्रधान कान्हूराम टुडू के नेतृत्व ग्रामीणों ने जल संसाधन के सचिव को आवेदन देकर बताया कि लखाईडीह में वृहत डैम बनने से क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी. साथ ही इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. लखाईडीह क्षेत्र ऊंची पहाड़ियों से घिरा हुआ क्षेत्र है. तीन पहाड़ी के बीच सीता झरना बहती है, जो शंख नदी में मिल जाती है.

भुतिया पंचायत में लीगल अवेयरनेस कार्यक्रम

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जमशेदपुर एवं अनुमंडल विधिक सेवा समिति, घाटशिला की ओर से लीगल अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन सचिव के आदेशानुसार आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में 17 सितंबर से 25 दिसंबर तक चल रहे अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत मानुषमुड़िया व भुतिया पंचायत में किया गया.

दुर्गा पूजा के दौरान होने वाली आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है

हादसे को लेकर प्रशासन अलर्ट, जारी किए गए नंबर

संवाददाता । धनबाद

दुर्गा पूजा के दौरान होने वाली आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है. जिले के आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ अग्निशमन विभाग किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सक्रिय रहेगा. दोनों विभाग का इमरजेंसी फोन नंबर जारी किया गया है. जिले का कोई नागरिक आपात स्थिति में इन नंबरों पर फोन कर मदद प्राप्त कर सकता है.

हॉस्पिटल इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर

- सेंट्रल हॉस्पिटल धनबाद : चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर आरके ठाकुर - 9470595563
- इमरजेंसी कांटेक्ट नंबर : 0326 - 2203069, 0326 - 2203068, 0326 - 2203061, 0326 - 2203063, सेंट्रल अस्पताल में 20 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक सुबह, शाम एवं रात्रि में रोस्टर के अनुसार चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे .
- बीपी नियोगी होस्पिटल, डीवीसी मैथन : चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर यू कुमार - 9572595538
- इमरजेंसी कांटेक्ट नंबर - 06540-279521, 279555

अग्निशमन सेवा के लिए इनसे करें संपर्क

- एमपीएल मैथन - राजकुमार राय - 9204958561,
- डीवीसी सीआइएसएफ मैथन - सोमन जोसेफ - 9550929002, 06540-279300,
- सेल चासनाला - केपी महतो - 9470194910
- बीसीसीएल - माइंस रेस्क्यू अधीक्षक पीआर मुखोपाध्याय - 9470596991, हर्ल सिंदरी - एएम सेफ्टी दीपक पॉल - 7985652346, कंट्रोल रूम- 0326-2410508, एसीसी सिंदरी : फायर सेफ्टी ऑफिसर काली दुबे - 7379910484, फायर ऑफिसर धनबाद - लक्ष्मण प्रसाद - 9122196694,फायर ऑफिसर सिंदरी- सुमन कुमार सिंह - 9934911439,
- फायर ऑफिसर झरिया - रामनाथ चौधरी - 9279468953

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- किरिंग बापला किस आदिवासी समुदाय से संबंधित है - संथाल
- मामल्लपुरम का वराह मंदिर किसने बनवाया था - सिंह विष्णु
- आईएसओ प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाला देश का पहला महिला पुलिस स्टेशन -भोपाल
- टंगस्टन किस वर्ग का खनिज है - धातु
- शोर मंदिर किस प्रदेश में है - तमिलनाडु
- चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज किस खेल से जुड़े हैं - बैडमिंटन
- बकिंघम नहर भारत के किस राज्य में है - आंध्र प्रदेश-तमिलनाडु
- सिडेराइट किसका अयस्क है - आयरन
- रिगॉन थुपटेन मनोविज्ञान मठ कहां है - ओडिशा

हादसों से बचने के लिए पंडाल में प्रवेश और निकास द्वार अलग रखें

सुरक्षा की गाइडलाइन का पालन करे पूजा समिति : डीसी

संवाददाता । बोकारो

पूजा समितियों को निर्देश देते बोकारो उपायुक्त.

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कुलदीप चौधरी ने गुरुवार को जिले के विभिन्न पूजा समितियों को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार बोकारो द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का शत प्रतिशत अनुपालन करने को कहा. इस बाबत संबंधित कार्यालय द्वारा पत्र भी जारी किया गया है. जिसमें कहा गया है कि दुर्गापूजा के दौरान बोकारो शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पंडाल बनाये जाते हैं. दुर्गापूजा के दौरान आग की दुर्घटना एवं भगदड़ जैसे हादसों से बचने के लिए दुर्गापूजा समिति सुरक्षा निर्देशों का पालन करे. इस दौरान उन्होंने बताया कि पंडाल में प्रवेश एवं निकास द्वार के अलग-अलग रास्ते रखें. प्रवेश एवं निकास द्वार पर पर्याप्त संख्या में वालेंटियर की व्यस्था करें.

मुख्य प्रवेश द्वार एवं निकास द्वार को कम से कम 05 मीटर चौड़ा रखें. प्रवेश कतार लगाकर कराएं तथा पुरुष एवं महिला के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था करें. निकास के रास्ते के जगह-जगह पर तीर निशान के संकेत से प्रदर्शित क.रें इससे आम जनता को किसी इमर्जेंसी के समय सुरक्षित निकासी में मदद मिलेगी. भगदड़ से बचाव के लिए भीड़ प्रबंधन की योजना पहले से बना कर रखें एवं उसे प्रतिनियुक्त पुलिस कर्मियों के साथ साझा करें. पंडाल में बिजली की वायरिंग किसी योग्य एवं प्रशिक्षित इलेक्ट्रिशियन से कराएं एवं हमेशा आईएसआई मार्क के कॉपर तार का ही प्रयोग करें. नंगे तारों पर अच्छी प्रकार से टेप लगा कर रखें एवं उसे पहुंच से दूर रखें.

कुर्सी पर बैठने के लिए बनाये गये दो पंक्तियों के बीच कम से कम ढाई फीट का अंतर रखें और सीट के दोनों ओर से कम ढाई मीटर का स्थान खाली रखें. इसके अलावा सुरक्षा एवं फायर सेफ्टी के लिए हर समय तत्पर रहने की अपील पूजा समितियों से की गयी.

की अपील

- डीसी ने जिले के विभिन्न पूजा समितियों से की अपील
- दुर्गापूजा के दौरान बड़े पैमाने पर पंडाल बनते हैं

दुर्गा पूजा के दौरान तैनात रहेंगे 261 मजिस्ट्रेट और 2500 जवान

जवानों को जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल.

रोहित कुमार । जमशेदपुर

दुर्गा पूजा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में 261 मजिस्ट्रेट और 2500 जवानों की तैनाती की गई है. इसको लेकर गुरुवार को गोलमुरी स्थित पुलिस लाईन में एक बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में मुख्य रूप से एसएसपी किशोर कौशल और उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री समेत पुलिस पदाधिकारी और मजिस्ट्रेट मौजूद थे.

बैठक में सभी को अपने-अपने कार्यों के प्रति जानकारी दी गई. वहीं उन्हें किस तरह से दुर्गा पूजा के दौरान विधि व्यवस्था को बनाए रखना है इसको लेकर दिशा-निर्देश दिए गए. एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर उपायुक्त के साथ एक ज्वाईंट ऑर्डर निकाला गया है. इस ऑर्डर का अनुपालन ठीक तरिके से किया जाए इसको लेकर उक्त बैठक की गई है.

बैठक के दौरान बताया गया कि पूजा समितियों और प्रशासन के बीच किस तरह से समन्वय बनाया जाए. उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान अंतिम समय तक जब तक भीड़ रहे तब तक पुलिस तैनात रहेगी. एसएसपी ने मौके पर मौजूद जवानों को सख्त निर्देश दिए कि पूजा के दौरान स्नैचर्स की संख्या बढ़ जाती है. ऐसे में पूजा में तैनात जवान चेन स्नैचर्स पर नजर बनाए रखे. वहीं 20 अक्टूबर से लेकर 24 अक्टूबर तक यातायात नियमों में बदलाव करते हुए बड़े वाहनों के परिचालन के समय को बदला गया है. जवान इसका भी ध्यान रखे कि सभी वाहन नो इंट्री के दौरान नहीं चलें.

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस-प्रशासन सजग

संवाददाता । धनबाद

दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन सजग है. यातायात व्यवस्था को लेकर लगातार दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं. गुरुवार को पुलिस लाइन में यातायात पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार ने यातायात व्यवस्था में तैनात होने वाले पुलिस कर्मियों को ट्रेनिंग दी. उन्हें रूट चार्ट के अनुसार ड्यूटी में कोताही नहीं बरतने का हिदायत भी दिया गया. करीब दो जवान यातायात व्यवस्था में तैनात रहेंगे. इस दौरान अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस कर्मियों ने मॉक ड्रिल भी किया.

वहीं पूरे मामले पर जानकारी देते हुए यातायात पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर सभी जवानों की लिस्ट तैयार की गई है. किस प्रकार से ड्यूटी करनी है, नो एंट्री रहेगी. दोपहिया वाहन को प्रवेश करना है, कहां से चार पहिया वाहनों की प्रवेश पर रोक रहेगी, इसको लेकर सभी को दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं. दुर्गा पूजा में आम लोगों से भी अपील है कि वो ट्रैफिक नियमों का पालन करें. अपने परिजनों के साथ शांतिपूर्ण माहौल में पूजा पंडालों का दर्शन करें. ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर लगातार जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की बैठक हुई है और शांतिपूर्ण माहौल में दुर्गा पूजा संपन्न कराने को लेकर पुलिसकर्मियों को हिदायत भी दी जा रही है.

प्रशासन सतर्क

- यातायात व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी
- करीब दो जवान यातायात व्यवस्था में तैनात रहेंगे

दुर्गा पूजा मेला को लेकर पूर्व मुखिया ने की बैठक

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड स्थित पिहरा पूर्वी पंचायत भवन में गुरुवार को दुर्गा पूजा मेला में शांति व सुव्यवस्था बनाने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया मो. शब्दर अली ने की. बैठक में दुर्गा पूजा के अवसर पर लगने वाले मेला में शांति व सुव्यवस्था बनाने पर चर्चा की गई. तय किया गया कि शांति समिति के सदस्यों के अलावा सभी जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध लोग मेला स्थल पर शांति व सुव्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे. दुर्गा पूजा के मद्देनजर शराब पर प्रतिबंध को ले प्रशासन से आग्रह किया जायेगा. मंदिर जाने वाले पथ में खराब पड़े स्ट्रीट लाईट को दुरूस्त करने का भी प्रस्ताव लिया गया.

पूजा को लेकर राजस्थान से मंगवाए गए 14 स्पेशल वाहन

संवाददाता । रांची

दमकल कर्मियों की छुट्टियां रद्द

दुर्गा पूजा को लेकर अग्निशमन विभाग में कार्यरत सभी कर्मियों और अफसर की छुट्टियां रद्द कर दी गयी हैं . सभी फायर स्टेशन के कर्मियों को 24 घंटे तैयार रहने का निर्देश दिया गया है . अग्निमशन विभाग के पास रांची में एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म दमकल, एक झाग वाला दमकल वाहन, 30 छोटा फायर ब्रिगेड वाहन समेत कुल 20 दमकल गाड़ियां हैं . इनका उपयोग आपातकालीन स्थिति में किया जायेगा .

दुर्गा पूजा और आगामी पर्व त्यौहारों को लेकर अग्निशमन विभाग अलर्ट है. किसी भी आपदा से निपटने को लेकर सारी तैयारियां कर ली गयी है. इसके तहत अग्निशमन विभाग ने राजस्थान से 14 स्पेशल दमकल वाहन मंगवाये हैं. इस संबंध में अग्निशमन विभाग के डीजी अनिल पालटा ने बताया कि अभी वर्तमान में 14 छोटे दमकल वाहन मंगवाये गये हैं. बाकी के लिए लिए टेंडर की प्रकिया जारी है. यह दमकल वाहन संकरी गलियों में भी जा सकती है. इन वाहनों की मदद से किसी आपात स्थिति में आग पर काबू पाया जा सकेगा.

उपायुक्त ने की कृषि, पशुपालन समेत कई विभागों की समीक्षा

संवाददाता । साहिबगंज

उपायुक्त राम निवास यादव की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन सहकारिता, राम कुमार प्रसाद, गव्य विकास, मत्स्य विभाग धनिक लाल मंडल, एवं उद्यान विभाग अमितेश रंजन के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई.

मेधा द्वारा संचालित सभी मिल्क पार्लर की अधिकतम स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने जरूरी निर्देश दिये. साथ ही सभी मिल्क पार्लर संचालकों से सफाई रखने को कहा. वहीं सहकारिता विभाग की समीक्षा के क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारी से कहा कि धान अधिप्राप्ति की तैयारी शुरू कर दें. इस वर्ष जिले में धान की अच्छी खेती हुई है. कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बीज वितरण की स्थिति आदि की प्रगति जानते हुए भी आवश्यक निर्देश दिए. वहीं मत्स्य विभाग द्वारा संचालित, उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा भी की गई.इस बैठक में मौजूद जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, एलडीएम, साहिबगंज जिला भूमि संरक्षण,रितेश कुमार यादव,उद्यान विभाग,अमितेश रंजन, काव्य एवं पशुपालन विभाग मत्स्य विभाग,धनिक लाल मंडल, के वरीय पदाधिकारी मौजूद थे.

मो. परवेज ने एसडीओ का पदभार संभाला

लातेहार। सदर अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी मो. परवेज ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया. वे लातेहार के 79वें अनुमंडल पदाधिकारी हैं. अनुमंडल कार्यालय में आयोजित सादे समारोह में निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी शेखर कुमार से उन्होंने पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण करने के बाद मो. परवेज ने कहा कि दुर्गा पूजा एवं अन्य त्योहारों को देखते हुए पूरे अनुमंडल क्षेत्र में विधि-व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखना पहली प्राथमिकता होगी. उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचने का संकल्प दुहराया. कहा कि आम नागरिक किसी भी समस्या के लिए उनसे सीधे संपर्क कर सकते हैं. मौके पर जिला 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष अरुण दुबे, पूर्व 20 सूत्री जिला उपाध्यक्ष राजधानी यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव शमसूल होदा, जिला संयुक्त सचिव मो. इमरान व फूलचंद गंझू समेत अनुमंडल कार्यालय के कर्मी मौजूद थे.

स्टेशनों में चौकसी बरतें थानेदार : रेल एसपी

संवाददाता । धनबाद

नए रेल एसपी मनोज स्वर्गियारी को गुलदस्ता देकर स्वागत करते रेल डीएसपी.

दुर्गापूजा को लेकर थानेदार-इंस्पेक्टर समेत अन्य पुलिसकर्मी स्टेशनों और ट्रेनों में चौकसी बरतें. नवरात्र के समय ट्रेनों व स्टेशनों में काफी भीड़ होती है. अपराधी प्रवृत्ति के लोग इसका फायदा उठाते हुए घटना को अंजाम देकर निकल जाते हैं. ऐसे संदिग्धों पर पैनी नजर रखें. उक्त बातें नए रेल एसपी मनोज स्वर्गियारी ने पदभार ग्रहण करने के बाद रेल डीएसपी संजीव कुमार बेसरा व धनबाद रेल थाना प्रभारी संजय प्रसाद समेत अन्य पुलिसकर्मियों से कही. उन्होंने कहा कि धनबाद रेल जिला पुलिस का क्षेत्र काफी दूर तक फैला हुआ है. धनबाद से लेकर जसीडीह होकर साहिबगंज और बरकाकाना से लेकर गढ़वा व कोडरमा तक है.

कहा कि एक दर्जन से अधिक जिलों के क्षेत्रों में रेलवे स्टेशनों पर रेल थाना हैं. रेलवे में मानव, कछुआ व नशीले पदार्थों की तस्करी होती है. इसके अलावा कभी कभार चोरी, छिनतई, लूट व डकैती की भी घटनाएं होती है. इसपर काबू पाने के लिए पुलिसकर्मी हमेशा सतर्कता बरतें. रोजाना ट्रेनों में और स्टेशन परिसर में चेकिंग अभियान चलाते रहें, खासकर दुर्गापूजा दीपावली व छठ तक कड़ी निगरानी करें. ट्रेनों में एस्कोर्ट करें और संदेहियों पर नजर रखें. यात्रियों को भी जागरूक करें कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु के देखे जाने पर नजदीकी रेल थाना को सूचना दें. रेल एसपी ने पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश देने के बाद लंबित मामले के फाइलों को चेक किया और उसे शीघ्र निष्पादन करने को कहा.

किया स्वागत

- धनबाद रेल जिला पुलिस का क्षेत्र काफी दूर तक है
- साहिबगंज और बरकाकाना से कोडरमा तक है

घाटशिला अनुमंडल अस्पताल का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण

घाटशिला। घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) सतवीर रजक ने गुरुवार को अनुमंडल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में ओपीडी, पैथोलॉजी, एक्स-रे, दवाखाना सहित अस्पताल के अन्य विभागों को देखा. इस क्रम में अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आरएन सोरेन उपस्थित थे. एसडीओ ने फार्मासिस्ट को निर्देश दिया कि दवाखाना में दवाइयां एक्सपायरी डेट के अनुसार ही रखें. साथ ही साथ स्टॉक में क्या-क्या दवाइयां है, उसकी सूची भी अलग से बनाकर रखें, ताकि मरीज एवं अन्य लोगों को जानकारी हो सके. निरीक्षण के दौरान पैथोलॉजी की व्यवस्था तथा कार्यरत टेक्नीशियन से जांच के संबंध में जानकारी ली. निरीक्षण के उपरांत उन्होंने कहा कि रूटीन विजिट के तहत अस्पताल का निरीक्षण किया गया. सब ठीक-ठाक व्यवस्थित तरीके से चल रहा है.

परेशानी हाथी अब तक जमुआ, रांगामाटिया, माकड़ी समेत कई गांवों में फसल को रौंद चुके हैं

खेतों में धान की बाली आते ही हाथियों का उत्पात शुरू

संवाददाता । चाकुलिया

खेतों में लगे धान और हाथी.

खेतों में धान के पौधों में बालियां निकलनी शुरू हो गई हैं. इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे चाकुलिया प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया है. हाथी खेत में खड़ी धान की फसल को पैरों से रौंद कर और खाकर बर्बाद करने लगे हैं. इससे क्षेत्र के किसान चिंतित हैं. इस इलाके में हर साल जंगली हाथी किसानों को भारी नुकसान पहुंचाते हैं. जंगली हाथी किसानों के लिए एक आपदा बन गए हैं. पिछले 15 दिनों से विभिन्न इलाकों में जंगली हाथियों के आने और धान की फसल बर्बाद करने का सिलसिला शुरू हो गया है. हाथियों ने अब तक जमुआ, रांगामाटिया, माकड़ी समेत अन्य कई गांव में धान की फसल को रौंद कर किसानों को भारी नुकसान पहुंच चुके हैं. विगत दो दिनों से जंगली हाथियों का एक दल सोनाहातू पंचायत क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है. ग्रामीणों की मानें तो जंगली हाथी दिनभर आसपास के जंगलों में रहते हैं और शाम होते ही जंगल से निकल कर धान के खेतों में उत्पात मचाने लगते हैं. धान की फसल को बर्बाद कर हाथी भारी नुकसान पहुंचाते हैं.

ज्ञात हो कि पिछले पांच-छह वर्षों से चाकुलिया वन क्षेत्र के चाकुलिया, बहरागोड़ा और धालभूमगढ़ प्रखंड में जंगली हाथियों के उपद्रव में भारी वृद्धि हुई है. खेती के लिए तो जंगली हाथी काल बन गए हैं. जंगली हाथी ना सिर्फ धान की फसल को बर्बाद करते हैं, बल्कि सब्जी की फसलों को भी तहस-नहस कर देते हैं. घरों पर हमला कर जान और माल का भारी नुकसान पहुंचाते हैं. किसानों का मानना है कि जैसे-जैसे खेतों में धान की फसल पकनी शुरू होगी वैसे-वैसे जंगली हाथियों का उपद्रव बढ़ता जाएगा. हाथियों के कारण धान की फसल घर लाई जा सकेगी या नहीं, इसको लेकर किसान चिंतित हैं. हालांकि ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम पहुंचती है और हाथियों को भगाने की दिशा में पहल करती है. इसके बाद भी ग्रामीण अपनी फसल को लेकर परेशान रहते हैं.

बढ़ी चिंता

- हर साल जंगली हाथी फसल को नुकसान पहुंचाते हैं
- हाथियों का समूह सोनाहातू पंचायत क्षेत्र में घूम रहा है

जंगली झाड़ियों से घिरा भारत माता कल्याण मंडप

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के पाटपुर पंचायत में स्थित भारत माता कल्याण मंडप जंगली झाड़ियों से घिर गया है. कोरोना काल के पहले इस मंडप का उपयोग विवाह, मीटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि के लिए किया जाता था. पिछले कई माह से यहां कोई कार्यक्रम नहीं होता है. यह धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोता जा रहा है. इस भवन का निर्माण वर्ष 2009 में राज्यसभा सांसद डॉक्टर एसएस आहलूवालिया की सांसद निधि से हुआ था. इसकी खिड़की के शीशे टूट गए हैं और दरवाजा में दीमक लग गया है. विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण यह भवन खंडहर में परिवर्तित होता जा रहा है. ग्रामीणों का कहना है समय रहते इस भवन की मरमत कराई जाए तो फिर से वह अपने पूर्व अवस्था में आ जाएगा और कई सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम करने में स्थानीय लोगों को सहूलियत होगी.

शारदीय नवरात्र

षष्ठं कात्यायनी

चंद्र हासोज्ज्वलकरा शार्दूलवर वाहना।
कात्यायनी शुभंदद्यात् देवी दानव घातिनि।।

नौ देवियों में कात्यायनी मां दुर्गा का छठा अवतार हैं. देवी का यह स्वरूप करुणामयी है. देवी पुराण के अनुसार कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण इन्हें कात्यायनी के नाम से जाना जाता है. विवाह नहीं हो रहा या फिर वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानी है तो माता कात्यायनी की पूजा अवश्य करनी चाहिए.

विग्रह : मां कात्यायनी का शरीर सोने जैसा सुनहरा और चमकदार है. मां चार भुजाधारी और सिंह पर सवार हैं. उन्होंने एक हाथ में तलवार और दूसरे हस्त में कमल का पुष्प धारण किया हुआ है. अन्य दो हाथ वरमुद्रा और अभयमुद्रा में हैं.

पूजा विधि : नवरात्र के छठे दिन भी सर्वप्रथम कलश व देवी कात्यायनी जी की पूजा की जाती है. पूजा शुरू करने पर हाथों में फूल लेकर देवी को प्रणाम कर देवी के मंत्र का ध्यान किया जाता है. देवी की पूजा के पश्चात महादेव और परम पिता की पूजा करनी चाहिए.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

डॉ. अजय कर रहे चाय पर चर्चा, लोगों से हो रहे रूबरू

सिर पर जर्मन रेट्रो स्टाइल हेलमेट और साइडकार लगी बुलेट लेकर कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं पूर्व सांसद

संवाददाता। जमशेदपुर

कांग्रेस सीडब्ल्यूसी सदस्य और जमशेदपुर के पूर्व सांसद व एसपी रहे डॉ. अजय कुमार ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बाइक से दौरा किया और लोगों से मिले. इस दौरान उनका अलग रूप देखने को मिला. सिर पर जर्मन रेट्रो स्टाइल हेलमेट और साइडकार लगी बुलेट लेकर वे कार्यकर्ताओं के साथ निकले थे. डॉ. अजय कई जगहों पर गए जहां लोगों संग ''''चाय पर चर्चा'''' की. साथ ही कई विषयों पर बातचीत की. बता दें कि डॉ. अजय पिछले कुछ दिन से हर सुबह शहर के विभिन्न स्थानों पर जाते हैं और लोगों से मिलते हैं, उनसे

बाइक से निकले डॉ. अजय कुमार.

लोगों से बातचीत करते डॉ. अजय.

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं और उनके साथ चाय पीते हैं.

बुनियादी मुद्दों पर की बात

डॉ. अजय अपने समर्थकों के साथ चाय पर चर्चा यात्रा के तहत साकची बाजार गए, जहां उन्होंने मजदूरों और दुकानदारों से मुलाकात की और उनके साथ बैठकर उनके बुनियादी मुद्दों पर बात की. इसके बाद वे कदमा-सोनारी लिंक रोड भी गए जहां लोगों से मिले. वैसे डॉ अजय की इस पहल को लोग चुनाव से पहले की तैयारी के रूप में देख रहे हैं. जो भी हो पर इस पहल की पूरे शहर में सराहना हो रही है. इस अवसर पर मुख्य रूप से नगर कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर, बुद्धदेव गिरी, बापी साहू, सुनील प्रसाद, राहुल तिवारी, बबलू झा, राकेश साहू, शैलेश गुप्ता समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

खास बातें

- दुकानदारों और मजदूरों से मुलाकात कर मुद्दों पर चर्चा की
- कदमा सोनारी लिंक रोड भी गए, लोगों से मुलाकात की

आओ जानें

पोटका से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	भाजपा	मेनका सरदार
2005	झामुमो	अमूल्य सरदार
2009	भाजपा	मेनका सरदार
2014	भाजपा	मेनका सरदार
2019	झामुमो	संजीव सरदार

ब्रीफ खबरें

बोकारो में कई जगह अमर बाउरी का स्वागत

बोकारो। रांची से बोकारो जाने के क्रम में गुरुवार को बोकारो जिले के पेटरवार, दांतू, बहादुरपुर, जैनामोड़, नयमोड़, चास, चंदनकियारी समेत अन्य कई स्थानों में झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी का स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया. इस दौरान कसमार प्रखंड के दांतू में स्थानीय युवा नेता सोमनाथ नायक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से लादकर उनका स्वागत किया.

माले प्रखंड कमेटी की बैठक संपन्न

कोडरमा/जयनगर। जयनगर माले प्रखंड कमेटी की बैठक गडगी गांव में प्रखंड सचिव अशोक यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रभारी भुवनेश्वर केवट उपस्थित थे, सभी जन संघटनों का समीक्षा की गई और निर्णय लिया गया कि पूजा के बाद गांव स्तर पर बैठक कर सदस्यता अभियान चलाकर पुराने सदस्यों का नवीनीकरण 18 दिसंबर तक करना है.

विधायक ने पंप हाउस का किया उद्घाटन

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत के तहत वार्ड नंबर एक में स्थापित पंप हाउस का गुरुवार को विधायक समीर कुमार मोहंती ने उद्घाटन किया. विधायक ने फीता काटने के बाद पंप को स्टार्ट किया. मौके पर समीर कुमार मोहंती ने कहा कि इस पंप हाउस के चालू होने से इलाके में बेहतर तरीके से जलापूर्ति हो सकेगी. मौके पर प्रखंड प्रमुख धनंजय करुणामय, नगर पंचायत के प्रशासक चंदन कुमार उपस्थित थे.

सतगावां का राजद प्रत्याशी ने किया दौरा

कोडरमा/सतगावां। कोडरमा विधानसभा के राष्ट्रीय जनता दल के भावी प्रत्याशी सुभाष यादव सतगावां प्रखंड के ईटाय पंचायत के विभिन्न गांवों का दौरा किया. जिसमें जोगीडीह,मोहनपुर, विसनीडीह, बेलाटांड़ बुटवरियां एवं ईटाय का दौरा किया. इस बीच राजद प्रत्याशी सुभाष यादव ने महिलाओं एवं पुरुषों के बीच साड़ी एवं लुंगी का वितरण किया. वहीं ग्राम ईटाय में पंचायत समिति राधा देवी के साथ कुछ लोगों ने गुरुवार को राजद का दामन थामा एवं सदस्यता ग्रहण की.

बाबूलाल के प्रयास से जगमगाया तिसरी चौक

तिसरी। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार की शाम तिसरी मास्ट लाइट का स्वीच ऑन किया. यह लाइट कई वर्षों से खराब थी. बाबूलाल के प्रयास से इसे बदला गया जिससे तिसरी चौक फिर से जगमग हो गया. बाबूलाल मरांडी ने विद्युत विभाग के जीएम से बात कर तिसरी चौक स्थित विधुत कार्यालय कैम्पस में लगी हाई मास्ट की नई लाइट लगवाई. गुरुवार की शाम इसका फिर से स्वीच ऑन किया गया.

एग्रिको स्थित आवास पर पूर्व सीएम ने पत्रकारों से कहा

ओडिशा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे : रघुवर

संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने ओडिशा का राज्यपाल बनाये जाने पर खुशी जताई है. उन्होंने कहा है कि एक नई जिम्मेदारी हमें मिली है, वह भी जगन्नाथ बाबा के दरबार जैसे राज्य में इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार प्रकट करते हैं. झारखंड और ओडिशा दोनों की संस्कृति एक है और दोनों भरपूर खनिज सम्पदा से भरे हुए राज्य हैं. ओडिशा के मुख्यमंत्री लगातार ओडिशा की जनता की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं. संवैधानिक पद राज्यपाल का दायित्व निभाते हुए वे सरकार के साथ मिलकर ओडिशा को विकास की नई उंचाइयों तक पहुंचाने का काम करेंगे. उक्त बातें रघुवर दास ने अपने एग्रिको स्थित आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कही.

भाजपा में कार्यकर्ताओं की फौज : रघुवर दास ने कहा कि किसी के आने जाने से पार्टी पर कुछ प्रभाव नहीं पड़ता. भारतीय जनता पार्टी एक बहुत बड़ी पार्टी है और कार्यकर्ताओं की पार्टी है. जब उन्हें टिकट मिला था तब वे खुद भी एक कार्यकर्ता थे. तत्कालीन एमएलए दीनानाथ पाण्डेय का टिकट काट कर एक साधारण मजदूर को टिकट दिया गया था. पार्टी में एक से एक कार्यकर्ताओं की फौज है. अब पार्टी जिसे जहां से भी लड़ाए या जिम्मेदारी देगी पार्टी के कार्यकर्ता उसका ईमानदारी से निर्वाह करेंगे. राज्यपाल बनाये जाने पर जमशेदपुर ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड की जनता काफी खुश है, क्यूंकि पहली बार शहर के एक मजदूर को संवैधानिक पद का दायित्व मिला है. इस दौरान कार्यकताओं की भीड़ उनके आवास पर उमड़ पड़ी, सभी ने उन्हें मिठाई खिलाकर राज्यपाल बनाये जाने पर बधाई दी. कई लोगों ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित भी किया.

रघुवर दास को बधाई देते कार्यकर्ता.

खास बातें

- किसी के आने जाने से पार्टी में कोई प्रभाव नहीं पड़ता
- पार्टी में कार्यकर्ताओं की फौज, कोई जिम्मेदारी दे

1980 से हैं पार्टी के कर्मठ सिपाही

एक सवाल के जवाब में रघुवर दास ने कहा कि मुख्यमंत्री हो या राज्यपाल का पद कोई भी जातिसूचक का पद नहीं होता. वे काफी संतुष्ट हैं, उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि कई अहम् पद का दायित्व उन्हें पार्टी देगी. पार्टी ने उन्हें काफी कुछ दिया है. वह 1980 से ही पार्टी के कर्मठ सिपाही है. पार्टी ने जो भी जिम्मेदारी दी है, उसे वे बेहतर व ईमानदारी से निभाएंगे. आने वाले चुनाव में सभी 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा जीतेगी और एक बार फिर से झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनेगी.

कांग्रेस प्रभारी ने लगायी फटकार

विशेष संवाददाता। रांची

- कहा–खड़गे, राहुल और प्रियंका की चुनावी सभा तय करनी है, दिए गए निर्देश और टास्क का अनुपालन हो

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लोकसभा प्रभारियों एवं संयोजकों की क्लास ली. उन्होंने प्रभारी एवं संयोजकों से पार्टी द्वारा दिए गए टॉस्क की जानकारी ली और बेहतर रिजल्ट नहीं देने वाले संयोजकों एवं प्रभारियों का कड़ी फटकार लगायी. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , राहुल गांधी जी एवं प्रियंका गांधी की चुनावी सभा होनी है. इसको लेकर कार्यक्रम तय किए जाने हैं. इसलिए पार्टी द्वारा दिए गए काम और निर्देश का पालन हो. पांडेय गुरूवार को लोकसभा प्रभारी एवं संयोजकों के साथ वर्चुअल मीटिंग कर रहे थे. बैठक में संगठन सशक्तीकरण अभियान के तहत संगठन की पूर्ण समीक्षा तथा अग्रणी संगठनों विभाग और प्रकोष्ठों की समीक्षा और प्रगति पर समीक्षा हुई है.बैठक में बारी-बारी से प्रभारी एवं संयोजकों ने अपनी कार्य रिपोर्ट प्रभारी के समक्ष प्रस्तुत किया.

बैठक में ये शामिल हुए : बैठक में लोकसभा प्रभारी एवं संयोजक आलमगीर आलम, बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, अनादि ब्रह्म, अनवर अहमद अंसारी, डॉ रामेश्वर उरांव, बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, डॉ अजय कुमार, केशव महतो कमलेश, भीम कुमार, ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह, डीएन चांपिया, प्रदीप तुलस्यान, रमा खलखो, सुखदेव भगत, सुलतान अहमद, अजय दूबे, दीपिका पांडे सिंह, जयशंकर पाठक, अशोक चौधरी, प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी अमुल्य नीरज खलखो, सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर गजेन्द्र सिंह सहित कई जिला प्रभारी शामिल हुए.

खास बातें

- लोकसभा प्रभारियों और संयोजकों की क्लास ली
- काम और निर्देश का हर हालत में पालन किया जाए

प्रभारी ने जानकारी मांगी और दिए ये निर्देश

- प्रखंड, मंडल एवं पंचायत कांग्रेस कमेटी की गठन की विस्तृत जानकारी दें. उन्होंने कहा कि अपूर्ण है तो यथाशीघ्र उसे पूर्ण कर प्रदेश कार्यालय में जमा करें
- मीडिया एवं सोशल मीडिया हर लोकसभा समिति का गठन करना है. लोकसभा में अच्छे वक्ताओं का चयन करना, वाट्सएप्प ग्रुप तैयार करना, अग्रणी संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठा की कार्यों की समीक्षा रिपोर्ट जिला एवं प्रखंड अध्यक्षों से चर्चा कर उनकी घोषित कमेटियों की नियुक्ति एवं सत्यापन करें.
- प्रदेश अध्यक्ष के समन्वय से हरेक लोकसभा में कंट्रोल रूम की स्थापनाकरना, सभी लोकसभा प्रभारी एवं संयोजक यथाशीघ्र सुनिश्चित करेंगे.
- सभी लोकसभा प्रभारी एवं संयोजक दिये गये निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करेंगे ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी की चुनावी सभा आयोजित करने के लिए कार्यक्रम निर्धारित की जा सके.

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने दिये निर्देश

- प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने जिला प्रभारी एवं जिलध्यक्षों की कार्यों की समीक्षा की तथा सभी को निर्देश देते हुए जिला, प्रखंड, मंडल, पंचायत स्तर तक 15 दिनों में बैठक कर उसकी प्रगतिशील रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया.
- प्रभारी द्वारा दिये गये निर्देशों के आलोक में जिला एवं प्रखंड पदाधिकारियों के बीच कार्य विभाजन करते हुए पंचायत स्तर तक संगठन की पूर्णता का कार्य संपन्न करना है.
- जिन प्रखंडों में पार्टी कार्यालय नहीं हैं, वहां 30 अक्टूबर से पहले पार्टी कार्यालय खोल लेना है.
- सभी जिला एवं प्रखंड स्तर तक मीडिया एवं सोशल मीडिया की टीम भी यथाशीघ्र गठित करें.

सरायकेला के भाजपाइयों ने रघुवर दास को दी बधाई

संवाददाता। आदित्यपुर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बनाये जाने पर सरायकेला खरसावां भाजपा के जिलाध्यक्ष विजय महतो के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उन्हें गुलदस्ता देकर और शॉल ओढ़ाकर बधाई दी. जिलाध्यक्ष ने कहा कि रघुवर दास का राजनीतिक सफर एक बूथ अध्यक्ष से शुरू होकर आज ओडिशा के महामहिम तक पहुंचा है, जो भाजपा में ही संभव है. यह सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है. इस अवसर पर आदित्यपुर के निवर्तमान मेयर विनोद श्रीवास्तव, निवर्तमान उप मेयर बॉबी सिंह, जिला महामंत्री राकेश सिंह, मनोज तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा, निरंजन मिश्रा, ब्रह्मानंद झा, स्वप्निल सिंह, सुनील सिंह, दीपक मांझी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

विधायक ने किसानों के बीच टॉर्च व पटाखे बांटे

चाईबासा। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा ने गुरुवार को झींकपानी प्रखंड के कई गांवों का दौरा किया और किसानों की समस्याओं की जानकारी ली. साथ ही विधायक ने ग्रामीणों के बीच टॉर्च व पटाखों का वितरण किया. विधायक ने क्षेत्र में नौजवान युवकों से आग्रह किया कहा कि हाथियों को पत्थर से न मारे. मशाल, पटाखे व टॉर्च की मदद से उन्हें जंगल की ओर भगाये. मौके पर टोंटो जिप सदस्य राज नारायण तुबिद भी मौजूद रहे. विधायक ने चालगी गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक की. बैठक में चालगी, सुरनिया, कोंदवा, राजंका, दोकट्टा, मौदा सहित गांव के अन्य लोग शामिल हुए. ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि हाथियों के कारण पूरे इलाके में खौफ का माहौल है. 28 हाथियों का झुंड पिछले तीन से चार दिनों से विभिन्न गांवों में घूमकर खेतों में लगी फसलों को नष्ट कर रहा है. इससे किसानों को काफी परेशानी हो रही है.

अवैध धंधे में भाजपा नेताओं की संलिप्तता : बंधु

विशेष संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि भाजपा और इसके नेताओं की संकुचित मानसिकता से ग्रसित हैं. इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य गठन के बाद पिछले 23 साल के दौरान झारखंड और यहां के लोगों की ऐसी स्थिति क्यों बनी है और इसके लिए जिम्मेवार कौन है. यदि भाजपा और इसके नेताओं के मन में झारखंड के हित में थोड़ी-सी भी सकारात्मक भावना बची हो तो उन्हें संकुचित मानसिकता से बाहर निकलना चाहिए. यहां के भाजपा नेताओं की बेचैनी बहुत ज्यादा बढ़ गयी है, जबकि उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिया था. मैंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वैसे लोग प्रत्येक राजनीतिक दल में हैं. भाजपा नेता और राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू द्वारा इस संबंध में कही गयी बातें इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भाजपा में वैसे नेताओं की संख्या कहीं ज्यादा है, जिनकी जमीन मामलों में संलिप्तता है. जमीन के वैसे अवैध कारोबार में संलिप्त हैं. यह बातें तिर्की ने कांग्रेस भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही.

झारखंड से कोई लेना-देना नहीं रहा : बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड में जल, जंगल और जमीन की लूट मची है. उसपर भी जमीन के मामले में अनेक वैसे स्वार्थी तत्व संलिप्त हैं जिन्हें झारखंड से कोई लेना-देना नहीं है. वैसे लोग केवल जमीन और कमाई के दृष्टिकोण से ही झारखंड को देखते हैं. भले ही इससे झारखंड की कितनी भी दुर्गति हो. वैसे तत्वों के कारण ही आज झारखंड में स्थिति ऐसी है, जहां आम लोगों के हित और कल्याण से ज्यादा गलत तरीके से अवांछित तत्वों द्वारा जमीन की बिकाई और जंगल की कटाई जैसे धंधे चमक रहे हैं.

खास बातें

- भाजपा नेता संकुचित मानसिकता से बाहर आएं
- आदित्य साहू को तकलीफ होना इसका प्रमाण

यह जमीन लूट एक-दो साल की कहानी नहीं

तिर्की ने कहा कि यह राज्य 2000 में बना. तब से लेकर आज तक यहां जमीन लूट जारी है. यह किसी शासनकाल की बात नहीं है. झारखंड में सबसे लंबे समय तक भाजपा शासन में रही. इसलिए वह भी बच नहीं सकती है. रांची में भू-माफियाओं और प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा जमीन लूट निरंत जारी है. रांची, खूंटी सहित कई क्षेत्रों में जमीन गलत तरीके से लूटी गयीं.

आमने-सामने चर्चा करे भाजपा: तिर्की ने कहा कि राजनीतिक दृष्टिकोण से हटकर राजहित में जब से झारखंड बना तब से लेकर अब तक जमीन में हुई भ्रष्टाचार और घोटाले को लेकर बीजेपी आमने-सामने चर्चा करें. राजनीति में रहने का यह मतलब नहीं है कि प्रत्येक मुद्दे को राजनीति के चश्मे से ही देखा जाए.

हजारीबाग | झारखंड के पूर्व सीएम को राज्यपाल बनाए जाने पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

रघुवर कुशल राजनेता के साथ बेहतर प्रशासक : मनीष

संवाददाता। हजारीबाग

पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हजारीबाग के भाजपाइयों ने गुरुवार को अटल भवन में एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर जश्न मनाया.

इस मौके पर सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एक कुशल राजनेता होने के साथ ही साथ कुशल प्रशासक भी हैं. यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया है. उन्होंने सभी केंद्रीय नेताओं सहित रघुवर दास को बधाई संदेश भेजकर खुशी जाहिर की है.

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा ने खुशी जाहिर करते हुए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया है. वहीं जिलाध्यक्ष अशोक यादव और बटेश्वर मेहता ने कहा कि रघुवर दास की प्रशासनिक दक्षता का फल ओडिशा जैसे राज्य को जरूर मिल पाएगा. मांडू विधायक जेपी पटेल ने कहा कि रघुवर दास लगातार पार्टी के कई अहम पदों पर कार्य कर आज राज्यपाल के पद पर आसीन हुए हैं. पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कुशल कार्यदक्षता को देखकर ही उन्होंने भाजपा की सदस्यता ली थी. उन्होंने कहा कि रघुवर दास के मुख्यमंत्रित्व काल में झारखंड का भरपूर विकास हुआ था.

खास बातें

- मिठाइयां खिलाकर पीएम के प्रति जताया आभार
- रघुवर के कार्यकाल में झारखंड का हुआ विकास

इन लोगों ने दी बधाई

बधाई देनेवालों में मुख्य रूप से सुदेश चंद्रवंशी, अभिमन्यु प्रसाद, सुरेंद्र सिन्हा, टुन्नू गोप, गणेश यादव, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, उपाध्यक्ष किशुन यादव, रौशनी तिर्की, अमरदीप यादव, हरीश श्रीवास्तव, के पी ओझा, विवेकानंद सिंह, विनोद भगत, सुनील साव, जिला मीडिया प्रभारी जयनारायण प्रसाद, रौशन कुमार दामोदर सिंह, सुनील मेहता, उमा पाठक, भानुमति पासवान, नंदलाल मेहता, सेवालाल महतो, मूलचंद साव, पुष्पा तिर्की, बिनोद झुनझुनवाला, दिनेश कुमार, श्यामकिशोर सिंह, प्रफुल्ल कुमार, रणधीर पांडे, विवेक बरियार, बबन गुप्ता, रेणुका साहू, महेंद्र राम बिहारी, अजीत चंद्रवंशी, विकास सिन्हा, तनवीर अहमद, महेश तिग्गा सहित कई कार्यकर्ता शामिल हैं.

हाथी प्रभावितों को विधायक सबिता ने दी मुआवजे की राशि

संवाददाता। चांडिल

हाथी प्रभावित लोगों के बीच गुरुवार को वन विभाग ने मुआवजा राशि का वितरण किया. मुआवजा राशि के चेक का वितरण ईचागढ़ की विधायक सबिता महतो ने किया. चांडिल स्थित वन विभाग के कार्यालय परिसर में जंगली हाथी द्वारा मारे गए एक व्यक्ति की विधवा, एक घायल और हाथी द्वारा मारे गए एक बैल के मालिक को मुआवजा राशि का चेक सौंपा गया. गांव-गांव में घूमकर कुर्सी बेचने वाले अशर्फूल हक को जंगली हाथियों के झुंड ने 13 मार्च 2023 को कुचलकर मार दिया था. पिलीद जंगल के पास हाथियों को झुंड विचरण कर रहा था. उसी दौरान अशर्फूल हक सेल्फी लेने हाथी के पास पहुंचा था.

ब्रीफ खबरें

दहेज हत्या का आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

जमशेदपुर । कदमा थाना अंतर्गत रामजनम नगर निवासी दहेज हत्या के आरोपी दीप नारायण शर्मा को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए एडीजे 1 राजेंद्र कुमार सिन्हा ने दीप नारायण को बरी कर दिया. मामला दिसंबर 2022 का है. इस संबंध में मृतका के परिजनों ने दीप नारायण समेत ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाया था. मायके पक्ष ने पुलिस को बताया था कि 21 नवंबर 2021 को नम्रता की शादी हुई थी.

पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

गांडेय (गिरिडीह) । गावां प्रखंड अंतर्गत माल्डा सुमित्रा ऑटोमोबाइल के समीप गुरुवार को पुलिस ने दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर वाहन जांच अभियान चलाया. इस दौरान वाहनों की डिक्की व कागजातों की जांच की गई. वहीं बिना हेलमेट के चलने वाले लोगों को कड़ी हिदायत देकर छोड़ा गया. इधर, जांच करते हुए एसआई राहुल चौबे ने बताया कि त्यौहारों पर अपराध नियंत्रण को लेकर वाहन जांच की जा रही है.

दीवार गिरी, मलबे में दबकर एक की मौत

खूंटी । अड़की प्रखंड के नौढ़ी गांव में बुधवार की देर रात घर में सो रहे दंपती के ऊपर कच्ची दीवार गिरने से उसके मलबे में दबकर देवी हजाम (60) की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी गायत्री देवी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार पति-पत्नी कच्चे घर के अंदर सो रहे थे. घटना की जानकारी मिलने पर पास-पड़ोस के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और दीवार के मलबे में दबे दंपती को बाहर निकाला.

ट्रेन से महिला से मोबाइल छिनतई

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के आउटर सिग्नल में चलती ट्रेन से एक महिला का मोबाइल छीनकर एक युवक फरार हो गया. जमशेदपुर निवासी सुष्मिता पांडेय गुरुवार को साउथ बिहार एक्सप्रेस से चक्रधरपुर आ रही थी. जब ट्रेन चक्रधरपुर के आउटर सिग्नल पर पहुंची. महिला मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी. इसी बीच एक युवक ने झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गया. पीड़ित महिला ने चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी थाना में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है.

सड़क हादसे में मृतकों की संख्या हुई चार

बोकारो । जिले के जैनामोड़ में 17 अक्टूबर की रात हुए एक सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है. बुधवार को हादसे में घटनास्थल पर सूरज कुमार एवं यशोदा देवी की मौत के बाद सड़क जाम लगा था, जिसके बाद ट्रक के मालिक की ओर से दोनों मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये मुआवजा देने के बाद सड़क जाम टूटा. इधर इस हादसे में गंभीर रूप से जख्मी 5 वर्षीय बच्ची खुशी कुमारी ने भी दम तोड़ दिया था. मौत की खबर सुनते ही एक बार फिर ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया.

स्कॉर्पियो पलटने दो युवक घायल, 1 रेफर

कोडरमा/मरकच्चो । नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित कटारियाटांड के समीप स्कॉर्पियो पलट जाने से उसमें सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. मिली जानकारी के अनुसार खरखार निवासी मोतीलाल (26 वर्ष) और उत्तरप्रदेश निवासी अनिल शर्मा (23 वर्ष) नवलशाही से वापस खरखार जा रहा था. इसी क्रम में कटारियाटांड के समीप अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो पलट गई. स्कॉर्पियो तेज गति से लुढ़कते हुये एक पेड़ से जा टकराई.

बाइक दुर्घटनाग्रस्त, 2 गंभीर रूप से घायल

गावां (गिरिडीह) । गावां थाना क्षेत्र के लोढ़ियाटांड़ निवासी उमेश बेसरा की पत्नी जोबा हेम्ब्रम बेटे के साथ बाइक दुर्घटना में घायल हो गईं. बाइकसवार हरदिया से लोढ़ियाटांड़ जा रहे थे. इस दौरान सड़क पर ब्रेकर बने होने से बाइक लड़खड़ा गई. जिससे बाइक पर सवार जोबा हेम्ब्रम व उसके पुत्र सोरिल बेसरा सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से दोनों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

जमीन विवाद में जलायी गयी महिला की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता । बोकारो

जिले के माराफारी थाना क्षेत्र के बांसगोड़ा में बुधवार को जमीन विवाद में कुछ लोगों ने अमीषा परवीन नाम की महिला को जिंदा जला दिया था. आज गुरुवार को बोकारो जेनरल अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी. इधर, महिला की मौत की सूचना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल है. इसको देखकर हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गयी है.

इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें घर के बाहर कुछ लोग महिला को केरोसिन छिड़ककर जलाते नजर आ रहे हैं. महिला के पूरे शरीर में आग की तेज लपटे उठती दिख रही है. वहीं महिला का बेटा अपनी मां को बचाने की कोशिश करता दिख रहा है. इस घटना में महिला लगभग 90 प्रतिशत जल चुकी थी. वहीं मां को बचाने में बेटा मुजाब अली का हाथ जला था.

अस्पताल में परिजन.

केरोसिन छिड़ककर आग लगा दी

जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर लगभग 20 की संख्या में महिला एवं पुरुषों की टोली बांसगोड़ा पहुंची और गंदी-गंदी गालियां देते हुए अमीषा परवीन को घर से बाहर निकलने की बात कहने लगे. उस वक्त अमीषा घर पर नहीं थी. घर से जब अमीषा का बेटा निकला तो घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी. इसके बाद बेटे ने मां को फोन कर घर बुलाया. अमीषा वहां पहुंची और घर तोड़ने का विरोध किया. इस पर गुस्साये लोगों ने अमीषा पर केरोसिन छिड़ककर आग लगा दी. आनन-फानन में ग्रामीणों के सहयोग से महिला को सदर अस्पताल ले जाया गया. जहां बर्न यूनिट नहीं रहने के कारण बाद में बोकारो जेनरल अस्पताल में भर्ती किया गया. जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गयी.

जल्द गिरफ्तार होंगे आरोपी

पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने इस मामले को गंभीरता से लिया है. एसपी ने कहा है कि पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है. सभी आरोपी जल्द पुलिस की गिरफ्तार में होंगे. उन्होंने बताया है कि महिला के बयान के आधार पर चार लोगों पर मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है. बताया कि यह पारिवारिक व जमीन विवाद का मामला है, जिसके आधार पर छानबीन कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

आओ जानें

राज्यों में कितने कैदी हैं जेल में बंद

राज्य	क्षमता	बंदी	राज्य	क्षमता	बंदी
आंध्रप्रदेश	8761	7950	केरला	7920	7111
अरुणाचल प्रदेश	333	251	मध्यप्रदेश	29571	48513
असम	8938	10079	महाराष्ट्र	24772	36853
बिहार	47750	66879	मणिपुर	1272	611
छत्तीसगढ़	13500	20061	मेघालय	680	1089
गोवा	624	551	मिजोरम	1420	1116
गुजरात	13999	16597	नगालैंड	1450	500
हरियाणा	19999	24158	ओडिशा	20987	20804
हिमाचल प्रदेश	2417	2876	पंजाब	26556	26146
झारखंड	17501	21257	राजस्थान	22897	22938
छत्तीसगढ़	13500	20061	सिक्किम	260	434
कर्नाटक	15385	15473	तमिलनाडु	23592	18015
			तेलंगाना	7997	7316

एक बच्चा समेत 16 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू

अब तक 7 मानव तस्कर की हो चुकी है गिरफ्तारी

आशीष टैगोर । लातेहार

पुलिस ने दिल्ली समेत अन्य महानगरों में छापेमारी कर एक बच्चा समेत 16 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया. इन्हें बहला-फुसला कर और रुपयों का लालच देकर काम देने के बहाने महानगरों में मानव तस्कर ले गये थे. मामले में पुलिस ने कुल सात मानव तस्करों को गिरफ्तार किया है. इनमें से छह को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. सातवां मानव तस्कर गोपी चंद महतो उर्फ गोपाल उर्फ गोपी, पिता जगनारायण महतो जिला गुमला को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वर्ता में यह जानकारी दी. उन्होने बताया कि रेस्क्यू किये गये बच्चे व बच्चियों में अधिकांश लातेहार व छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के हैं. सभी आदिम जनजाति समुदाय से ताल्लुकात रखते हैं.

गिरफ्तार मानव तस्कर : गोपी चंद महतो उर्फ गोपाल, अनिमा नेगशिया पति विकास नगेशिया (चटकपुर, महुआडांड़, लातेहार), सतेंद्र नगेशिया पिता स्व रघु नगेशिया (सिमार, ओरसापाट, महुआडांड), मनोज प्रसाद उर्फ मनोज जायसवाल (ओरसा, महुआडांड), सुनीता मुरमूरीन उर्फ सुनीता मुंडा पति ब्रजकिशार सिंह (गलयटोली, कोलेबिरा, सिमडेगा), संदीप कुमार पिता मुन्ना बड़ाईक (ओरसा, महुआडांड़) व विकास नगेशिया पिता भोदो बरवा उर्फ चायो नगेशिया (टंडरावली, मनोहरपुर , चाईबासा) का नाम शामिल है. इनमें सुनीता मुरमुरीन उर्फ सुनीता मुंडा वर्तमान में शिवाजी एंक्लेब, रजौरी गार्डन दिल्ली में रहती है.

रेस्क्यू टीम में शामिल पुलिस अधिकारी : रेस्क्यू टीम में पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर चौधरी, पुअनि कुमार सुमित यादव, आशुतोष कुमार यादव, मो जफर आलम, अजय कुमार दास, राहुल कुमार मेहता, दिलीप कुमार दास के अलावा पुलिस श्रीकांत कुमार, पंकज कुमार, महिला पुलिस मुगी सोरेन, गोदविला कुजूर शामिल थे.

जानकारी देते एसपी, लातेहार.

खास बातें

- पुलिस ने कुल सात मानव तस्करों को गिरफ्तार किया
- कस्बों से पीड़ितों की पहचान कर कुरियर तक पहुंचाते हैं

धर-पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा : एसपी

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने कहा कि एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, लातेहार और महुआडांड़ थाना में मानव तस्करी के मामले दर्ज किये गये हैं. मानव तस्करों की धर पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है. अनुसंधान में पता चला कि मानव तस्करों की एक श्रृंखला है. सबसे पहली कड़ी सर्पोटर की होती है. वह गांव व कस्बों से पीड़ितों की पहचान करते हैं और उन्हें पैसों का लालच दे कर कुरियर तक पहुंचाते हैं. कुरियर दूसरी कड़ी होते हैं. सबसे बड़ी कड़ी प्लेसमेंट एजेंसी होती है. ये एजेंसियां बच्चे व बच्चियों को क्लाईट तक पहुंचाते हैं. इसके एवज में वे मोटी रकम लेते हैं. एसपी ने बताया कि कई बार बच्चियों के साथ मारपीट व यौन शोषण तक किया जाता है. उनके पास मोबाइल या किसी प्रकार का संपर्क साधने का सामान नहीं होता है. प्लेसमेंट एजेंसियों के द्वारा पैसों का गबन भी किया जाता है.

पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा की हत्या का मामला

आरोपी राजा पीटर की जमानत याचिका खारिज

संवाददाता । रांची

एनआईए स्पेशल कोर्ट ने पूर्व मंत्री राजा पीटर की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है. सभी पक्षों को सुनने के बाद एनआईए कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सुनवाई के दौरान प्रार्थी ने अदालत में अपने बचाव में बहस करते हुए कहा था कि इस पूरे मामले में वे निर्दोष हैं, जबकि एनआईए के अधिवक्ता ने अपनी बहस में कहा था कि इस हत्याकांड में राजा पीटर की संलिप्तता है. इसलिए इन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए.

बुंडू के स्कूल में कार्यक्रम के दौरान कर दी गयी थी हत्या : बता दें कि बुंडू के एसएस हाई स्कूल में 9 जुलाई 2008 को एक कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सह तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे. छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित करने के बाद वे समारोह को संबोधित कर रहे थे. उसी समय कुंदन पाहन दस्ते के नक्सलियों ने स्कूल में आकर ताबतोड़ फायरिंग कर दी.इसमें रमेश सिंह मुंडा, उनके दो सरकारी बॉडीगार्ड शिवनाथ मिंज और खुर्शीद आलम सहित एक छात्र रामधन पातर की मौत हो गयी थी. मामले में बुंडू थाना में मामला दर्ज किया गया था. रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड की बाद में एनआईए ने जांच की. कुंदन पाहन के सरेंडर करने के बाद उससे पूछताछ के दौरान हत्याकांड में राजा पीटर का नाम आया था.

कार्ड बदलकर ठगी करने वाले दो बरी

जमशेदपुर । जिले के कई थाना क्षेत्रों में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने के आरोपी सुधाकर कुमार और पवन कुमार को जमशेदपुर कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए एडीजे 2 अभास वर्मा ने आरोपियों को बरी कर दिया. इस मामले में शहर के कई थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी.

पुलिस ने आरोपियों को 16 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया था. आरोपियों के पास से 70 एटीएम कार्ड, एक कार, एक मोबाइल 9500 रुपये बरामद किया था. मामले में आजादनगर थाना क्षेत्र की सुमैया बानो का एटीएम बदलकर 95 हजार और जुगसलाई थाना क्षेत्र के एक लाख चार हजार और बिष्टुपुर से 54,987 रुपये की निकासी की गई थी.

ऑटो दुर्घटना में एक बच्ची की मौत, 4 घायल

लातेहार। गारू-मेदिनीनगर पथ के सतनदिया में चालक की लापरवाही से एक ऑटो पलट गयी. इस दुर्घटना में एक आठ वर्षीय आदिवासी बालिका अनिता कुमारी पिता बालेश्वर सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी. ऑटो में सवार चार अन्य घायल हो गये.

गारू थाना पुलिस ने सभी घायलों को गारू रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया है. मृतक छिपादोहर थाना क्षेत्र के गणेशपुर की रहने वाली थी. मृतक के घायल भाई अखिलेश सिंह ने बताया वे कार्रवाई ग्राम से ऑटो में सवार हो बरवाडीह जा रहे थे. सतनदिया के पास ऑटो पलट गयी. इसमें अखिलेश सिंह व उसकी भाभी मनिता देवी समेत चार यात्री घायल हो गये. अखिलेश का दाहिना हाथ फ्रेक्चर हो गया. यात्रियों ने बताया कि टेंपो चालक विनोद सिंह नशे था.

चेकिंग के दौरान मारपीट करने का मामला

एसपी ने दारोगा समेत 3 पुलिसकर्मी को किया सस्पेंड

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर एसएसपी किशोर कौशल ने चेकिंग के दौरान मारपीट करने वाले दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया. गौरतलब है कि बीते 17 अक्टूबर को जुगसलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत पार्वती घाट के पास चेकिंग अभियान चलाया गया था.

इस दौरान जुगसलाई थाना के दारोगा विकास कुमार, टैंगो के आरक्षी काशमीर मुखी और आरक्षी अनिल कुमार महतो ने मो. जैद के बुलेट में प्रेशर हॉर्न और मोडिफाइड साइलेंसर लगे रहने के कारण उसके साथ मारपीट की थी. इसको लेकर मो. जैद के पिता मो. जहीरुद्दीन ने शिकायत की थी.

शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसएसपी ने की कार्रवाई : मो. जहीरुद्दीन की शिकायत पर एसएसपी ने संज्ञान लिया और घटना की संबंधित सक्षम पदाधिकारी से जांच करायी. जांच में पाया गया कि गश्ती दल में शामिल विकास कुमार, काशमीर मुखी और अनिल महतो ने मोडिफाइड बुलेट चलाने को लेकर मो. जैद के साथ मारपीट की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया.

तेतुलिया कोक प्लांट का मामला

मजदूर की संदिग्ध स्थिति में मौत

- मुआवजा की मांग को लेकर प्लांट गेट पर शव के साथ धरने पर बैठे

संवाददाता । निरसा

निरसा थाना के तेतुलिया कोक प्लांट में बुधवार की शाम एक मजदूर मुख्तार अंसारी की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई. वह गोविंदपुर का रहने वाला था. सूचना मिलते ही गुरुवार की सुबह परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण प्लांट पहुंचे और जमकर हंगामा किया. मुआवजे की मांग को लेकर प्लांट के मेन गेट पर सुबह करीब नौ बजे शव रखकर धरने पर बैठ गए.

प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. करीब पांच घंटे तक चले धरना-प्रदर्शन में उग्र ग्रामीणों को संभालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी. दोपहर करीब 2 बजे वार्ता में प्रबंधन ने मृतक के आश्रित को 11 लाख रुपए मुआवजा देने और बकाया राशि का भुगतान जल्द करने का आश्वासन दिया. इसके बाद धरना समाप्त हुआ. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया.

साजिश के तहत मजदूर की हत्या की गई : अताउल

धरना पर बैठे गोविंदपुर प्रखंड झामुमो अध्यक्ष अताउल अंसारी ने कहा कि मुख्तार अंसारी की मौत दुर्घटना में नहीं हुई है. एक साजिश के तहत उसकी हत्या की गयी है. जबकि प्रबंधन का कहना है कि हाइवा की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हुई है. झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि मुख्तार अंसारी तेतुलिया कोक प्लांट में ठेकेदार के अधीन कार्यरत था. कंपनी के पास उसका 48 से 50 लाख रुपए बकाया है. एक प्लानिंग के तहत बुधवार को उसे प्लांट में बुलाया गया. शाम को कंपनी के लोगों ने घर वालों को फोन कर दुर्घटना में उसके घायल होने की सूचना दी. उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गयी. धरना पर बैठने वालों में झामुमो जिलाध्यक्ष लक्खी सोरेन, गुलाम कुरैशी, बबलू महतो, अख्तर हुसैन, डीएन प्रसाद यादव समेत काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे.

बलात्कार के अभियुक्त को 15 वर्ष की सजा

लातेहार । अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अमित कुमार की अदालत ने अभियुक्त रमेश उरांव को बलात्कार का दोषी पाया है. पोक्सो कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक अशोक कुमार दास के अनुसार छह फरवरी 2021 को पीड़िता शौच के लिए गई थी, जहां आरोपी अशोक कुमार दास ने उसे अकेले पाकर पकड़ लिया और बलात्कार कर वीडियो बना लिया. उसके बाद आरोपी ने पीड़िता के घर जाकर उसे वीडियो दिखाते हुए बोला कि अगर तुम किसी को इस घटना की जानकारी दोगी तो इसे वायरल कर देंगे. वह कुछ लोगों को वह वीडियो वायरल कर भी दिया था. अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल 10 गवाहों को पेश किया गया. दोनों ओर से बहस के बाद अदालत ने आरोपी को भादवि की धारा के तहत दोषी पाया. वीडियो वायरल करने के आरोप को भी अदालत ने सही पाते हुए अधिकतम तीन वर्ष एवं 10,000 रूपया जुर्माना तथा बलात्कार के मामले में 15 वर्ष तथा 20,000 रूपये का जुर्माना की सजा मुकर्रर की.

ट्रैक्टर पलटने से 3 नाबालिग छात्र समेत चार हुए घायल

संवाददाता । पलामू

जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के बभंडी गांव में ईंट लदे ट्रैक्टर के पलट जाने से उस पर सवार तीन नाबालिग समेत चार जख्मी हो गए. सभी को बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती किया गया है. सभी खतरे से बाहर हैं. जख्मी नाबालिगों में सोनू कुमार भुइयां (12), मिथुन कुमार भुइयां (10), अशीत कुमार भुइयां (11) के अलावा चालक आफताब अंसारी (22) शामिल हैं. घटना के बाद ट्रैक्टर को पुलिस जब्त कर ली है, जबकि ट्रॉली (डाला) मौके से गायब मिला. जानकारी के अनुसार ईंट-भट्ठा का मालिक अख्तर अंसारी है, जबकि ट्रैक्टर का मालिक संतोष कोरवा है. बताया जाता है कि जख्मी तीनों नाबालिग स्कूली छात्र हैं और स्कूल से सभी लौट रहे थे. इसी बीच ईंट-भट्ठे के मालिक अख्तर अंसारी ने 300-300 रुपए देने का लालच देकर सभी को मजदूरी पर रख लिया था और ईंट लोड कराने के बाद गोरे से बेड़मा बभंडी की ओर गिराने के लिए भेजा जा रहा था. बुधवार की शाम जैसे ही बभंडी मोड़ के पास टैक्टर पहुंचा कि अनियंत्रित होकर पलट गया. चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी को इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में बुधवार रात में भर्ती कराया. वहीं, चालक आफताब और सोनू भुइयां को ज्यादा चोट आई है.

जानकारी मिलने पर श्रम अधीक्षक एतवारी महतो और बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश कुमार ने गुरुवार सुबह एमएमसीएच जाकर घायल सोनू, मिथुन, अशीत और आफताब से मुलाकात की और बाल श्रम को लेकर जांच टीम गठित की. बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है.

ट्रेन से गिरकर जसीडीह के युवक की हुई मौत

गांडेय (गिरिडीह) । गिरिडीह-मधुपुर पैसेंजर ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान देवघर जिले के जसीडीह के सिंघहो निवासी 22 वर्षीय संतोष किस्कु पिता भैया किस्कु के रूप में हुई है. सूचना पर गांडेय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. गुरुवार को गिरिडीह-मधुपुर रेलखंड पर (गोंदलीटांड) के पास शव देखा. हो हल्ला पर लोग जुटे और मृतक के जेब से मिले क्षतिग्रस्त मोबाइल की सिम से बात कर उसके परिजनों को सूचना दी. सूचना पर मृतक का भाई रविलाल किस्कु घटना स्थल पहुंचा और शव की शिनाख्त की. बताया कि उसका भाई बुधवार को कपड़ा खरीदने घर से निकला था. वह जसीडीह से गिरिडीह क्यों जा रहा था इसकी उन्हें जानकारी नहीं है. इधर, सूचना पर आरपीएफ के एएस खान,शिव कुमार और गांडेय थाना से राकेश रंजन घटना स्थल पहुंचे. इसके उपरांत गांडेय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

तैयारी कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, सिटी एसपी बोले-

उपद्रवियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी, प्रशासन अलर्ट

संवाददाता । रांची

दुर्गापूजा को लेकर गुरुवार को कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. सिटी एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल हुआ. सिटी एसपी ने कहा कि जिले में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है. असामाजिक तत्वों के द्वारा त्योहारों में माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो, ऐसे असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है.

आंसू गैस छोड़े और हवाई फायरिंग भी की : इस दौरान पुलिस ने तथाकथित असामाजिक तत्वों के हुड़दंग को रोकने के लिए सबसे पहले उन्हें समझाने का प्रयास किया. उसके बाद हुड़दंग कर रहे लोगों पर पानी की बौछार कर अभ्यास को आगे बढ़ाया गया. पुलिस ने इस दौरान आंसू गैस छोड़े और हवाई फायरिंग भी की. अंत में पुलिस ने हुड़दंग कर रहे लोगों पर लाठियां भी बरसाईं, जिसके बाद हुड़दंग कर रहे असामाजिक तत्व वहां से भागे.

सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि दुर्गापूजा शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो, इसे लेकर प्रशासन पूरी तरह सजग है. सभी थाना क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों को चिह्नित कर वहां विशेष रूप से सुरक्षा दी गई है.

सिटी एसपी ने दिया सुरक्षा का भरोसा

धनबाद । दुर्गा पूजा को लेकर धनबाद जिला पुलिस पूरी तरह चौकस है. सिटी एसपी अजीत कुमार व ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को सरायढेला थाना से बाइक और पैदल फ्लैग मार्च निकाला. मार्च में डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार बिन्हा के साथ धनबाद, धनसार, बैंक मोड़ और सरायढेला के थाना प्रभारी शामिल थे. सिटी एसपी अजीत कुमार ने लोगों का सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए दुर्गा पूजा उत्सव शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की.

ट्रैफिक डीएसपी ने जवानों को दिया निर्देश : इस बीच ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार ने दुर्गापूजा के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था संभालने में तैनात होने वाले पुलिस कर्मियों व जवानों को ट्रेनिंग दी. उन्हें रूट चार्ट के अनुसार ड्यूटी पर तैनात रहने का निर्देश दिया. कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में करीब 200 जवान तैनात रहेंगे. डीएसपी ने ट्रेनिंग के दौरान जवानों को अप्रिय घटना से निपटने के लिए मॉक ड्रिल भी कराया. उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर सभी जवानों की लिस्ट तैयार की गई है. किस प्रकार से ड्यूटी करनी है और कहां-कहां दोपहिया व चार पहिया वाहनों की नो इंट्री रहेगी.

जामाडोबा में मैकेनिकल डिप्लोमा छात्र की संदिग्ध हालात में मौत

- टाटा स्टील कर्मी का पुत्र था अविनाश, झाड़ियों में बेहोशी की हालत में मिला

संवाददाता । जोड़ापोखर

जोड़ापोखर थाना क्षेत्र की जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी निवासी टाटा स्टील कर्मी अभिजीत सिन्हा के पुत्र अविनाश सिन्हा (27 वर्ष) की रहस्यमय स्थिति में मौत हो गई. अविनाश मेकेनिकल डिप्लोमा का छात्र था. पुलिस ने गुरुवार को शव पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया. मृतक के पिता अभिजीत सिन्हा का कहना है कि बुधवार की शाम अविनाश घर से जामाडोबा बाजार बेल्ट खरीदने के लिए गया था. टाटा डीएवी स्कूल के पीछे वह झाड़ियों में बेहोश पड़ा था. बाइक पर सवार दो युवकों ने उसे घर पहुंचाया. परिजन उसे तत्काल जामाडोबा अस्पताल ले गए, जहां चिकिसकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. पिता ने पुलिस को बताया कि अविनाश को नशे की लत थी. लेकिन वह झाड़ियों में कैसे पहुंचा, यह जांच का विषय है. जोड़ापोखर थाना प्रभारी विनोद उरांव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष नवम चंद्रमा है, ससुराल से सुख का सामान मिलेगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृषभ कुछ मानसिक उलझन होगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. मित्रों से मदद मिलेगी.

मिथुन जरूरी कार्य पर खर्च होगा. किसी नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत रह मिलेगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क समय बहुत ही अनुकूल है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें.

सिंह तनाव बढ़ सकता है. शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा.

कन्या किसी बात को लेकर मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकता है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है. इत्र का दान और प्रयोग करें.

वृश्चिक विद्यार्थी शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु कार्य बनने से मानसिक शांति मिलेगा. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी.

मकर कुछ विवाद भी हो सकता है. पर किया गया व्यवसाय ठीक रहेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं. कुछ नया हो सकता है.

कुंभ उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है. अन्न दान करें.

मीन सत-कर्म में रुचि बढ़ेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. आपके अच्छे कर्म से घर परिवार में खुशहाली होगी. शनि को प्रसन्न करें.

माहेश्वरी परिवार के उत्थान को लेकर विचार मंथन

संवाददाता। चाईबासा

श्री करणी माता के मंदिर में चाईबासा के माहेश्वरी परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के 'चौपाल' की प्रथम मासिक सभा करने की तैयारी को लेकर गुरुवार को बैठक हुई. इसमें रांची से झारखंड-बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजकुमार, कोषाध्यक्ष शिव शंकर व रांची सभा के सचिव नरेंद्र लखोटिया रांची से पहुंचे थे. बैठक में कई बिंदुओं पर विचार विमर्श हुआ. बिहार झारखंड प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष, राजकुमार मारू के निर्देशानुसार रांची में चल रहे चौपाल की तर्ज पर ही चाईबासा में भी 1 अक्टूबर 2023 को चाईबासा चौपाल का गठन किया गया. इसका 'प्रमुख उद्देश्य' माहेश्वरी परिवार के वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष वर्ग) में मेल - मिलाप, आपसी सामंजस्य, आमोद प्रमोद द्वारा रिश्तों को और भी सुदृढ़ करना है. इस

उद्देश्य की पूर्ति, आपसी सहमति से महीने में एक बार सभा का आयोजन और साल में दो-तीन बार आसपास के पर्यटक स्थलों का भ्रमण जैसे कार्यक्रम रखकर कर सकते हैं. मासिक सभा में सामाजिक, धार्मिक या अन्य किसी विषयों पर चर्चा, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, गाना-बजाना जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को सम्मिलित कर सकते हैं.

अपने किए गए वादे के मुताबिक अध्यक्ष श्री मारू ने चाईबासा चौपाल की प्रथम मासिक बैठक में सभी का उत्साहवर्धन किया. सभा में झारखंड-बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष शिव शंकर साबू ने बतलाया कि आज के कंप्यूटर और मोबाइल के युग में लोगों का मिलना जुलना बहुत कम होता जा रहा है, जिससे लोगों के जीवन में तनाव भी बढ़ रहा है और यह तनाव तब और भी ज्यादा प्रखर हो जाता है जब पति-पत्नी के जोड़े में से कोई अकेला रह जाता है. तो ऐसे में यह चौपाल लोगों के जीवन के एकांकीपन को दूर कर, तनाव रहित और स्वस्थ जीवन जीने में सहायक साबित होता है. ढलती उम्र में भी लोगों के चेहरे में मुस्कान कायम रहती है और वह अपने आप को पहले से ज्यादा तरुण महसूस करते हैं. बैठक में रांची प्रदेश के नेतृत्व वृंद के अलावा चाईबासा माहेश्वरी परिवार के बृजलाल दमानी, सुशील मुंधड़ा, सोहन मुंधड़ा, सुशील शारदा, अवीरचंद मोहता, ओमप्रकाश सोनी, सुरेंद्र मोहन शारदा, प्रहलाद मुंधड़ा, जयप्रकाश मुंधड़ा, सोम प्रकाश मुंधड़ा घनश्याम मुंधड़ा, रतनलाल बागड़ी, बसंत चांडक, गिरधरलाल मोहता, राजेश मोहता, श्रीकांत मुंधड़ा, अजय मोहता, विमल बिनानी व अन्य लोग उपस्थित थे.

आओ जानें

नूनबिल देवी का मंदिर

परिचय नूनबिल देवी के मंदिर में देवी मां की पूजा-अर्चना होती है.

स्थान दुमका जिले के मसलिया प्रखंड के दलाही में गांव में अवस्थित है नूनबिल देवी का मंदिर.

विशेषता इस मंदिर में नूनबिल माता की पूजा नमक से होती है. यहां नूनबिल देवी को प्रसाद में नमक और बताशा चढ़ाने की परंपरा है. खास तौर पर यहां दूर-दूर से नमक का भोग चढ़ाने के लिए दूरे-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. यहां झारखंड के अलावा बिहार और पश्चिम बंगाल से भी श्रद्धालुओं का आगमन होता है. मकर संक्रांति के अवसर पर यहां आठ दिवसीय मेला लगता है. यह मेला दो सौ सालों से भी पहले से लगता आ रहा है.

व्यवस्था : महानगर दुर्गापूजा के प्रतिनिधि हर जोन में तैनात

आठ जोन में बांटे गये रांची के दुर्गा पूजा पंडाल

संवाददाता। रांची

राजधानी में श्री दुर्गा महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में है. कई पंडालों के पट खुल चुके हैं, जबकि बाकी के पट शुक्रवार को खुलेंगे. इस बीच रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति पूजा पंडालों में भ्रमण करनेवाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए चाक चौबंद व्यवस्था में लगी है. इस क्रम में गुरुवार को कचहरी रोड के बिहार क्लब में समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में पूजा पंडालों की बढ़ती संख्या और व्यवस्था को ध्यान में रखकर पूजा क्षेत्र को आठ जोन में बांटा गया और हर जोन में जिम्मेदार पदधारी तैनात किये गये. बैठक में हर क्षेत्र के लिए पदधारियों के हेल्पलाइन नंबर जारी किये गये.

बैठक में समिति की ओर से डॉ. अजीत सहाय, प्रदीप राय बाबू, राजन वर्मा एवं रवींद्र वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि रांची में पूजा पंडालों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है. इस लिए पूरे क्षेत्र को 8 जोन में बांटकर क्षेत्रानुसार प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है. साथ ही उन प्रतिनिधियों का मोबाइल (हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया जा रहा है. जिससे पूजा के आयोजकों एवं दर्शनार्थियों को होने वाली असुविधा या समस्या होने पर इनसे संपर्क किया जा सकता है. जिसमें करम टोली चौक से शिवाजी चौक, बूटी मोड़ तक राणा रणधीर 8210219860, राजकिशोर 9431178470, सज्जन कुमार पंकज 9523349701, प्रकाश चंद्र सिंहा 9413587753 को जिम्मेदारी दी गयी है. इसी प्रकार बूटी मोड़ से कोकर, लालपुर होते हुए फिरायालाल चौक तक रवींद्र वर्मा

खास बातें

- हर जोन के पदधारियों का मोबाइल नंबर भी किया गया जारी
- रांची महानगर में बढ़ती जा रही है पूजा पंडालों की संख्या

8709211149, रमेश सिंह 9431357290 तथा राजू राम 9534227751 प्रतिनियुक्त किये गये हैं. बैठक में किये गये सर्वसम्मत निर्णय के अनुसार करम टोली चौक से मोरहाबादी हातमा से कांके चौक तक रमेश सिंह 9430303565, प्रमोद पाठक 9507507000, राकेश सिंह बादल 9334347352 रातू रोड से हरमू रोड होते हुए बिरसा चौक तक प्रो.अरुण सिंह 9835330802, सागर कुमार 7870252597 तथा जगदीश वर्मा 9835132214 पर सुरक्षा एवं सुविधाओं के लिए अधिकृत किया गया है. कटहल मोड़ एवं तिलता चौक से पिसका मोड़ से रातू रोड चौक तक शैलेश्वर दयाल सिंह 9835164669, अशोक यादव 8210618837, कमलेश यादव 9835197096, कचहरी से अपर बाजार, फिरायालाल चौक तक राजन वर्मा7903560449, राजेश कुमार लाल 9334721491, अमरनाथ साहू 9931583224, फिरायालाल चौक से ओवर ब्रिज डोरंडा तक संजय सहाय 9798423800, प्रदीप राय बाबू 9431325552, संजय मिनोचा 9955649000, श्यामल राय 9431176253, डोरंडा से हिनू, धुर्वा एवं जगन्नाथपुर क्षेत्र के लिए कृष्ण मोहन सिंह 9431114165, इंद्रजीत सिंह 9534123308, रंजन यादव 9931512828 एवं धर्मवीर सिंह 9570888885 की अगुवाई में सारी व्यवस्था का संचालन होगा एवं होने वाली समस्याओं को जिला प्रशासन से समन्वय बनाकर समाधान करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा. मौके पर महानगर समिति के मुख्य संयोजक सह अध्यक्ष डॉ. अजीत सहाय, चंचल चटर्जी, प्रदीप राय बाबू, राजन वर्मा, रवींद्र वर्मा, दीपक कुमार लाल, रमेश सिंह आदि शामिल थे.

धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष उपाध्यक्ष ने किया बिहार क्लब दुर्गा पूजा पंडाल का भ्रमण

रांची। बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति में धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक एवं अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति माथारू, बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति के पंडाल आये गुरुवार को पहुंचे. इस मौके पर बिहार क्लब श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ. अजीत सहाय एवं कार्यकारी अध्यक्ष राजन वर्मा ने चुनरी एवं माता रानी का प्रतीक चिह्न दे कर स्वागत व अभिनंदन किया. मौके पर प्रदीप राय बाबू, रवींद्र वर्मा, संजय सिन्हा (गोपू), उज्ज्वल तिवारी, विनोद सिंह, रमेश सिंह, भास्कर वर्मा, सच्चिदानंद चौधरी, तपेश्वर केसरी, अमरनाथ साहू, राणा रणधीर, बादल सिंह, समीर,अशोक यादव ,कमलेश यादव, समीर सिंह आदि शामिल थे.

मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने मनाई अग्रसेन की जयंती

संवाददाता। धनबाद

मारवाड़ी महिला सम्मेलन गोविंदपुर शाखा की ओर से गुरुवार को महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई गई. समारोह को संबोधित करते हुए सम्मेलन की पूर्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रेणु दुदानी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन दानवीर थे. यही कारण है कि उनके वंशज जहां भी हैं, दान-पुण्य व सामाजिक और धार्मिक कार्यों में आगे रहते हैं. अब मारवाड़ी महिलाएं भी सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं. सम्मेलन की शाखाएं पूरे देश में हैं.

उन्होंने महिलाओं से सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील

की. समारोह की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष रीता संघी ने की. मौके पर पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष पद्मा बूबना, सुनीता बंसल, उर्मिला अग्रवाल, सुनीता संघी, मीना बंसल, अंजू सरिया, सीमा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कुसुम सरिया, मीना बंसल समेत दर्जनों सदस्य मौजूद थी.

पांचवें दिन हुई स्कंदमाता की पूजा

संवाददाता। चांडिल

शक्ति की आराधना के महापर्व शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा-अर्चना की गई. चौका स्थित सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमेटी की ओर से आयोजित नवदुर्गोत्सव में रोज श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. देवी के दर्शन-पूजन के लिए दूर-दराज से देवी के भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं. पुजारियों ने सभी भक्तों का विधि-विधान से माता रानी का पूजन कराया. मंदिर में दुर्गा सप्तशती और चंडीपाठ भी किया गया. इसके पूर्व गाजे-बाजे के साथ देवी की कलश जल यात्रा निकाली गयी. कलश स्थापना के बाद शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन देवी स्कंदमाता की पूजा की गई. इस समय शारदीय नवरात्र चल रहा है और लोग पूरे भक्ति भाव

से माता की पूजा-अर्चना में लीन हैं. शारदीय नवरात्र पर एक ओर जहां मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लग रहा है, वहीं दूसरी ओर अपने-अपने घर में भी देवी के भक्त पूरी विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर माता रानी से अपनी मनोकामना कर रहे हैं. लोग अपने घर में कलश स्थापित कर रोज माता रानी का पूजन विधान पूर्वक कर रहे हैं. इस दौरान भक्त उपवास रखकर पूजा-अर्चना और दुर्गा सप्तशती का पाठ कर रहे हैं. मंदिर और घरों में श्रद्धालु मंत्रों का जाप भी कर रहे हैं.

इनर व्हील ने मनाया दुर्गा पूजा उत्सव

चाईबासा। इनरव्हील क्लब चाईबासा के द्वारा गुजराती समाज के सहयोग से स्थानीय ज्योति भवन में गुरुवार को डांडिया रात्रि उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें इनर व्हील क्लब के अलावा गुजराती समाज, लावण्या क्लब, रोटरी क्लब, लेडीज क्लब, मारवाड़ी महिला समिति सहित अन्य संस्थाओं की महिला सदस्यों ने जमकर डांडिया रास और पारंपरिक नृत्य का आनंद लिया. क्लब की आईएसओ ममता जिंदल द्वारा आयोजित बेस्ट ड्रेसिंग में क्लब की स्वेता दोदराजका विजेता रही. इनरव्हील अध्यक्ष भावना राठौर ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों में आपसी मेलजोल बढ़ता है. सहयोग हेतु भावना राठौर ने गुजराती समाज के अध्यक्ष अनिल जेठवा एवं उनकी कमेटी के सदस्यों को धन्यवाद दिया.

रघुवर को दस महाविद्या का वरदान

आदित्यपुर। शारदीय नवरात्र के अनुष्ठान के दौरान ही रघुवर दास को देव नगरी ओड़िशा के महामहिम का पद मिलने पर दस महाविद्या काली मंदिर आदित्यपुर के पंडित राजेश मिश्रा कौण्डिल्य ने दावा किया है कि वे उनके नाम से यहां अनुष्ठान कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि वे पिछले वर्ष से ही रघुवर दास के नाम से कलश स्थापना कर उनके नाम का अनुष्ठान जारी रखे हुए हैं. वे समय निकाल कर यहां आते भी हैं और अनुष्ठान में हिस्सा लेते हैं. आदित्यपुर के एलआईजी में स्थित दस महाविद्या काली मंदिर में इन दिनों शारदीय नवरात्र पर तंत्र सिद्धि से नवरात्र का पाठ का आयोजन चल रहा है. यहां पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, भाजपा नेता गणेश महाली से लेकर टाटा स्टील के बड़े अधिकारी शारदीय नवरात्र पर कलश स्थापित कर अनुष्ठान करवाते हैं.

दक्षिण भारतीय महिला समाज ने कदमा में किया गुड़िया का पूजन

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के कदमा में दक्षिण भारत महिला समाज द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्र के अवसर पर गुड़िया पूजा का आयोजन किया गया. समाज की प्रमुख ललिता चंद्रशेखर ने दीप प्रज्वलित कर पूजा का शुभारंभ किया. इस वर्ष इस आयोजन को वृहद रूप दिया गया है. डीबीएमएस के शिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी यूनिट के छात्र छात्राओं द्वारा चंद्रयान-3, कोरोना बैरियर, वंदे भारत ट्रेन, नई संसद भवन एवं आदि शंकराचार्य को दर्शाया गया जो भारत के विकास को दिखा रहा है. इस अवसर पर समाज की अध्यक्ष प्रिया धर्मराजन ने बताया कि सभी देवी देवताओं की मूर्ति गुड़िया रूप में सजाई जाती है. दक्षिण भारत के लोगों द्वारा गुड़िया पूजा काफी धूमधाम से मनाई जाती है. 9 दिन सुहागन महिलाओं को बुलाकर उनके हाथों में प्रसाद, नारियल, कुमकुम , पान ,हल्दी एवं सुपारी आदि भेंट दी जाती है. इस अवसर पर समाज की सचिव प्रिया नागराजन, शिवगामी, चित्रा एवं समाज की काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी.

अंचलाधिकारी ने किया पूजा पंडालों का निरीक्षण

घाटशिला। दुर्गा पूजा का त्योहार शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने को लेकर गुरुवार की शाम अंचलाधिकारी राजीव कुमार तथा मऊभंडार ओपी प्रभारी रोहित कुमार ने घाटशिलआ तथा मऊभंडार क्षेत्र के पूजा पंडालो का निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में अंचलाधिकारी राजीव कुमार ने पूजा पंडाल के पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरा पंडाल में जरुर लगाएं. साथ ही साथ फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट, विद्युत विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र पंडाल में अवश्य रखें. किसी भी तरह की कोई परेशानी हो तो तत्काल पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दें. उन्होंने पूजा कमेटियों से आग्रर किया कि प्रतिमा का विसर्जन निर्धारित समय के अनुसार जरूर करने का प्रयास करें. साथ ही साथ अन्य कई बिंदुओं पर पूजा कमेटी के साथ जांच करते हुए कमेटी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया.

वीरों के वंदन के साथ एनआईटी में निकाली गई अमृत कलश यात्रा

संवाददाता। आदित्यपुर

भारत की आजादी के 75वें वर्ष के एक उल्लेखनीय उत्सव में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), जमशेदपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने प्रेरक टैगलाइन मिट्टी को नमन, वीरों का वन्दन के साथ मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया. यह कार्यक्रम आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का हिस्सा था, जो भारत की उपलब्धियों और अपने बहादुर रक्षकों के प्रति कृतज्ञता का प्रमाण है. कार्यक्रम के दौरान सभी स्वयंसेवक और प्रोफेसर राष्ट्र की एकता का प्रतीक अपने-अपने क्षेत्र से चावल और मिट्टी लेकर आए. इस चावल और मिट्टी को एक कलश में एकत्र किया गया, जिसे दिल्ली भेजा जाएगा. इस मिट्टी का उपयोग कृतज्ञ पथ पर एक अमृत वाटिका बनाने के लिए किया जाएगा, जो इस भूमि से जुड़ेगी और हमारे नायकों का सम्मान करेगी.

वरिष्ठ उद्यमी जयनाथ सिंह के श्राद्ध भोज में जुटे उद्यमी

आदित्यपुर। आदित्यपुर के वरिष्ठ उद्यमी और आरआईटी के एलुमनी जयनाथ सिंह के श्राद्ध भोज में आदित्यपुर -जमशेदपुर के सैकड़ों उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता जुटे और उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी. वरिष्ठ उद्यमी का 5 अक्टूबर को बनारस में निधन हो गया था. आरआईटी, जमशेदपुर से शिक्षा प्राप्त 82 वर्षीय जयनाथ सिंह अपने पीछे तीन पुत्र विनोद सिंह, विनय सिंह एवं बिपिन सिंह सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनके तीनों पुत्र वर्तमान में अलग-अलग उद्योगों के प्रोपराइटर हैं. उनके श्राद्ध भोज में आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसिया) के अध्यक्ष इन्दर कुमार अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के प्रदेश के नेता रूपेश कतरियार, विमल सिंह, शंभू जायसवाल, नवीन सिंह, अविनाश सिंह राजा, राजद के प्रदेश महासचिव पुरेन्द्र नारायण सिंह आदि शामिल थे.

समय का फेर आज के जमाने में मंच पर आर्केस्ट्रा और माता के जागरण कार्यक्रम की धूम

अब दशहरा में भी नहीं होता है नाटकों का मंचन

आशीष टैगोर। लातेहार

एक जमाना था जब लातेहार में दुर्गा पूजा व अन्य अवसरों पर स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला एवं अन्य ऐतिहासिक नाटकों का मंचन किया जाता था. शहर के कलाकारों ने 50-60 के दशक में एक नाटक मंडली की स्थापना की थी. लेकिन अब दशहरा के मौके पर लातेहार में रामलीला या फिर अन्य नाटकों का मंचन नहीं होता है. नाटकों का स्थान ऑरकेस्ट्रा एवं भक्ति जागरण ने ले लिया है और मंच पर उन्हीं का कब्जा हो गया है.

नाटक मंडली के संस्थापक सदस्यों में से एक अशोक कुमार महलका ने बताया कि उन दिनों टीवी व सिनेमा तक नहीं थे. लेकिन लोगों को स्वस्थ

मनोरंजन देने के लिए स्थानीय कलाकारों ने एक मंडली बनायी. इस मंडली में बेचू साव, रामनंदन साव, युगल साव, किरानी सिंह, अक्षयवट साव, रामदास साव, प्रयाग साव, रामेश्वर दास, लखन दास, सूरज प्रसाद, धनेश्वर प्रसाद, रविश्वर साव, भोला शरण, रामजनम सिंह, लल्लू सिंह, भुनेश्वर साहु, नथुनी ठाकुर व मोहन दास आदि शामिल थे. इन कलाकारों द्वारा राजा हरिशचंद्र, सुल्ताना डाकू, रामायण, महाभारत, अंधेर नगरी चौपट राजा आदि नाटकों का मंचन किया गया, जो आज भी उस दौर के लोगों के जेहन में जिंदा है. हालांकि इन कलाकरों में अधिकांश आज दिवगंत हो चुके हैं. श्री महलका ने बताया कि 80 के दशक तक यहां नाटकों का मंचन किया जाता रहा. इसके बाद सिनेमा का दौर आया. पूजा समितियों के द्वारा खुले मैदान में परदे पर सिनेमा दिखाया जाने लगा. इसमें काफी भीड़ जुटती थी. बाद में सिनेमा का स्थान आरकेस्ट्रा ने ले लिया. कोलकाता, वाराणसी, पटना, आसनसोल एवं अन्य जगहों के ऑरकेस्ट्रा ग्रुप यहां आकर कार्यक्रमों का प्रदर्शन करने लगा. इन ऑरकेस्ट्रा में नर्तकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र होती है. आज भी क्षेत्र में ऑरकेस्ट्रा की यहां काफी डिमांड है. हालांकि कई समितियों द्वारा भगवती जागरण आदि का भी आयोजन किया जाता है.

खास बातें

- लातेहार में 50-60 के दशक में हुई नाटक मंडली की स्थापना
- ऑर्केस्ट्रा में आकर्षण का प्रमुख केंद्र होती नर्तकियां

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रांची इकाई का आयोजन

सदर अस्पताल में हुआ कन्या पूजन

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रांची शाखा के तत्वावधान में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल के आह्वान पर सदर अस्पताल में कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम की थीम है-नवरात्र में ही कन्या पूजन क्यों? वर्ष भर क्यों नहीं. इसी भावना के साथ दो वर्षों से पूरे राष्ट्र में सम्मेलन की ओर यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है.

अभियान के तहत रांची सदर हॉस्पिटल में नवरात्र में पहले दिन 21 कन्याओं तथा दूसरे दिन 15 कन्याओं का पूजन किया गया। तीसरे दिन भी 21 कन्या का पूजन किया गया। चौथे दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बधवाल,

राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गीता डालमिया द्वारा 25 कन्याओं का पूजन किया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ अनिल खेतान मुख्य रूप से उपस्थित थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल ने मंच की ओर से उन्हें पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया तथा सभी नवजात कन्याओं को कपड़े, खिलौने, साड़ी, चादर, फल बिस्किट जरूरत के अन्य सामान एवं शगुन के लिफाफे दिए जाते हैं। डॉक्टर खेतान ने मारवाड़ी महिला समिति द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की भूरि- भूरि प्रशंसा की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रांची शाखा अध्यक्ष नैना मोर, बीना मोदी, मधु सराफ, रीना सुरेखा, छायाअग्रवाल, प्रीति पोद्दार, सीमा पोद्दार, सरिता अग्रवाल, प्रीति बंका, उर्मिला पाड़िया आदि का सहयोग रहा.

दुर्गोत्सव

आज महाषष्ठी है. पंडालों के पट भक्तों के लिए खुल गए हैं. मां के दर्शन के लिए भक्त आतुर हैं. घरों, बाजारों में पूजा का उत्साह चरम पर है. आयोजकों ने इस बार मां दुर्गा की पूजा और भक्तों के दर्शन के लिए विशेष तैयारी की है. भीड़-भाड़ को लेकर करीब-करीब सभी शहरों में रूट चाट बन गए हैं, ताकि लोगों को मां के दर्शन और आने जाने में कोई दिक्कत न हो. सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं. इस सबके बीच पूजा पंडाल अपनी भव्यता, कलाकृति और थीम को लेकर चर्चा में हैं. शहर ही नहीं ग्रामीण इलाकों में भी आकर्षक पूजा पंडाल भक्तों को खूब लुभा रहे हैं. गुलाबी ठंड ने पाव पसारना शुरू कर दिया है, पर धूप खिली होने की वजह से आयोजकों को पूजा पंडालों की तैयारी में काफी सहूलियत हुई है. बाजारों में भी काफी रौनक देखी जा रही है. राजधानी रांची, जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग सहित अन्य जिलों में पूजा को लेकर गहमा-गहमी बढ़ गई है. इसके लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के विशेष तैयारी की गई है. **शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में बनाए गए पंडालों की जानकारी हासिल की है. पेश है रिपोर्ट.**

महाषष्ठी की पूजा के साथ पूजा स्थलों में उमड़ रही भक्तों की भीड़

आयोजकों ने मां के दर्शन के लिए किए हैं विशेष इंतजाम

शहरों में गहमा-गहमी बढ़ी, प्रशासन की ओर से सुरक्षा के विशेष इंतजाम

भक्तों को दिक्कत न हो इसके लिए प्रशासन ने तैयार किए रूट चाट

सज गया मां का दरबार

भक्तों को लुभा रहे पूजा पंडाल

फोटो : सैयद रमीज जावेद

रांची

रांची

रांची रेलवे स्टेशन का पूजा पंडाल

- रांची रेलवे स्टेशन दूर्गा पूजा पंडाल का थीम गर्भाशय पर आधारित है.
- कलकत्ता से आए कारीगरों ने इस पंडाल को गर्भाशय का रूप दिया है.
- इसमें चीजों को बर्तन, प्लास्टिक के बाऊल, लकडी, फोम,स्टील की पट्टी,प्लास्टिक पाइप और लाइट से सजाया गया है.
- बाहर के मुख्य द्वार पर एक दानव की मूर्ति बनाई गई है.

चर्च रोड का पूजा पंडाल

- चर्च रोड का पूजा पंडाल मधुमक्खी यानी श्रम की थीम पर बनी है.
- पंडाल की भीतरी सज्जा को जंगल का रूप दिया गया है. जिसमें जगह जगह मधुमक्खी के छत्ते लगे हैं, इन्हें अपना काम करते दिखाया गया है.
- थीम बनाने में फोम, पेपर, कुट, थरमाकोल, प्लास्टिक के फूल, छोटी-छोटी बांस की लकड़ी और प्लास्टिक के पतों का इस्तेमाल किया गया हैं.

जमशेदपुर

सिदगोड़ा में दिखेगा शिवाजी का महल

जमशेदपुर के सिदगोड़ा सिनेमा मैदान में इस साल लोगों को औरंगाबाद में स्थापित शिवाजी का महल देखने को मिलेगा. इसका निर्माण न्यू सिदगोड़ा दुर्गा एंड काली पूजा कमिटी के की ओर से कराया गया है. पंडाल में श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास के लिए अलग अलग आठ-आठ फीट के गेट तैयार किए गए हैं.

असमिया कलाकृतियों की झलक

जमशेदपुर के बागबेड़ा रोड नंबर 4 स्थित श्री श्री सार्वजनिक दुर्गापूजा समिति के पूजा पंडाल में इस बार विश्व प्रसिद्ध टेराकोटा आर्ट व असमिया कलाकृतियों का संगम दिखेगा. पंडाल निर्माण में पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा की मिट्टी से बनी कलाकृतियों व बांस का बारीकी से उपयोग किया गया है.

जमशेदपुर

बंगाल के राजमहल का अहसास करा रहा पंडाल

गोलपहाड़ी रेलवे कॉलोनी स्थित श्री श्री सार्वजनीन दुर्गापूजा कमेटी के पूजा पंडाल को इस बार बंगाल के राजा सिंहदेव के महल जैसा स्वरूप दिया गया है. पंडाल का बाहरी लुक बोरा, सुतरी व फाइबर से तैयार किया गया है. वहीं भीतर रंग बिरंगे जुट, एलुमिनियम के बर्तन, सुतरी आदि का प्रयोग किया गया है.

आदित्यपुर

शांति की थीम पर काठमांडू का बौद्ध मंदिर

सिंहभूम बॉयज क्रिकेट क्लब एस टाइप दुर्गा पूजा मैदान, आदित्यपुर में पूजा हो रही है. विश्व शांति की थीम पर इस बार काठमांडू का बौद्ध मंदिर का निर्माण कराया गया है. क्लब के मुख्य संरक्षक मनोज सिंह कहते हैं कि विश्व शांति के लिए अहिंसा और शांति के प्रतीक भगवान बुद्ध के मंदिर की आकृति के पंडाल का निर्माण कराया है.

धनबाद

कहीं चंद्रयान-3 तो कहीं इस्कॉन का नजारा

मैथन-चिरकुंडा में दुर्गोत्सव की धूम मची है. भव्य पंडालों को अंतिम रूप दे दिया गया हैं. इस बार कहीं चंद्रयान-3, तो कहीं पश्चिम बंगाल के मायापुर स्थित इस्कॉन मंदिर के प्रारूप तैयार किया गया है. पंडालों में आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है. बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है. खरीददारों की भीड़ उमड़ रही है.

एरिया पांच में मायापुर इस्कॉन मंदिर

मैथन एरिया 5 में चंद्रयान-3 की अनुकृति का पूजा पंडाल बनकर तैयार है. पंडाल की भव्यता व आकर्षण को देखने के लिए अभी से लोग जुटने लगे हैं. खासकर पढ़ने वाले बच्चे चंद्रयान-3 की आकृति सामने देख काफी खुश व प्रभावित हो रहे हैं. वहीं, एरिया चार में पश्चिम बंगाल के मायापुर के इस्कॉन मंदिर की अनुकृति वाले पूजा पंडाल को अंतिम रूप देने में कारीगर युद्ध स्तर पर लगे हुए हैं.

धनबाद

सरायढेला स्थित स्टील गेट में श्री दुर्गा पूजा समिति सरायढेला कोलकुसमा की ओर से इस बार भी धूमधाम से पूजा की जा रही है.

- यहां म्यांमार के ऐतिहासिक गोल्डन पैलेस की थीम पर पंडाल बनाया गया है
- पूजा पर कुल खर्च 20 से 25 लाख रुपए तक होने का अनुमान है.
- स्टील गेट में दुर्गा पूजा 1989 से हो रही है. यहां दूर-दराज से श्रद्धालु मां के दर्शन और मेला घूमने आते हैं.

झारखंड मैदान हीरापुर में राजस्थान के गांव की झलक

- झारखंड मैदान में सत्यम शिवम सुंदरम दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से पूजा का आयोजन किया गया है. भक्तों के दर्शन के लिए विशेष ख्याल रखा गया है.
- पूजा पर कुल करीब 23 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है.
- झारखंड मैदान में वर्ष 2000 से पूजा हो रही है.यहां मेला का भी आयोजन किया जाता है. जिसमें आसपास के हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं.

झरिया

- बस्ताकोला स्थित माइंस रेस्क्यू स्टेशन के पास सद्भावना दुर्गा पूजा समिति द्वारा इस बार नारी शक्ति की थीम पर आधारित पंडाल बनाया गया है.
- पंडाल निर्माण पर करीब 11 लाख का खर्च आया है.
- बस्ताकोला माइंस रेस्क्यू स्टेशन में वर्ष 1992 से पूजा हो रही है.

बरही

बरही के पंडाल में दिखेगा प्राचीन बद्रीनाथ धाम

हजारीबाग के बरही-गया रोड स्थित छोटा शिवालय परिसर में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से वर्ष 2016 से शारदीय दुर्गा पूजनोत्सव किया जा रहा है. इस वर्ष पूजा समिति ने देश के सर्वोच्च चार धामों में एक प्राचीन मंदिर बद्रीनाथ धाम का स्वरूप दिया है.

- बरही चौक से गया रोड रेलवे ब्रिज तक होगी विद्युत साज-सज्जा.
- करीब 12 लाख की लागत से हो रहा दुर्गा पूजा महोत्सव.
- डेढ़ माह से कोलकाता के 15 कारगीर लगे हैं.
- विद्युत सज्जा के लिए रामगढ़ से कारीगर आए हैं.

हजारीबाग : कोर्रा सार्वजनिक दुर्गा पूजा के पंडाल में दिखेगा केदारनाथ का प्रारूप, मूर्तियों में भी अनोखी कलाकृति की झलक

- यहां पूजा की 75वीं सालगिरह मनाई जा रही है.
- इसमें 18 से 20 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं.
- सिर्फ प्रतिमा की साज-सज्जा पर तीन लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं.
- हर वर्ष दूर दूर से लोग इस पूजा का आनंद लेने यहां आते हैं.

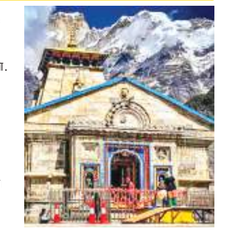

नूतननगर में दिखेगा कोलकाता दुर्गा पूजा की थीम

- हजारीबाग के नूतननगर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में कोलकाता की दुर्गा पूजा की थीम दिखेगी.
- समिति लाइट सज्जा पर दो लाख से ज्यादा खर्च करेगी. मूर्ति में एक लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है.
- धूप डांस व बंगाल का ढाक आकर्षण का केंद्र रहेगा.
- पूजा में कुल 15 लाख रुपए खर्च होंगे.
- चार लाख की लागत से पंडाल का निर्माण हुआ है.

गोड्डा

28 वर्षों से कुरमन में होती रही है देवी की पूजा

- इस मंदिर का निर्माण ग्रामीणों के सहयोग से 1995 में किया गया था.
- सजावट का काम बाहर से आए कारीगरों के द्वारा किया गया है.
- यहां दशमी की पूजा के बाद माता की शोभायात्रा भव्य तरीके से निकाली जाती है. इस शोभा यात्रा में आसपास के हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं. यह यात्रा काफी शानदार होती है.

1972 में प्रारंभ हुई थी माता दुर्गा की पूजा

जामताड़ा : फतेहपुर बाजार की दुर्गा पूजा काफी प्रसिद्ध रही है. इस पूजा में दूर दराज के ग्रामीण शामिल होते हैं.

- मां दुर्गा के भव्य मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है.
- पूरे फतेहपुर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है.पूजा पंडाल भी काफी आकर्षक बनाया गया है.

चांडिल

चंदननगर की लाइट से चमकेगा चांडिल बाजार

- सार्वजनीन पूजा कमेटी 16 आना चांडिल बाजार इस वर्ष 150वीं पूजा का आयोजन कर रहा है.
- इस वर्ष चांडिल पश्चिम बंगाल के चंदननगर से मंगाए गए लाइट से जगमगाएगा.
- लाइट सज्जा ऐसी है कि रात में लोगों को मंदिर क्षेत्र में चारों ओर आसमान में उड़ती परी दिखाई देगी.
- चारों ओर से मंदिर पहुंचने वाले रास्तों के किनारे भी आकर्षक साज-सज्जा की गई है.
- 150वें वर्ष में विशेष आयोजन में लाइट पर अनुमानित पांच लाख रुपये से अधिक का खर्च होने का अनुमान है.

टिमटिमाते बिजली बल्बों से रौशन होगा फदलोगोड़ा

- फदलोगोड़ा दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष विद्युत सज्जा में डेढ़ लाख रुपये खर्च कर रहा है.
- पूजा पंडाल के आसपास के क्षेत्र को बिजली के बल्ब से आकर्षक व भव्य रूप से सजाया गया है.
- पंडाल के तीन दिशाओं में बिजली के बल्बों से तीन विशाल और आकर्षक तोरण द्वारा बनवाए गए हैं.
- पश्चिम बंगाल के बांधवान से पहुंचे कारीगर पूजा पंडाल और आसपास के क्षेत्र को सजा रहे हैं.
- दुर्गा पूजा के दौरान पूजा पंडाल और आसपास का क्षेत्र टिमटिमाते बिजली बल्बों से रौशन रहेगा.

कतरास : पेरिस का डिजनीलैंड

कतरास में दुर्गा पूजा की रौनक दिखने लगी है. रानी बाजार, रेलवे इंस्टीट्यूट मैदान, ज़ीएनएम स्कूल, केशलपुर, सिनीडीह व राजबाड़ी में हर साल की तरह इस बार भी भव्य पूजा पडाल का निर्माण किया गया है. कतरास के रानी बाजार मैदान में इस बार पेरिस के प्रसिद्ध डिजनीलैंड की तर्ज पर भव्य पंडाल बनाया जा रहा है.

- पंडाल की चौड़ाई 100 फुट व ऊंचाई 65 फुट है.
- करीब 6 लाख रुपये की लागत से पंडाल का निर्माण किया गया है.
- जामताड़ा के कारीगर धनंजय मंडल ने पंडाल का निर्माण किया है.

कूच बिहार पैलेस की अनुकृति दिखेगी

रेलवे इंस्टीट्यूट दुर्गापूजा समिति की ओर से इस बार रेलवे मैदान में कूच बिहार पैलेस की अनुकृति का भव्य पंडाल बनाया गया है. पंडाल जामताड़ा के कारीगर उत्पल मंडल की देखरेख में बना है.

- पंडाल निर्माण पर करीब 8 लाख रुपए खर्च हुए हैं.
- अंदर का डेकोरेशन दुर्गापुर के कलाकार गौराचन्द्र डे ने किया है.
- मूर्ति का निर्माण लकड़का के सुभाष कुंभकार ने किया है.
- पूजा पर कुल 10 से 11 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है.
- दूर दराज से लोग इस पूजा पंडाल को देखने के लिए आते हैं.

जीएनएम मैदान में मोर महल

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से जीएनएम हाई स्कूल मैदान में मोर महल की अनुकृति वाला भव्य पंडाल बनाया गया है.

- पंडाल का निर्माण केंदुआ के कारीगर अखिलेश चौहान ने किया है.
- मूर्ति निर्माण धारकीरो के अमित पंडित द्वारा किया गया है.
- पंडाल के निमार्ण में 15 लाख रुपए खर्च आने का अनुमान है. यहां मेला की भी आयोजन किया जाता है.
- दूर दराज के लोग इस मेले का आनंदल लेने आते हैं.
- इस पंडाल की चर्चा लोगों के बीच है.

लातेहार

70 सालों से यहां दुर्गा पूजा हो रही है

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति डुरूआ के द्वारा पूजा आजादी के चार वर्ष बाद से ही रेलवे स्टेशन में की जा रही है. प्रति वर्ष यहां आकर्षक पंडाल व विद्युत सज्जा की जाती है. इस वर्ष भी यहां आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं. समिति के अध्यक्ष असीम कुमार बाग व सचिव संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 70 सालों से यहां दुर्गा पूजा की जा रही है. पहले तो खुले मैदान में पंडाल बना कर पूजा अर्चना की जाती थी. लेकिन अब तो यहां समिति का खुद का भवन है. एक विशाल हॉल है. विगत वर्षों यहां सोमेश्वर शिव व भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गयी है. इस कारण इस जगह की महत्ता और बढ़ गयी है. प्रति वर्ष पूरे विधि विधान से यहां पूजा अर्चना की जाती है. समिति के सदस्य पूरे मनोयोग से आयोजन को सफल बनाने में लगे हैं. अध्यक्ष असीम कुमार बाग ने बताया कि प्रति वर्ष यहां पांच से छह लाख रूपये पूजा में खर्च होते हैं. बंगाल के कारीगरों के द्वारा पंडाल व तोरणद्वार बनाए गए हैं. कहा गया कि इस आयोजन में पूरे नगर वासियों का भरपूर सहयोग मिलता है.

ब्रीफ खबरें

एसयूसीआई ने समस्याओं को लेकर निकाली रैली

आदित्यपुर। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट), आदित्यपुर नगर कमेटी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा गुरुवार को घोड़ाबाबा चौक से प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय गम्हरिया तक जन समस्याओं को लेकर रैली निकाली गयी. रैली का नेतृत्व कर रहे विष्णु देव गिरी ने बताया कि उनकी मुख्य मांगों में आदित्यपुर क्षेत्र के 80% गरीब और मेहनतकश आवाम को राशन में हो रही अनियमितता दूर हो, नए आवेदित जरूरतमंदों को राशन कार्ड उपलब्ध कराया जाये, जन वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले अनाज हर गरीब कार्डधारियों को हर माह नियमित तथा पूरा राशन देने की गारंटी दी जाए.

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राजकुमार ओझा के नेतृत्व में उपायुक्त (डीसी) अनन्य मित्तल को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में चक्रधरपुर नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे त्योहारी समय में अतिक्रमण हटाओ अभियान को रोकने की बात प्रशासन को कही गई है. अतिक्रमण हटाओ अभियान में व्यवसायियों से नगरपालिका द्वारा फाइन लिया जा रहा है उसे वापस करने के संबंध में और चक्रधरपुर में नगरपालिका द्वारा लिए जा रहे इंट्री टैक्स के बारे में चर्चा की गई. डीसी ने अतिक्रमण हटाओ अभियान को तुरंत बंद कर दिया है और आश्वासन दिया है की पूजा के बाद नगरपालिका द्वारा ली जा रही इंट्री टैक्स के विषय को देखेंगे.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का डीसी ने किया औचक निरीक्षण

चांडिल। जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इचागढ़ का औचक निरीक्षण किया. इस क्रम में उपायुक्त ने दवा की उपलब्धता, लेबर रूम, ओपीडी आदि का जायजा लिया. उन्होंने केंद्र को सुसज्जित करने, खराब पड़े मशीन एवं अन्य सामग्री को स्टोर रूम में रखने और केंद्र की नियमित साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया. इचागढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने को लेकर डीसी रविशंकर शुक्ला ने सिविल सर्जन डॉ अजय सिन्हा, बीडीओ कीकु महतो, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र में संचालित योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी लिया. इस दौरान लोगों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का समीक्षा भी किया.

लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को जारी किया गया नोटिस

इलेक्ट्रिक लोको शेड में रात्रि ड्यूटी पर सोते मिले कई कर्मचारी

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटानगर इलेक्ट्रिक लोको शेड में एडीईई (सहायक मंडल विद्युत अभियंता) देब्रतो डे ने बुधवार की रात औचक निरीक्षण किया. इस दौरान कई रेलकर्मी सोते हुए अवस्था में मिले साथ ही कई अनियमितता पाई गई.

कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है. निरीक्षण के दौरान एडीईई ने पाया कि आरपीएफ पोस्ट निष्क्रिय था, वहां रोशनी भी नहीं थी. कुल 17

लोको शेड में मौजूद थे, जिनमें से तीन लोको को स्टैंड पर रखा गया था और दो की मरम्मत प्रगति पर थी. सेक्शन जी वन के कार्यालय में कोई नहीं था और कार्यालय भी बंद था. जिनमें लोग नहीं थे वे कार्यालय तो ठीक से बंद थे, परन्तु इलेक्ट्रॉनिक लैब खुला हुआ था.

उच्च अधिकारियों को दी गई जानकारी

मिनी टूल रूम का स्टाफ सोता हुआ मिला, पूछताछ में पता चला कि उसी स्टाफ को टाइम ऑफिस के लिए बुक किया गया था. ई 5 विभाग के दो कर्मचारी भी सोते हुए मिले. इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर के कमरे में चार कर्मचारी सोते हुए पाए गए. रात 12.45 में दो लोको को रवाना किया जाना था. जिसमें लापरवाही बरती गई. इस मामले में कार्रवाई करने के लिए सीनियर डीईई, डीईई, एडीईई आई को एक पत्र व सोते हुए कर्मचारियों की फोटो उपलब्ध कराई गई है. वहीं सेक्शन इंचार्ज को भी इसकी प्रति भेज दी गई है.

हो से ईसाई धर्म में परिवर्तित हुए थे ईचाकुटी गांव के पूर्व दियुरी

शव को दफनाने पर लगाई रोक

संवाददाता। चाईबासा

हो समाज के ग्रामीणों ने ईसाई धर्म में परिवर्तित ईचाकुटी ग्राम के पूर्व दियुरी 75 वर्षीय रमेश चंद्र पिंगुवा का शव ससन दिरी (श्मशान) में दफनाने पर गुरुवार को रोक लगा दी. ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश चंद्र पिंगुवा का बुधवार को सामान्य मृत्यु हुई थी. वे गांव में पहले दियुरी रहकर 'हो' समाज का पर्व त्योहार, धार्मिक कार्यक्रम एवं अन्य सांस्कृतिक तथा पारंपरिक कार्यक्रमों का बोंगा- बुरु जैसे प्रमुख रीति-रिवाज के अगुवा थे. उन्होंने अपनी बहू एवं पोती के माध्यम से बीमारी ठीक होने के प्रलोभन में सरना धर्म को छोड़कर पांच वर्ष पूर्व ईसाई धर्म अपनाया था. ईसाई धर्म अपनाकर अपने बेटा-बेटी को भी धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन देता रहा, लेकिन उसका बड़ा बेटा पिता से अलग हो गया और हो समाज के रीति-रिवाज के अनुसार प्राकृतिक आस्था के साथ सरना धर्म में ही रहे. गांव के दियुरी के रूप में आज तक कार्यभार संभाले हुए हैं.

जब रमेश चंद्र पिंगुवा की मृत्यु होने की खबर गांव में फैली तो सभी ग्रामीण एकजुट हो गए. इसकी सूचना ग्रामीण चंद्रकांत पिंगुवा को दी गई और गांव में हो समाज के अनुसार ससन दिरी स्थल में शव दफनाने का ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया. उनका शव दफनाने के लिए गांव के लोग मदद करने के लिए आगे नहीं आये और इसकी सूचना आदिवासी हो समाज युवा महासभा मझगांव प्रखंड कमेटी और जगन्नाथपुर अनुमंडल कमेटी को दी गई. समाज के हित में आदिवासी हो समाज युवा

ग्रामीण एकजुट

- मेश चंद्र पिंगुवा की बुधवार को मृत्यु हुई थी
- वे गांव में बोंगा-बुरु जैसे रीति-रिवाज के अगुवा थे
- सरना धर्म छोड़कर ईसाई धर्म को अपनाया था
- मानकी-मुंडा संघ ने ग्रामीणों के फैसले का समर्थन किया

महासभा एवं मानकी-मुंडा संघ ने ग्रामीणों के फैसले का समर्थन दिया. सर्वप्रथम शव को दफनाने के लिए ससन दिरी स्थल की जमीन पर मृतक का पोता तथा उसके ईसाई रिश्तेदारों ने कब्र खोदनी शुरू की. शव दफनाने के लिए पांच फीट के आस-पास कब्र खोदकर दाह-संस्कार की तैयारी चल रही थी. इसी क्रम में ग्रामीणों ने विरोध किया और उस खोदी गई कब्र को पुनः समतल करवा दिया. इसके बाद दूसरी जगह अपनी जमीन में दफनाने के लिए सामाजिक दबाव डाला गया.

दूसरी जगह में ईसाई धर्मावलंबियों ने खोदी कब्र

वहां एक स्वर में ग्रामीणों ने हो समाज की रीति-रिवाज के अनुसार नहीं दफनाने की कड़ी चेतावनी दी. आक्रोशित ग्रामीण चिल्लाकर कहने लगे कि हो समाज की रीति-रिवाज को किसी तरह छेड़ने का प्रयास न करें. अन्ततः ग्रामीणों के विरोध और सामाजिक एकता के भयंकर माहौल को देखकर ईसाई धर्म मानने वालों ने ईसाई रीति-रिवाज से दफना दिया. इस अवसर पर मानकी-मुण्डा संघ के अंचल अध्यक्ष युगल किशोर पिंगुवा, ग्रामीण मुंडा चंद्रकांत पिंगुवा, दियुरी बनमाली पिंगुवा, आदिवासी हो समाज युवा महासभा अनुमंडल सचिव सिकंदर तिरिया, प्रखंड अध्यक्ष अनिल चातर, सचिव दिनेश हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष अमर सिंह चातर, आमंत्रित सदस्य रविन्द्र पिंगुवा, टाईगर पिंगुवा, सुखनाथ पिंगुवा, रोहित पाट पिंगुवा, दिव्याराज पिंगुवा, गुरा तोपनो, नबल किशोर पिंगुवा, अरूण राज पिंगुवा आदि ग्रामीण मौजूद थे.

नोवामुंडी में छात्र ने की खुदकुशी

नोवामुंडी। नोवामुंडी थाना क्षेत्र के टाटा स्टील संग्रामसाई नोवा ग्रीन हेरीटेज फ्लैट संख्या 73 के बालकॉनी से गुरुवार को आठवीं कक्षा के छात्र प्रतीक नाग (14 वर्ष) का शव मिला. पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया है. मामले को लेकर नोवामुंडी थाना में यूडी केस दर्ज किया गया है. मृतक की माता अर्चना नाग ने बताया कि घटना के पहले बुधवार को वह अपने बेटे प्रतीक नाग को अकेले क्वार्टर में छोड़कर उसका रिजल्ट लाने जगन्नाथपुर केरला स्कूल गई थी. उनके बेटे का परीक्षा फल भी संतोषजनक है. जगन्नाथपुर से लौटने के बाद कमरे का दरवाजा खुला रहने के कारण घर के अंदर प्रवेश कर कमरे में गई तो वहां बेटा कहीं नजर नहीं आया. उन्होंने बेटे के मोबाइल नंबर पर कॉल भी की. मोबाइल कमरे में बज रहा था. फिर भी वह कहीं नजर नहीं आया. इसके बाद डुप्लीकेट चाबी से घर खोलने पर देखा कि बालकनी में प्रतीक गमछा को गले में बांधकर फांसी से लटका हुआ था.

जंगली हाथियों का आतंक फसलों को किया नष्ट

किरीबुरु। सारंडा जंगल के सुदूरवर्ती काशिया-पेचा गांव में जंगली हाथियों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. 8-10 की संख्या में आये हाथियों ने खेत में लगे फसलों को सफा-चट कर दिया. इस बाबत में ग्रामीण मंगता सुरीन व अन्य ने बताया कि बीती रात 12 बजे करीब 8 की संख्या में हाथी गांव में आये. ग्रामीणों ने मशाल जलाकर व पटाखा फोड़कर हाथियों को भगाया. गांव से भागकर वे खेतों में चले गये और सभी फसलों को नष्ट कर दिया. ग्रामीणों ने वन विभाग से मुआवजा देने का ऐलान किया है.

रांची हिंसा : शकील को बेल देने से कोर्ट का इनकार

संवाददाता। रांची

रांची हिंसा के आरोपी मोहम्मद शकील उर्फ कारू जमानत याचिका पर गुरुवार रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने मोहम्मद शकील उर्फ कारू को बेल देने से इनकार कर दिया. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया.

केस को टेकओवर कर सीआईडी ने जांच शुरू की: बता दें कि अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने पिछले दिनों शकील उर्फ कारू से जेल में पूछताछ भी की है. शकील ऊर्फ कारू को डेली मार्केट थाना में दर्ज कांड संख्या 17/ 22 में भी आरोपी बनाया गया है. जिसे सीआईडी ने टेकओवर करते हुए जांच शुरू कर दी है. इस केस के सूचक रांची के तत्कालीन टाउन सीओ अमित भगत हैं. उनके आवेदन के आधार पर दर्ज की गयी प्राथमिकी में 22 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है.

पत्नी के हत्यारोपी को हाइकोर्ट से मिली जमानत

जमशेदपुर। जमशेदपुर के परसुडीह थान अंतर्गत खखरीपाड़ा निवासी संगीता कुशवाहा की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोपी पति अजय कुशवाहा को झारखंड हाइकोर्ट से जमानत मिल गई. अजय बीते 11 फरवरी से जेल में बंद है. जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस दीपक रौशन की अदालत ने आरोपी को जमानत दी. मामले में वरीय अधिवक्ता दिलीप कुमार कर्मकार ने बहस की. उन्होंने न्यायालय को बताया कि घटना 24 जुलाई 2022 की है और प्राथमिकी विलंब से 8 सितंबर को दर्ज हुई. परंतु इसका कारण स्पष्ट नहीं बताया गया.

हत्या के आरोपी की जमानत याचिका रद्द, भेजा जेल

मझगांव। कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के कुलाबुरु गांव में पुरानी रंजिश से गुलशन बानरा की हत्या के आरोपी बोदरा हेस्सा (40 वर्ष) को पुलिस ने गिरफ्तार कर पुनः जेल भेज दिया. उसे बुधवार की देर रात कुलाबुरु गांव के लोवारीसाई टोला उसके घर से गिरफ्तार किया गया था. थाना प्रभारी दिलीप कुमार टुडू ने बताया कि हत्या का आरोपी बोदरा हेस्सा अपने भाई जुकरु हेस्सा के साथ इसी हत्या के मामले में एक वर्ष के लिए जेल गया था. दोनों जमानत पर बाहर थे. जमानत रद्द होने के कारण बोदरा हेस्सा को पुनः गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है.

एडीजी अभियान करेंगे कोर्ट की सुरक्षा की समीक्षा

रांची। जिले के एसपी के साथ एडीजी अभियान कोर्ट के सुरक्षा की समीक्षा करेंगे. यह समीक्षा बैठक शुक्रवार को दिन के 11:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी. इसे लेकर सभी जिले के एसएसपी और एसपी को भाग लेने का निर्देश दिया गया है. इससे पहले डीजीपी अजय कुमार सिंह के द्वारा बीते 5 सितंबर को झारखंड के सभी कोर्ट और न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर राज्य के डीजीपी अधिकारियों के साथ बैठक किए थे. बता दें कि जमशेदपुर कोर्ट में कार्यरत एक पेशकार पर हुए हमले के बाद हाईकोर्ट ने झारखंड पुलिस को कड़ी फटकार लगाई थी.

हत्या के दो आरोपी को आजीवन कारावास

तेनुघाट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय अनिल कुमार ने हत्या के आरोप में सिद्ध दोषी पाने के बाद आदिल अंसारी और करण कुमार सिंह उर्फ अजय कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. बता दें कि सूचिका संगीता कुमारी ने 1 जुलाई 2021 को बोकारो थर्मल थाना प्रभारी के पास बयान दर्ज कराई थी कि उसके पति अनिल कुमार कमार जो रेलवे में कार्यरत थे. वह 1 जुलाई की सुबह ड्यूटी के लिए घर से निकले थे. शाम लगभग 7 बजे किसी के द्वारा सूचना दी गई कि उसके पति को रेलवे ट्रैक के सामने किसी के द्वारा हत्या कर दी गई है.

कोर्ट ने स्वीकार की सांसद की पत्नी के खिलाफ दायर एसएलपी

रांची/नई दिल्ली। देवघर में भूमि खरीद मामले में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी अनामिका गौतम के खिलाफ झारखंड सरकार के द्वारा दाखिल एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की. सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की याचिका को स्वीकार कर लिया है. अदालत ने कहा है कि वह इस मामले की सुनवाई करेगी. राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता अरुणाभ चौधरी, अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल, अधिवक्ता तूलिका मुखर्जी और अधिवक्ता बीनू शर्मा ने शीर्ष अदालत में पक्ष रखा.

पंकज मिश्रा को नहीं मिली बेल, ईडी कोर्ट ने खारिज की याचिका

रांची। टेंडर मैनेज करने और साहेबगंज जिले में अवैध खनन के जरिए अकूत संपति अर्जित करने के आरोपी पंकज मिश्रा को जमानत देने से रांची ईडी की विशेष कोर्ट ने इनकार कर दिया है. अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है. इससे पहले भी पंकज मिश्रा इसी केस में रांची ईडी कोर्ट से बेल मांग चुके हैं, लेकिन कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली. पंकज मिश्रा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि हैं.

मानव तस्कर पन्ना की पत्नी व भाई को बेल देने से इनकार

रांची। ईडी की विशेष अदालत ने मानव तस्करी कर करोड़ों रुपए की मनी लाउंड्रिंग करने के मामले में किंगपिन पन्ना लाल महतो की पत्नी सुनीता कुमारी और भाई शिव शंकर गंझू की जमानत याचिका खारिज कर दी है. 6 अक्टूबर को अर्जी दाखिल कर दोनों ने जमानत की गुहार लगायी थी. दोनों जेल में बंद हैं. मानव तस्कर पन्ना लाल और उसके सहयोगियों के साथ उसकी पत्नी और भाई पर दिल्ली की प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से झारखंड के गरीब, कमजोर व नाबालिग को दिल्ली में नौकरी दिलाने के नाम पर तस्करी करने का आरोप है. गौरतलब है कि पन्ना लाल और उसकी पत्नी सुनीता साल 2003 से ही मानव तस्करी कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने लगभग 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति बनाई.

बैठक डीसी नमन प्रियेश की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा को लेकर विधि व्यवस्था संधारण की बैठक हुई

पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं : डीसी

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा व अन्य त्योहारों के मद्देनजर विधि व्यवस्था संधारण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त के द्वारा क्रमवार सभी अनुमंडल/प्रखंडों व थानों से जिले में दुर्गा पूजा विधि व्यवस्था से संबंधित तैयारी के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया. जिसमें सभी अनुमंडल पदाधिकारी/सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व थाना प्रभारी के द्वारा बताया गया कि शांति समिति की बैठक पूर्ण किया जा चुका है. पूजा पंडाल समितियां के साथ भी बैठक

किया जा चुका है. संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है. इसके अलावा बैठक के दौरान समाज के गणमान्य नागरिकों ने जिला प्रशासन से दुर्गा पूजा के दौरान बिजली, पानी, यातायात व अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का अनुरोध किया.

इस मौके पर उपायुक्त ने सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया जाए. पंडालों में

दिये निर्देश

- बिजली को दुरुस्त रखने का अनुरोध किया
- सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया जाए

समुचित लाइट की व्यवस्था, एंट्री और एग्जिट के लिए समुचित रास्ते, पंडाल के समीप वाहन पार्किंग ना हो, इसका भी विशेष रूप से ध्यान रखा जाए साथ ही ज्वलनशील पदार्थ पर भी विशेष रूप से निगरानी रखी जाए. सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे भी अवश्य रूप से लगाया जाए. इसके अलावा उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों को चिन्हित करें साथ ही 107 की कारवाई अवश्य करें. इसके साथ ही पूजा पंडालों में होने वाले भीड़ का आकलन कर लें तथा बिजली के लटकते तारों को ठीक करने के निर्देश दिए गए. उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी प्रशासनिक पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को कहा कि सभी प्रमुख नंबर सभी पदाधिकारी आपस में साझा करेंगे ताकि आवश्यकता पड़ने पर समन्वय स्थापित किया जा सके. इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जाए. किसी भी प्रकार का भड़काऊ पोस्ट या व्हाट्सएप ग्रुप में भड़काऊ मैसेज करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई करने हेतु भी निर्देशित किया गया.

न्यूज अपडेट

नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा-अर्चना

नोवामुंडी। गुवा राम नगर स्थित दुर्गा मंडप में नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा अर्चना भक्तों ने की. पूजा अर्चना के दौरान महिलाओं ने सुख-समृद्धि और अन्य बीमारी से बचाव के लिए मन्नतें मांगी गईं. मंदिर कमेटी द्वारा महाअष्टमी और महानवमी पर महाभोग प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया है. उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में रामनगर स्थित दुर्गा मंडप में आकर प्रसाद ग्रहण करें. इस दौरान नवरात्रि की पूजा कर रहे पुजारी मलय पाणिग्राही ने बताया कि मां स्कंदमाता की मां दुर्गा के नौ रूपों में से पांचवें दिन पूजा की जाती है. मां स्कंदमाता को मातृत्व व बच्चों की देवी के रूप में जाना जाता है.

शोषण के तरीकों के बारे में खुलकर बताएं : डॉ प्रभाकर

कथारा (बेरमो)। राजकीय मध्य विद्यालय, फुसरो बाजार में गुरुवार को बच्चों के साथ बाल अधिकार संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया गया. समारोह को संबोधित करते हुए बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक शिक्षाविद डॉ. प्रभाकर कुमार ने कहा कि बच्चों के साथ किसी भी तरह की हिंसा वर्जित है. बच्चे के प्रति हिंसा न केवल उनके जीवन व स्वास्थ्य को, बल्कि भविष्य को भी खतरे में डालती है. उन्हें हिंसा, शोषण व दुर्व्यवहार से मुक्त रखना उनका अधिकार है. बाल शोषण के अंतर्गत शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक प्रताड़ना व उपेक्षा आते हैं.

एक माह में योगदान न देने वाले एपीपी नियुक्ति होगी रद्द

रांची। एक माह के अंदर योगदान नहीं देने वाले एपीपी (सहायक लोक अभियोजन) की नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी. इससे संबंधित आदेश गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि सहायक लोक अभियोजन के रूप में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए योगदान की तिथि से आवंटित जिलों में औपबंधिक रूप से नियुक्त और पदस्थापित किया गया है. नियुक्त अभ्यर्थियों को एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से योगदान देने का निर्देश दिया गया था. लेकिन कई अभ्यर्थियों ने आवंटित जिले में अब तक योगदान नहीं दिया है. ऐसे अभ्यर्थी एक महीने के अंदर आवंटित जिले में अगर योगदान नहीं देते हैं, तो यह समझा जाएगा कि आपको इसमें कोई रुचि नहीं है और आपकी नियुक्ति रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी. इन अभ्यर्थियों ने नहीं दिया है योगदान : आनंद कुमार, मनीष कुमार, निखिल गौरव कमान कच्छप, संजीत कुमार और अमित कुमार तिरिया.

20 एलआरडीसी को मिली पोस्टिंग, अधिसूचना जारी

रांची। राज्य सरकार ने भूमि सुधार उप समाहर्ता (एलआरडीसी) स्तर के 20 अधिकारियों की पोस्टिंग की है. राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है. अधिसूचना के मुताबिक, गोपी उरांव को भूमि उप समाहर्ता के पद पर तैनात किया गया है. बिमल सोरेन की पोस्टिंग राजमहल किया गया है. विजय केरकेटा की पोस्टिंग पलामू किया गया है. ओमप्रकाश मंडल की पोस्टिंग जामताड़ा किया गया है. दिप्ती प्रियंका कुजूर की पोस्टिंग रामगढ़ किया गया है. कुशलमय मुंडू की पोस्टिंग चाईबासा किया गया है. प्रमेश कुशवाहा की पोस्टिंग गढ़वा किया गया है. जीत राय मुर्मू की पोस्टिंग डुमरी किया गया है. विनोद प्रजापति का पोस्टिंग चतरा किया गया है. उदय कुमार की पोस्टिंग लातेहार किया गया है. प्रशांत कुमार की पोस्टिंग देवघर किया गया है. राजीव कुमार की पोस्टिंग पाकुड़ किया गया है. प्यारे लाल की पोस्टिंग पलामू किया गया है. रविश राज की पोस्टिंग गढ़वा किया गया है. अब्दुल समद की पोस्टिंग गोड्डा किया गया है. सागरी बराल की पोस्टिंग गुमला किया गया है. रविंद्र चौधरी की पोस्टिंग गिरिडीह किया गया है.

पेज एक का शेष

रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून ...

यानी यदि स्पीकर द्वारा संचालित कार्यवाही पर अनियमितता का आरोप लगे, तब भी उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता. यह ठीक उसी प्रकार है, जिस प्रकार अनुच्छेद 211 में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश के अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किये गये आचरण के विषय में राज्य के विधानमंडल में कोई चर्चा नहीं होगी. लेकिन यदि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट स्पीकर को निर्धारित समय में फैसला लेने का निर्देश देने लगे और स्पीकर या विधायक न्यायालयों को विभिन्न मामलों में समय से फैसला सुनाने के लिए कहने लगें, तो यह संस्कृति होगी या विकृति ? और यदि यह विकृति अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच जाए, तो हमारी व्यवस्था तथा संविधान का क्या होगा ? इसकी चिंता विधायिका और न्यायपालिका दोनों को करनी चाहिए. इस मामले में यदि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सर्वोच्चता स्थापित करने की जिद में कोई ऐसा आदेश दिया जो प्रथम दृष्टया संविधान विमुख लगेगा तो संभव है कोई पीआइएल दाखिल हो और संविधान पीठ बैठे और ऐसा फैसला दे जो नजीर बने.

ऐसा नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक प्रावधानों को समझता नहीं है, लेकिन वह जब कभी अपनी गरिमा से इतर कोई हल्की टिप्पणी करता है या अपनी हनक में ऐसा कुछ कह जाता है, जो गैरजरूरी होता है, तो कोफ्त होती है. महाराष्ट्र के ही एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा सचिवालय को नोटिस दिया तो था. लेकिन विधानसभा ने शायद उसका जवाब देना मुनासिब नहीं समझा. लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस मामले में विवश नजर आया. यह मामला था पत्रकार अर्नब गोस्वामी का, जिन्हें विधानसभा सचिवालय ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मानहानि के संबंध में नोटिस दिया था. तब स्पीकर थे, कांग्रेस के बड़े नेता नाना पटोले.

जहां तक दल-बदल कानून के तहत एक खास समय सीमा में फैसला लेने की बात है, तो इससे संबंधित संविधान की दसवीं अनुसूची में फैसले के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गयी है. फिर सुप्रीम कोर्ट कोई समय सीमा कैसे तय कर सकता है ? अपने झारखंड के उदाहरणों से इसे समझ लीजिए. इन दोनों के केंद्र में भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ही हैं. पिछली विधानसभा में भाजपा ने उनकी पार्टी झाविमो के आधा दर्जन विधायकों को तोड़ लिया था. स्पीकर के न्यायाधिकरण से लेकर व कोर्ट तक में सुनवाई हुई. लेकिन तत्कालीन स्पीकर दिनेश उरांव ने फैसला तभी दिया, जब उन्हें इत्मीनान हो गया. तब तक उस विधानसभा का कार्यकाल भी खत्म होनेवाला था. अभी वर्तमान विधानसभा में भी बाबूलाल मरांडी के दल-बदल का मामला पिछले चार साल से लंबित है. स्पीकर रवींद्रनाथ महतो कब फैसला देंगे, क्या फैसला देंगे, यह सिर्फ और सिर्फ वही तय करेंगे. उत्तरप्रदेश में तो स्पीकर केशरीनाथ त्रिपाठी ने बसपा की नाजायज टूट को जायज मानते हुए फैसला लटकाये रखा, मुलायम सिंह यादव सरकार चलाते रहे और स्पीकर ने जो फैसला दिया, उसके विरुद्ध न्यायालय ने सुनवाई ही नहीं की. दरअसल दसवीं अनुसूची में यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि दल-बदल मामले में अंतिम फैसला स्पीकर का ही होगा और वह अप्राश्नेय होगा. झारखंड के ही एक उदाहरण पर गौर करें. जब झारखंड बिहार से अलग हुआ और नई विधानसभा गठित हुई, तो स्पीकर बने इंदर सिंह नामधारी. तब सवाल उठा कि विधानसभा का सचिव कौन होगा ? परंपरा यह थी कि न्यायिक सेवा का कोई अधिकारी सचिव का दायित्व संभालता था. तब झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वीके गुप्ता ने नामधारी के पास एक नाम भेज दिया. किंतु स्पीकर नामधारी ने उसे मानने से इंकार कर दिया. नामधारी का कहना था कि आप तीन नामों का पैनल भेज दीजिए. उसमें से किसी एक को सचिव बना दिया जाएगा. लेकिन गुप्ता जी अड़े रहे. नामधारी भी टस से मस नहीं हुए और उन्होंने विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी को सचिव नियुक्त कर नयी परंपरा शुरू कर दी और हाईकोर्ट कुछ नहीं कर सका.

हम भारत के लोग लोकतंत्र के अपने तीनों अधिष्ठानों का सम्मान करते हैं. लेकिन इन अधिष्ठानों के सदस्यों और प्रमुखों को आपस में टकराव से बचना चाहिए. एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करने से गुरेज करना चाहिए. अगर रानी खुद अपने पानी की चिंता नहीं करेगी, तो पानी उतर जाएगा. जैसे सुप्रीम कोर्ट एक संस्था है, वैसे ही विधायिका भी एक संस्था है और स्पीकर का चुनाव जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधि करते हैं. बावजूद इसके यदि स्पीकर मर्यादा तोड़ता है, तो न्यायपालिका जरूर दखल दे. लेकिन जो फैसला सिर्फ स्पीकर को ही देना है, उसमें न्यायपालिका का दखल हम भारत के लोगों को हरगिज अच्छा नहीं लगेगा.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसा में पूर्व वार्ड सदस्य की मौत

पश्चिम चंपारण । बगहा पुलिस जिला के भैरोगंज थाना अंतर्गत बांसगांव परसौनी निवासी भूत पूर्व वार्ड सदस्य 55 वर्षीय धर्मेंद्र पांडेय पिता स्वर्गीय मकर ध्वज पांडेय की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी है. वार्ड सदस्य के परिजन ठाकुर संजय कुमार द्विवेदी ने उक्त जानकारी देते हुए गुरुवार को बताया है कि मंगलवार को बासगांव निवासी वार्ड संख्या 3 के वार्ड सदस्य प्रतिनिधि रामप्रवेश सोनी के साथ बाइक से बगहा एक ब्लॉक गये हुए थे. लौटने के क्रम में बगहा थाना क्षेत्र के रत्नमाला के समीप संध्या चार बजे एनएच 728 बी पर बाइक से घर लौट रहे थे.

अवैध खनन में जुटे 4 माफिया गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के रजौली प्रखण्ड मुख्यालय के सुदूरवर्ती पंचायत सवैयाटांड़ के ललकी माइका खदान में डीएफओ संजीव रंजन व प्रशिक्षु आईएफएस श्रेष्ठ कृष्णा के नेतृत्व में गुरुवार को अवैध खनन के विरुद्ध छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान रेंजर मनोज कुमार,फोरेस्टर रविरंजन कुमार,फोरेस्टर अभिषेक कुमार व राजू शर्मा मौजूद थे. वन विभाग की छापेमारी से अवैध खनन में जुटे दर्जनों लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. छापेमारी में अवैध खनन में जुटे कुल 4 माफियाओं को वन विभाग के कर्मियों द्वारा गिरफ्तार किया गया है.

अपहृत छात्र तीन दिन बाद सकुशल बरामद

पटना । मुजफ्फरपुर के भीखनपुर से अपहृत स्कूली छात्र श्लोक तीन दिन बाद गुरुवार सुबह सीतामढ़ी से बरामद हुआ है. मुजफ्फरपुर जिला के अहियापुर थाना क्षेत्र के भीखनपुर एनएच-57 किनारे से अपहृत दस वर्षीय श्लोक को पुलिस ने तीन दिनों बाद सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर से बरामद किया है. दो दिनों तक अपराधियों के बराबर बदल रहे लोकेशन के बाद भी पुलिस काफी मशक्कत के बाद उसे बरामद किया है. श्लोक के बरामदगी के लिए पुलिस मुजफ्फरपुर के अलावा पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी के साथ ही नेपाल सीमा तक छापेमारी करती रही.

पटना वीमेंस कॉलेज में नवरात्रि समारोह के दौरान डांडिया खेलतीं छात्राएं

आओ जानें

जानें बिहार के बारे में

- बिहार की स्थापना सन 1912 में हुए थी.
- वैशाली के प्राचीन शहरों को दुनिया का पहला गणराज्य माना जाता है, जो बिहार में स्थित है.
- 1912 में बंगाल का विभाजन के फलस्वरूप बिहार राज्य नाम का अस्तित्व में आया.
- 1935 में उड़ीसा इससे अलग कर दिया गया.
- भारत के सभी राज्यों में बिहार की अर्थव्यवस्था सबसे बुरी है, 2014 के रिपोर्ट के मुताबिक बिहार अर्थव्यवस्था में सबसे पीछे था और भारत का सबसे गरीब राज्य भी.
- बिहार का नाम मगध है
- यहां की राजधानी पटना तथा बिहार का सबसे बड़ा शहर भी पटना है
- बिहार के सोनपुर का पशु मेला प्राचीन काल से दुनिया भर में प्रसिद्ध है जो कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होता है. पुराने राजा महाराजा युद्ध के लिए हाथी, घोड़े इस मेले से खरीदते थे.
- बिहार की राजधानी पटना का ऐतिहासिक नाम पाटलिपुत्र है

मेरठ में साबुन बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट

भोजपुर के 5 मजदूरों की मौत, जांच के आदेश

संवाददाता । मेरठ/पटना

मेरठ के लोहिया नगर इलाके में साबुन बनाने वाली एक फैक्ट्री में हुए विस्फोट में पांच मजदूरों की मौत हो गई है. इस बात की जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी. मेरठ के जिला अधिकारी दीपक मीणा ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को लोहिया नगर में हुए विस्फोट में सुबह चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति की देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गई. पांचों मृत व्यक्ति बिहार के भोजपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं. मौके से बरामद एक कार्ड पर भी भोजपुर लिखा हुआ है.

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को हुए विस्फोट में कुल मिलाकर 10 लोग घायल हुए, जिनमें से पांच की मौत हो गई और पांच घायल हो गए. मंगलवार देर रात पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस क्षेत्राधिकारी (कोतवाली) अमित कुमार राय ने बुधवार को कहा कि जिस घर में विस्फोट हुआ था उसके मालिक संजय गुप्ता और किरायेदार

गौरव गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

इस मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश : रिहायशी इलाके में हुई इस घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं. मामले की जांच अपर जिलाधिकारी (नगर) और चार अन्य अधिकारी करेंगे. जिला अधिकारी दीपक मीणा ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया था कि लोहिया नगर इलाके में मौके से साबुन बनाने की सामग्री और साबुन का स्टॉक मिला, जिससे ऐसा लगता है कि यहां साबुन बनाने या साबुन की पैकिंग आदि का काम होता था.

घटना में नष्ट हुआ पूरा घर : यह पूछे जाने पर कि क्या इमारत में पटाखे बनाए जा रहे थे, जिलाधिकारी ने कहा, मैं पहले ही स्पष्ट शब्दों में कह चुका हूं कि यहां कोई पटाखा नहीं बनाया जाता था. उन्होंने कहा था कि यह एक गोदाम था जहां साबुन बनाया जा रहा था और इससे संबंधित कुछ मशीनरी भी थी. मीणा ने यह भी कहा था कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वह संजय गुप्ता का है जिसने यह मकान किसी को किराये पर दिया था. साबुन फैक्ट्री ग्राउंड फ्लोर पर चल रही थी. घटना में घर पूरी तरह नष्ट हो गया है.

गलत सुई लगने से जच्चा बच्चा की मौत, परिजनों ने किया जमकर हंगामा

संवाददाता । नालंदा

हिलसा थाना क्षेत्र के योगीपुर के पास एक निजी क्लीनिक में बुधवार की रात जच्चा-बच्चा की मौत हो गई. महिला की मौत होने के बाद परिजनों ने जमकर अस्पताल में हंगामा किया. इस दौरान अस्पताल छोड़कर डॉक्टर से लेकर स्टॉफ तक फरार हो गए. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और मामले को शांत कराया. मृतक महिला की पहचान पटना जिले के शाहजहांपुर थाना इलाके के सोहपर गांव निवासी विजय कुमार की 22 वर्षीय पत्नी प्रीति कुमारी के रूप में हुई है. बताया जाता है कि महिला को डिलीवरी के लिए एंबुलेंस से निजी क्लीनिक लाया गया था. डॉक्टर ने सबसे पहले 20 हजार रुपये एडवांस में लिए. अस्पताल में महिला को सही सलामत लाया गया था. परिजनों का आरोप है कि गलत सुई लगाने से अचानक महिला की तबीयत बिगड़ने लगी. फिर डॉक्टर और स्टाफ भी बेचैन हो गए और महिला को पटना रेफर कर दिया. सुई लगाने के बाद ज्यादा समय नहीं मिला और महिला की मौत हो गई. पेट में पल रहे शिशु की भी मौत हो गई. मृतक महिला के परिजन रवि कुमार ने कहा कि अस्पताल के स्टाफ पर आरोप लगाया है. जच्चा बच्चा की मौत के बाद घर में शोक का माहौल छा गया. खुशी के माहौल से पहले ही मातम पसर गया.

समस्तीपुर : रोसड़ा थाना क्षेत्र के पांचूपुर चोरबापोखर के पास हुई वारदात

बदमाशों ने दो भाइयों को मारी गोली, मौत

संवाददाता । समस्तीपुर

समस्तीपुर का रोसड़ा थाना क्षेत्र के पांचूपुर चोरबा पोखर के पास बुधवार की रात दुकान बंद कर घर लौट रहे दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी. मृतकों की पहचान थाना क्षेत्र के पवड़ा निवासी मणिकांत चौधरी के पुत्र सुमित कुमार चौधरी (36 वर्ष) और अजीत कुमार चौधरी (32 वर्ष) के रूप में की गई है.

दोनों भाइयों को काफी नजदीक से गोली मारी गई है. इससे आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने लूटपाट का प्रयास किया होगा और गोली मार दी होगी. घटना की सूचना

मिलते ही घर में कोहराम मच गया. दोनों भाई सुमित और अजीत प्रतिदिन की तरह बुधवार की रात भी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे. चोरबा पोखर के समीप अज्ञात अपराधियों ने बाइक सवार दोनों भाइयों को गोली मार दी. कुछ देर बाद उधर से गुजरने वाले राहगीरों ने सड़क पर गिरे दोनों भाई को देख पुलिस को सूचना दी. मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ. मनीष कुमार ने दोनों को मृत घोषित कर दिया.

अमित शाह 5 नवंबर को आएंगे मुजफ्फरपुर, रैली भी करेंगे

संवाददाता । पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पांच नवंबर को बिहार दौरे पर आएंगे. वे पांच नवंबर को मुजफ्फरपुर में रैली करेंगे. साथ ही पताही हवाई अड्डा पर भाजपा की जनसभा को संबोधित करेंगे. इसके लिए भाजपा के 16 जिलों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों समेत अन्य कार्यकर्ताओं को भीड़ जुटाने का टास्क दिया गया है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी भी शाह की रैली को लेकर 25 अक्टूबर को समीक्षा बैठक करेंगे.उल्लेखनीय है कि भाजपा की नजर बिहार के 40 लोकसभा सीटों पर है. रैलियों के बहाने भाजपा बिहार में महागठबंधन की सरकार पर जोरदार चोट कर रही है. अमित शाह पिछले छह महीने में बिहार का चार बार दौरा कर चुके हैं और अब पांचवीं बार वह मुजफ्फरपुर पहुंच रहे हैं. 50 दिन के भीतर गृह मंत्री बिहार में दूसरी रैली करेंगे.

डेंगू से एएसआई चिरंजीवी पांडेय की मौत

अररिया । फारबिसगंज थाना में पदस्थापित एएसआई चिरंजीवी पांडेय की मौत डेंगू से हो गई. बुधवार देर रात अचानक नाक और मुंह से ब्लड निकलने के बाद उनकी तबीयत खराब होने के बाद परिजन उसे अनुमंडलीय अस्पताल ले गए. जहां से उनकी नाजुक हालत देखते हुए पूर्णिया रेफर किया गया था. रास्ते में ही जाने के क्रम में उनकी मौत होने की बात कही गई. मृतक वैशाली जिला के लालगंज के लौतन गुरमिया गांव के रहने वाले चिरंजीवी पांडेय पिछले कुछ दिनों से डेंगू से पीड़ित थे.

कारोबार

ब्लू जेट ने शेयर का मूल्य किया तय

नयी दिल्ली । दवाओं का कच्चा माल बनाने वाली कंपनी ब्लू जेट हेल्थकेयर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 329-346 रुपये प्रति शेयर कर मूल्य दायरा तय किया है. कंपनी का आईपीओ 25 अक्टूबर को खुलेगा और 27 अक्टूबर को बंद होगा. एंकर निवेशकों के लिए इसे 23 अक्टूबर को खोला जाएगा. ब्लू जेट हेल्थकेयर के अनुसार, यह निर्गम प्रवर्तकों अक्षय बंसारीलाल अरोड़ा तथा शिवेन अक्षय अरोड़ा की तरफ से 2.42 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा.

वरोरा-कुर्नूल ट्रांसमिशन लाइन की हुई शुरुआत

नयी दिल्ली । अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने सबसे बड़ी अंतर-क्षेत्रीय 765 केवी वरोरा-कुर्नूल बिजली ट्रांसमिशन लाइन शुरू कर दी है. कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. जारी एक बयान के अनुसार, महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में 1,756 सर्किट किमी तक फैली यह परियोजना पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों के बीच 4,500 मेगावाट का निर्बाध बिजली प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय ग्रिड को मजबूत करेगी. वरोरा कुरनूल ट्रांसमिशन लिमिटेड को पूरी तरह से अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड संचालित करती है.

यूट्यूब वीडियो को 'वॉच पेज' पर करेगा सूचीबद्ध

नयी दिल्ली । गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब विश्वसनीय समाचार स्रोतों से प्राप्त वीडियो को ही 'वॉच पेज' पर सूचीबद्ध करेगा. यह भारत में आने वाले महीनों में उपलब्ध होगा. कंपनी की एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही. यूट्यूब इंडिया की सरकारी मामलों व सार्वजनिक नीति की प्रमुख मीरा चट ने यहां गूगल फॉर इंडिया कार्यक्रम में कहा, आज मैं समाचारों के लिए 'वॉच पेज' पेश करते हुए खुश हूं, वॉच पेज पर विश्वसनीय स्रोतों से उपलब्ध वीडियो ही सूचीबद्ध की जाएंगी. उन्होंने कहा कि वॉच पेज भारत में आने वाले महीनों में उपलब्ध होगा.

एनवीडिया और फॉक्सकॉन ने एआई के क्षेत्र में की बड़ी डील

चिप को लेकर अमेरिका-चीन में ठनी

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व बढ़ता जा रहा है. माना जा रहा है कि आने वाले वक्त में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सब कुछ बदल कर रख देगा. चाहे विकास का मॉडल हो या फिर सोचने-समझने की ताकत हो. इसलिए दुनिया की नजर अब इस पर है. वहीं अब दुनिया की सबसे वैल्यूएबल चिपमेकर कंपनी एनवीडिया और कॉन्ट्रैक्ट पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली ताइवान की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन ने एआई के क्षेत्र में बड़ी डील की है. दोनों कंपनियों ने एआई फैक्ट्रीज बनाने के लिए हाथ मिलाया है. दोनों कंपनियों का कहना है कि यह एक नए तरह का डेटा सेंटर होगा जो कई तरह के ऐप्लिकेशंस के लिए एनवीडिया के चिप का इस्तेमाल करेगा. इनमें ऑटोनोमस वीकल्स और रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म्स की ट्रेनिंग शामिल है.

बता दें कि सेमीकंडक्टर चिप को लेकर अमेरिका और चीन में ठनी हुई है. अमेरिका ने हाल में चीन को एडवांस्ड चिप देने पर पाबंदी लगा दी है. इससे एनवीडिया की दिक्कतें बढ़

गई है. इससे कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई और एक ही दिन में उसका मार्केट कैप 100 अरब डॉलर गिर गया था. अमेरिका के प्रतिबंधों के बाद एनवीडिया चीन को हाई-एंड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस चिप ए800 और एच800 की बिक्री नहीं कर पाएगी. कंपनी ने ये चिप खासतौर पर इन्हें चीन के लिए बनाए हैं. ताइवान में जन्मे एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग और फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू हाल ही में ताइपे में सालाना टेक इवेंट में एक साथ दिखे. हुआंग ने कहा कि एक नई तरह की मैन्यूफैक्चरिंग उभरकर आई है. यह इंटेलीजेंस और डेटा सेंटर के प्रॉडक्शन का मामला है जो एआई फैक्ट्रीज बनाती हैं. उन्होंने कहा कि फॉक्सकॉन के पास दुनियाभर में इस तरह की फैक्ट्रीज बनाने की क्षमता और अनुभव है.

लियू ने कहा कि फॉक्सकॉन खुद के एक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विस कंपनी से प्लेटफॉर्म सॉल्यूशन कंपनी में बदलने की कोशिश कर रही है. अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल के आधे से अधिक प्रॉडक्ट फॉक्सकॉन ही बनाती है. कंपनी अब अपने बिजनस का विस्तार कर रही है और पर्सनल कंप्यूटर तथा स्मार्टफोन की असेंबलिंग को दूसरे क्षेत्रों में दोहराना चाहती है. जून में लियू ने एक इंटरव्यू में कहा था कि आने वाले दशकों में इलेक्ट्रिक वीकल ग्रोथ का इंजन बनेंगे. बता दें कि एनवीडिया के एडवांस चिप्स की डिमांड पूरी दुनिया

मिलाया हाथ

- यूएस ने चीन को एडवांस्ड चिप देने पर लगाई पाबंदी
- एनवीडिया का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर गिरा था

में बढ़ी है. इस कारण कंपनी के शेयरों में इस साल तीन गुना तेजी आई है और उसका मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है. यह दुनिया की छठी और अमेरिका की पांचवीं सबसे मूल्यवान कंपनी है. जनवरी में फॉक्सकॉन और एनवीडिया ने ऑटोनोमस वीकल प्लेटफॉर्म्स डेवलप करने के लिए पार्टनरशिप की थी. इसमें फॉक्सकॉन एनवीडिया के चिप्स का इस्तेमाल करने वाली कारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट बनाएगी.

एआई समाज के लिए खतरनाक हो सकता है : एआई के बढ़ते इस्तेमाल और मानवीय क्रियाकलापों में इस दखल की वजह से एक नई बहस भी शुरू हो गई है. दरअसल दुनिया के कई जाने माने बिजनेसमैन जिसमें टेक्नोक्रैट भी शामिल हैं.

अल्ट्राटेक सीमेंट का चालू वित्त वर्ष में शुद्ध लाभ 1,280 करोड़ हुई

एजेंसी । नयी दिल्ली

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी जुलाई-सितंबर की तिमाही में 68.75 प्रतिशत के उछाल के साथ 1,280.38 करोड़ रुपये रहा है. कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी. कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 758.7 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत परिचालन आय 16,012.13 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 13,892.69 करोड़ रुपये रही थी.

कंपनी का कुल व्यय दूसरी तिमाही में बढ़कर 14,493.01 करोड़ रुपये हो गया, जो सितंबर, 2022 में समाप्त तिमाही में 12,934.27 करोड़ रुपये रहा था. अल्ट्राटेक ने कहा कि उसने विस्तारित क्षमता के बल पर तिमाही के दौरान 75 प्रतिशत क्षमता इस्तेमाल हासिल किया. बिजली लागत में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत गिरावट आई है, वहीं कच्चे माल की लागत चार प्रतिशत बढ़ गई है.

नई दिल्ली : केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गूगल इंडिया के उपाध्यक्ष और कंट्री हेड संजय गुप्ता (आर) और एक्सिस माई इंडिया के चेयरमैन और एमडी प्रदीप गुप्ता के साथ नई दिल्ली में गूगल फॉर इंडिया इवेंट के नौवें संस्करण में एक ऐप लॉन्च किया.

कोयले की आपूर्ति एक अरब टन होने की उम्मीद : मंत्रालय

एजेंसी । नयी दिल्ली

कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में कोयले की आपूर्ति एक अरब टन से अधिक होने की संभावना है. कोयला मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष में 101.2 करोड़ टन कोयले का उत्पादन और उसे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है.

कोयला मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, वर्ष की दूसरी छमाही में उत्पादन और बिक्री की दर आमतौर पर पहली छमाही की तुलना में अधिक होती है. इसलिए उम्मीद है कि इस वर्ष कोयले की आपूर्ति एक अरब टन के आंकड़े को पार कर जाएगी. पिछले वित्त वर्ष में नौ नवंबर तक कोयले की आपूर्ति 50 करोड़ टन रही थी. चालू वित्त वर्ष में 50 करोड़ टन के लक्ष्य को 23 दिन पहले ही हासिल कर लिया गया है. बयान में कहा गया, रिकॉर्ड उच्च प्रदर्शन के साथ मंत्रालय ने 17 अक्टूबर, 2023 तक 50 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति का आंकड़ा पार कर लिया है. वर्ष की पहली छमाही में मानसून के मौसम के बावजूद 200 दिन में 50 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गई. इस 50 करोड़ टन कोयला की आपूर्ति में से 41.65 करोड़ टन बिजली क्षेत्र को और 8.47 करोड़ टन गैर-नियामक क्षेत्र को दिया गया.

मंत्रालय ने कहा, बिजली क्षेत्र में कोयले की आपूर्ति में सालाना आधार पर 7.27 प्रतिशत वृद्धि हुई है और गैर-विनियमित क्षेत्र में सालाना वृद्धि 38.02 प्रतिशत रही है. पिछले वित्त वर्ष 2022-23 (31 मार्च 2023 तक) में कोयले की आपूर्ति 89.31 करोड़ टन रही थी. कोयला मंत्रालय की इस उपलब्धि में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और कैप्टिव/वाणिज्यिक खदानों सभी ने योगदान दिया है. घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है.

मिली मंजूरी लैपटॉप, कंप्यूटर जैसे आईटी हार्डवेयर के आयात के लिए ऑनलाइन प्रणाली हुई स्थापित

केंद्र सरकार ने लाइसेंसिंग मानदंडों में किया बदलाव

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार ने लैपटॉप और कंप्यूटर जैसे आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए थकाऊ लाइसेंसिंग मानदंडों में बदलाव किया है. अब ऐसे उत्पादों के आयातकों के लिए एक ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली स्थापित की गई है.

विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने बृहस्पतिवार यहां संवाददाताओं से कहा, नई लाइसेंसिंग या मंजूरी व्यवस्था का उद्देश्य मुख्य रूप से इन उत्पादों के आयात की निगरानी करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे विश्वसनीय स्रोतों से आ रहे हैं. यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी. उन्होंने कहा कि आयात पर अंकुश को लेकर

हितधारकों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नीति में कुछ बदलाव किए गए हैं और आयातकों के लिए 'एंड-टू-एंड' ऑनलाइन प्रणाली शुरू की गई है. सारंगी ने कहा कि यह प्रणाली आयातकों के लिए बिना कहीं जाए और बिना संपर्क विवरण भरने की सुविधा प्रदान करेगी.

यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार ने चार अगस्त को घोषणा की थी कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और चीन जैसे देशों से आयात में कटौती करने के उद्देश्य से आयातकों को एक नवंबर से इन वस्तुओं के आयात के लिए लाइसेंस की जरूरत होगी. नई लाइसेंस व्यवस्था भारत की विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर (टैबलेट कंप्यूटर सहित), माइक्रो कंप्यूटर, बड़े या मेनफ्रेम कंप्यूटर और कुछ डेटा प्रोसेसिंग मशीनों पर लागू है. डीजीएफटी ने कहा कि एक आयातक अभी से आयात का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए प्रणाली पर आवेदन कर सकता है. इसमें मात्रा, मूल्य या किसी देश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा.

नई प्रणाली की तैयारी में राजस्व विभाग भी शामिल है और पूरी आवेदन प्रक्रिया में लगभग 10 मिनट का समय लगेगा और सरल लाइसेंस स्वचालित तरीके से जारी किया जाएगा. सारंगी ने कहा, अस्वीकृत इकाई सूची' में शामिल कंपनियों को लाइसेंस नहीं मिलेगा. ऐसी सूची में वे कंपनियां शामिल हैं जिन्होंने अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत सामान (ईपीसीजी) जैसी योजनाओं का लाभ उठाकर निर्यात दायित्वों को पूरा नहीं किया है या चूक की है या उनके खिलाफ डीआरआई (राजस्व आसूचना निदेशालय) के मामले चल रहे हैं. पुराना सामान या नवीनीकृत वस्तुओं का आयात करने की इच्छुक कंपनियों को भी इस लाइसेंस के लिए आवेदन करने की अनुमति नहीं होगी क्योंकि उनके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अलग है. सारंगी ने कहा, हालांकि, एक ऑनलाइन प्रणाली लागू की गई है, लेकिन ये आईटी हार्डवेयर उत्पाद अब भी अंकुश की श्रेणी के अंतर्गत हैं और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है.

मानवीय त्रासदी का चरम

युद्ध अपराध की तमाम सीमाएं गाजा में लांघी जा चुकी हैं. किसी अस्पताल पर विध्वंसक हमला सामान्य बात नहीं है. पांच सौ से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार देने की घटना ने मानवता को तार-तार कर दिया है. भले ही इजराइल इसे हमास के रॉकेट का मिसफायर बता रहा हो, लेकिन दुनिया जानती है कि इतने गहन विध्वंसक हथियार किसके पास हैं. समय आ गया है कि तत्काल सीजफायर किया जाए. अमेरिका का यह दायित्व है कि जिस तरह उसने यूक्रेन युद्ध में रिहायशी हमलों के लिए रूस को युद्ध अपराधी बताया, फिलिस्तीन के बारे में भी ऐसा ही कहें. यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन और फ्रांस जिस मानवाधिकार का डंका बजाते हैं, उसका उल्लंघन पश्चिमी एशिया में भी रोकें, लेकिन पश्चिमी देशों का कड़वा सच तो यह भी उजागर हो रहा है कि पीडित के पक्ष में आवाज उठाने वालों को दंडित किया जा रहा है. दुखद पहलू यह भी है कि इसमें भारत की भूमिका भी बेहतर नहीं कही जा सकती. फिलिस्तीन के लिए आवाज उठाने वालों पर भारत में मुकदमा दर्ज हो रहा है. उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में ऐसी दो घटनाएं हो चुकी हैं. पश्चिमी लिबरल डेमोक्रेसी में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के गुणगान करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी से अमेरिका तक फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों पर लगाई जा रही पाबंदी और गिरफ्तारियां किस स्वतंत्रता को दिखाती हैं. वैसे यह कोई पहली बार नहीं है. जब भी इन 'विकसित जनतंत्रों' को इनकी जनता की ओर से कोई राजनीतिक चुनौती खडी हुई है, तभी शासकीय दमन का इस्तेमाल किया जाता रहा है. बाइडन ने इजराइल की यात्रा की और एक तरह से समस्या हल करने की दिशा में पहल करने के बजाय अरब देशों को नाराज ही कर दिया. उन्हें जार्डन की यात्रा रदद करनी पडी. इसके पहले अमेरिकी विदेश मंत्री के अरब देशों की यात्रा की नाकामयाबी के किस्से अमेरिकी मीडिया में ही छप चुकी है. सवाल है कि सात दशकों से जारी विवाद का हल निकालने की दिशा में कोई ठोस पहल क्यों नही की जा रही है. यूएनओ में सीजफायर का प्रस्ताव पारित नहीं किया जाना बताता है कि पश्चिम एशिया में शांति बडी पश्चिमी ताकतों की प्राथमिकता नहीं है. इस तथ्य को भी ध्यान में रखना चाहिए कि इजराइल ने गाजा के 25 अस्पतालों को भी खाली करने का आदेश जारी किया था. यानी युद्धों के लिए बने दुनिया के नियम कायदों का क्या हश्र हो रहा है, इस पर ध्यान नहीं देना कम गंभीर मसला नहीं है. एक समय था, जब सीरिया की एक बच्ची की भयावह तस्वीर ने दुनिया को हिला दिया था. इस समय पहली जरूरत है युद्ध को रोका जाना और यह अमेरिकी प्रभाव वाले पश्चिमी ताकत ही कर सकते हैं. अन्यथा आने वाले दिनों में और भयावह त्रासदी देखने को मिल सकती है.

> यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन और फ्रांस जिस मानवाधिकार का डंका बजाते हैं, उसका उल्लंघन पश्चिमी एशिया में भी रोकें, लेकिन पश्चिमी देशों का कड़वा सच तो यह भी उजागर हो रहा है कि पीड़ित के पक्ष में आवाज उठाने वालों को दंडित किया जा रहा है.

सुभाषित

क्षणशः कणशश्चैव विद्यां अर्थं च साधयेत्।
क्षणे नष्टे कुतो विद्या कणे नष्टे कुतो धनम्॥

प्रत्येक क्षण का उपयोग सीखने के लिए और प्रत्येक छोटे से छोटे सिक्के का उपयोग उसे बचाकर रखने के लिए करना चाहिए, क्षण को नष्ट करके विद्याप्राप्ति नहीं की जा सकती और सिक्कों को नष्ट करके धन नहीं प्राप्त किया जा सकता.

सोशल मीडिया से फैलता विद्वेष का बारूद

किसी भी घटना को मोबाइल में क़ैद करते अनगिनत हाथ कब उसे लाइव या अपनी समझ से किस रूप में फैला देंगे, कोई नहीं जानता. अनेक ऐसे मामलों में निहित स्वार्थ में झूठी और नफरत फैलाने वाली बातें जानबूझकर फैलाई गईं, जिससे दंगे फ़साद हुए. हर हाथ में मोबाइल के इस नए युग में एक अनूठी बेलगाम गैर जिम्मेदार नए ढंग की पत्रकारिता में कोई संपादन नहीं होता और सबसे खतरनाक यह है कि इसके भयंकर कुपरिणाम अभी आने शेष हैं.

नब्बे के दशक में जब रंगीन टीवी और इसके सास-बहू टाइप कार्यक्रमों के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जोरदार प्रवेश भारत में हो रहा था तो कई समाचार पत्रों में इसे सांस्कृतिक हमला बताया था, क्योंकि तब इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों को रंगीन टीवी की चकाचौंध के बीच अपने उपभोक्ता उत्पादों के लिए बाजार बनाना था, जैसा इन्होंने यूरोपीय देशों में समाज की परंपरा के आगे सोप ओपेरा के माध्यम से एक नया बाजारवाद ही विकसित किया था और वही प्रयोग यहां भी होने वाला था. बहुत से लोगों को लगा था कि टीवी चैनल जनता के मनोरंजन के लिए खुल रहे हैं, पर यहां भी एक नए प्रकार का बाजारवाद और दिखावा भरे रहन-सहन की नींव रखी जा रही थी, जो धीरे- धीरे गांवों तक पहुंच गई है. तब कुछ भारतीय लड़कियों को मिस वर्ल्ड और यूनिवर्स चुनी गईं और बाद में यह क्रम रुक गया. आज भारतीय परिवार भारतीय परंपराओं के इतर और बोल्ड कथानक या दृश्यों वाले धारावाहिक या फिल्मों का आदी ही चुका है. जब सस्ते स्मार्ट फोन और फ्री डाटा के साथ सूचना क्रांति का एक और हमला हुआ तो इसे किसी ने वैसा खतरा नहीं बताया, जैसा अभी सोशल मीडिया रूप ले चुका है. आज देश के किसी भी हिस्से में कोई भी मामूली घटना सनसनी बनकर कब देश विदेश में फैल जाएगी, कोई नहीं जानता. किसी भी घटना को मोबाइल में क़ैद करते अनगिनत हाथ कब उसे लाइव या अपनी समझ से किस रूप में फैला देंगे, कोई नहीं जानता. अनेक ऐसे मामलों में निहित स्वार्थ में झूठी और नफरत फैलाने वाली बातें जानबूझकर फैलाई गईं, जिससे दंगे फ़साद हुए. हर हाथ में मोबाइल के इस नए युग में एक अनूठी बेलगाम गैर जिम्मेदार नए ढंग की पत्रकारिता में कोई संपादन नहीं होता और सबसे खतरनाक यह है कि इसके भयंकर कुपरिणाम अभी आने शेष हैं, जिससे ऐसा भ्रम फैलेगा कि मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगेंगे. पढ़ा लिखा परिपक्व वर्ग इसे व्हॉट्सएप यूनिवर्सिटी बोलकर गंभीरता से नहीं लेता, पर भारत का एक बहुत बड़ा वर्ग जो बहुत पढ़ा-लिखा या मानसिक रूप से परिपक्व नहीं है, वह झूठी गढ़ी हुई या फोटोशॉप की हुई तस्वीरों या आधुनिक कृत्रिम मेधा द्वारा तैयार सोशल मीडिया सामग्री को सच मान लेता है और उसपर चर्चा भी करता है, उसे फैलाता है. जाति, धर्म, राजनीति और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर आधारित ये यह जहर तेज़ी से समाज में फैल रहा है, जिसमें कहीं धर्म संकट में है तो कहीं मजहबी पहचान खतरे में है. इतिहास भूगोल की झूठी जानकारी और चरित्र हनन के हजारों फोटो, वीडियो इंस्टा, फेसबुक, रील और यूट्यूब के अलावा व्हॉट्सएप के माध्यम से विभिन्न राजनैतिक पार्टियों, धार्मिक उन्माद फैलाने वाले षड्यंत्रकारियों से लेकर देश के दुश्मनों द्वारा फैलाई जा रही हैं, जिससे समाज के अंदर एक जहरीला बारूद फैलता जा रहा है, जिसे बस किसी घटना की माचिस का इंतजार है और जिस दिन यह आग लगेगी उस दिन नफरत का दावानल कहां तक पहुंचेगा कहना मुश्किल है. इस आग को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की ताक में पहले देश के दुश्मन रहा करते थे, पर इससे भेदभाव फैलाकर या अपना पक्ष उज्ज्वल बताकर चुनाव जीतने की दौड़ में अनेक राजनैतिक दल भी शामिल हो गए हैं. इसका प्रमाण है अनेक जातीय धार्मिक दंगों की रिपोर्ट. झारखंड जैसा साफ़ सुथरा राज्य भी अब जातीय धार्मिक पहचान के रंग में रंगता जा रहा है. गांव से लेकर सुदूरवर्ती दुर्गम इलाकों तक में झंडों से लेकर जातीय धार्मिक पोशाक और पर्व त्योहारों में शक्ति प्रदर्शन और उसके वीडियो एक प्रतिस्पर्द्धा का रूप ले चुके हैं . झारखंड के अनेक गांवों में आपसी सौहार्द और सद्भावना के बजाय बातचीत में छींटाकशी से लेकर पलामू सहित माओवाद प्रभावित जिलों में अगड़े-पिछड़े, धर्म और जातीय विद्वेष फैलाकर राजनीति चमकाने के संगठित प्रयास अभियान का रूप ले चुके हैं. सिंहभूम, पलामू, गुमला और माओवाद प्रभावित अनेक जिलों के सुदूरवर्ती गांवों में सरकारी गाड़ी सुरक्षा कारणों से भले न घुस पाए, पर समाज सेवा, चिकित्सा और जागरूकता के नाम पर विशिष्ट कोड अंकित वाहनों का प्रवेश धड़ल्ले से होता है. माओवादी, जातीय और धार्मिक संगठनों के अलावा राजनैतिक गतिविधियों वाली कुछ गाड़ियां नियमित रूप से घूमती है. यह नहीं कहा जा सकता कि सभी की गतिविधियां संदिग्ध हैं, पर कुछ संदिग्ध स्वयंसेवी संस्थाओं के बारे में चर्चा है कि वे गांवों से प्राप्त आंकड़ों को विकास कार्यों के अलावा विदेशों तक पहुंचाती हैं, जिनकी जांच से बहुत से खुलासे हो सकते हैं. सरकारी एजेंसियों के अलावा राजनैतिक पार्टियों और समाजसेवियों को भी इस मामले पर गहन चिंतन और सुधारात्मक उपायों पर विचार करना चाहिए, वरना सदियों पुरानी सद्भावना और सौहार्द बिगाड़कर एकाध चुनाव तो जीते जा सकते हैं, पर जातीय उन्माद और विद्वेष से विकास की दौड़ में आगे चल रहे भारत को गहरी चोट लगेगी, जो इसके दुश्मन ईर्ष्यालु देश चाहते भी हैं. सबसे बड़ी भूमिका तो अब आम जनता को निभानी है, जो इसी सोशल मीडिया के कारण सच्चाई भी जानती है और भविष्य के खतरों से भी अवगत है. वैसे स्थिति इतनी भी नहीं बिगड़ी कि संभाली न जा सके, क्योंकि जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय राजनीति के दबावों के बावजूद लोग बहुत सी बातों की आपस में चर्चा करते हैं और अपने अलावा देश समाज का भला सोचते हैं. सामाजिक तानाबाना ऐसा है कि भारतीय परंपरा में सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं और लड़ाइयों से लाभ कुछ स्वार्थी लोगों का भले हो जाए, नुकसान हमेशा आम आदमी का ही होता है . सरकार साइबर सेल का गठन कर इस दिशा में पहल की है, पर उनका फ़ोकस साइबर ठगी पर ही केंद्रित है, जबकि शत्रु पड़ोसी देशों से जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय उन्माद फैलाने के कई गड़बड़ी वाले मामले सीमावर्ती राज्यों में पकड़ में आए हैं, जहां मिलिट्री इंटेलिजेंस इनपर नजर रखती है.

• देश-काल

सुनील बादल

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

काल कभी मरता नहीं

राजा परीक्षित को प्यास लगी और अपनी प्यास बुझाने के लिए वे ऋषि के आश्रम में गए. ऋषि ध्यान में निमग्न हैं. परीक्षित बड़े विनम्र स्वभाव के थे, लेकिन कलियुग के प्रभाव से उस समय उनका रजोगुण और तमोगुण जागृत हुआ. रजोगुण ने कहा कि अरे ! मैं देश का राजा हूं और देश के राजा का प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान करना चाहिए. परंतु मुझे देखकर भी यह बैठे हैं. उनके अंतःकरण के तमोगुण की वृत्ति को लगा कि यह तो पाखंडी है, यह ऋषि ध्यान नहीं कर रहा है, अपितु मुझे देखकर उठना न पड़े, इसलिए आंख मूंदे हुए बैठा है. उस समय उनमें तमोगुण की वृत्ति इतनी प्रबल थी कि उन्होंने मरे हुए सांप को ऋषि के गले में डाल कर परिहास करने की चेष्टा की. पुराण की कथा का व्यंग्य है कि अच्छे से अच्छा व्यक्ति भी युग से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता. किंतु युग से प्रभावित होने के पश्चात उसके निराकरण का जो स्वरूप है, वह भी श्रीमद्भागवत में प्रस्तुत किया गया है. राजा परीक्षित जब महल में आकर स्वर्ण मुकुट उतारते हैं तो तत्काल कलियुग का केंद्र वहां से हट जाता है. कुछ लोगों के सिर पर कलियुग चौबीसों घंटे सवार रहता है और कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनके ऊपर कुछ समय तक सवार होने के बाद कलियुग उतर जाता है और उनमें सतोगुण का पुनः उदय होता है और तब वे अनुभव करते हैं कि अरे यह मैंने क्या किया ? परीक्षित ने मुकुट उतारते ही ऐसा अनुभव किया कि आज कितना बड़ा अनर्थ हुआ मैंने रजोगुण और तमोगुण से प्रेरित होकर आज एक महात्मा का अपमान किया. यह तो मुझसे बहुत बड़ी भूल हो गई. परीक्षित के अंतःकरण में पश्चाताप हो रहा है. राजा परीक्षित कलियुग के प्रभाव से मरे हुए सांप को ऋषि के गले में डाल करके उनका अहित करने की चेष्टा करते हैं. ऋषि तो ध्यान में निमग्न थे, लेकिन जब उनके पुत्र से किसी ने आकर कहा कि परीक्षित ने तुम्हारे पिता के गले में सर्प डाल दिया, तो वे क्रोधित हो गए. उन्हें लगा कि यह अहंकारी राजा इतना धृष्ट हो गया है कि ऋषियों का अपमान करता है और युग की विडंबना यह थी कि उनमें बदला लेने की वृत्ति आई तथा उन्होंने शाप दे दिया कि जिस सर्प को उसने गले में डाला है, वही सर्प सातवें दिन जीवित होकर राजा को डंस लेगा. यह बहुत बढ़िया संकेत है कि सर्प मरा हुआ और जीवित होकर डंस लेगा.

नारी शक्ति के नए युग का स्वागत

• आधी आबादी

अर्जुन राम मेघवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी उल्लेखनीय बदलाव के लिए सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय विशेष महत्व रखता है. यह समावेशी बदलाव लाने की सामूहिक भावना को दर्शाता है. हाल ही में भारत ऐसे ऐतिहासिक निर्णयों का साक्षी बना है, जिनकी गूंज विश्व भर में सुनाई दे रही है, इनमें से एक है भारत की अध्यक्षता में आयोजित किए गए जी-20 शिखर सम्मेलन में सभी सदस्य देशों द्वारा दिल्ली घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार करना तथा दूसरा है नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना. ऐसा कहा जाता है, सरलता में ही सुंदरता है और यही स्थिति इस बात में दिखाई देती है कि केंद्र और राज्य स्तर पर प्रतिनिधि संस्थानों में महिलाओं की उचित भागीदारी निर्धारित करने वाले महिला आरक्षण विधेयक को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में लागू होते हुए देखने में इस देश की महिलाओं ने 27 वर्षों तक इंतजार किया है. बहुत ही सरल रूप में हम यह कह सकते हैं कि नारी शक्ति जो आधी आबादी का गठन करती है, की लोकतांत्रिक प्रतिनिधि संस्थानों में हिस्सेदारी न्यूनतम थी और यह स्थिति प्राकृतिक नियम के विरुद्ध थी. बाध्यकारी सामाजिक मान्यताओं ने निर्णय की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को सीमित कर दिया तथा समाज द्वारा लिए गए निर्णयों का अनुपालन करने के लिए वह काफी हद तक बाध्य कर दी गईं. इन चुनौतियों के बीच, इस दृष्टिकोण के विरोध में अनेक अपवाद सामने आए, महिलाएं अपने पर थोपी गईं बाध्यकारी वर्जनाओं से बाहर निकलीं तथा आज के समय में महिलाओं ने हर क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है. अब मोदी सरकार ने इस नैतिक कर्तव्य को सम्मानपूर्वक प्राथमिकता दी है तथा शीर्ष निर्णय कर्ता के रूप में महिलाओं की भूमिका को मान्यता देकर एक ऐतिहासिक गलती को दुरुस्त करने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई है. विधायी क्षेत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम द्वारा प्रस्तावित लैंगिक न्याय महिलाओं के सम्मान को समग्र रूप में बल प्रदान करेगा तथा संतुलित नीति निर्माण के लिए समुचित परिस्थिति सृजित होगी. महिलाओं में मौजूद दृढ़ता, रचनात्मकता, त्याग, ममता, करुणा, दया, समर्पण तथा विश्वास जैसे सहज गुण उन्हें नेतृत्व करने की विशिष्ट क्षमता प्रदान करते हैं तथा इसके लिए उन्हें शीर्ष प्रबंधन स्कूलों एवं विश्वविद्यालयों से नेतृत्व पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है. बस आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें उनका उचित स्थान दिया जाए तथा ऐसा करने मात्र से ही उनके क्षमता निर्माण को व्यापक बल मिलेगा तथा वे दूसरों द्वारा अनुकरण के लिए एक आदर्श मॉडल भी बनेंगी. संविधान (128वां संशोधन) अधिनियम मोदी सरकार के लिए कोई राजनीतिक कदम नहीं है, बल्कि यह विश्वास का प्रतीक है. जुलाई 2003 में, भाजपा ने रायपुर में आयोजित की गई राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में संसद तथा राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का एक प्रस्ताव पारित किया था. बाद में पार्टी द्वारा संगठन स्तर पर इस प्रयास को अमल में लाया गया तथा इसे अपने घोषणा पत्र में भी शामिल किया गया. अब यह पूरे देश के लिए बदलाव का एक माध्यम बन गया है. संसद का विशेष सत्र बुलाना तथा सर्वसम्मति-आधारित निर्णय के लिए सभी राजनीतिक दलों को राजी करना एक कठिन कार्य था, जिसे सरकार ने इस विषय की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए काफी सावधानीपूर्वक किया है. पहले इस नेक काम का विरोध करने वाले कुछ राजनीतिक दलों का इस विधेयक के लिए सहमत होना उनकी इच्छा से नहीं हुआ है, बल्कि ऐसा करना उनकी राजनीतिक मजबूरी है. पुराना संसद भवन संविधान निर्माण की प्रक्रिया तथा अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण का साक्षी रहा है और अब संसद का यह नया मंदिर लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हमारे जीवंत संविधान की छत्रछाया में सत्ता में महिलाओं की उचित भागीदारी का साक्षी बन रहा है. अनेक ठोस उपायों को लागू करने से 21वीं सदी के दौरान देश को महिलाओं के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के संदर्भ में राष्ट्र के नजरिए में एक नया बदलाव आएगा. नारी शक्ति वंदन अधिनियम, के प्रावधानों को लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत पूर्व अपेक्षित संवैधानिक बाध्यता यह है कि महिलाओं के नेतृत्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए पहले जनगणना तथा परिसीमन से संबंधित कार्य पूरे किए जाएं. दृढ़संकल्पित मोदी सरकार संविधान की इस भावना के अनुरूप इस अधिनियम को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है.

> नारी शक्ति जो आधी आबादी का गठन करती है, की लोकतांत्रिक प्रतिनिधि संस्थानों में हिस्सेदारी न्यूनतम थी और यह स्थिति प्राकृतिक नियम के विरुद्ध थी. बाध्यकारी सामाजिक मान्यताओं ने निर्णय की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को सीमित कर दिया तथा समाज द्वारा लिए गए निर्णयों का अनुपालन करने के लिए वह काफी हद तक बाध्य कर दी गईं.

फिलस्तीन इजराइल युद्ध : आगे का रास्ता

• देशांतर

प्रमोद जोशी

आसार इस बात के हैं कि गत 7 अक्तूबर से गाजा पट्टी में शुरू हुई लड़ाई का दूसरा मोर्चा लेबनॉन में भी खुल सकता है. इसराइली सेना और हिज़्बुल्ला के बीच झड़पें चल भी रही हैं. लड़ाई थम भी जाए, पर समस्या बनी रहेगी. पिछली एक सदी या उससे कुछ ज्यादा समय से फिलिस्तीन की समस्या इतिहास की सबसे जटिल समस्याओं में से एक के रूप में उभर कर आई है. ज़रूरत इस बात की है कि दुनिया इसके स्थायी समाधान के बारे में विचार करे. पहले राष्ट्र संघ, फिर संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के हस्तक्षेपों के बावजूद समस्या सुलझी नहीं है. जब भी समाधान का रास्ता दिखाई पड़ता है, कहीं न कहीं से व्यवधान पैदा हो जाता है. अमेरिकी-पहल पर अरब देशों और इजराइल के बीच जिस समझौते की बातें हैं, इन दिनों हो रही हैं, क्या उसमें फलस्तीन के समाधान की भी कोई व्यवस्था है? ऐसा संभव नहीं है कि फलस्तीन की अनदेखी करके ऐसा कोई समझौता हो जाए. फिलहाल उस कोशिश को धक्का लगा है, फिर भी सवाल है कि फलस्तीन की समस्या का क्या समाधान संभव है? दो तरह के समाधान संभव हैं. एक, गाज़ा, इजराइल और पश्चिमी किनारे को मिलाकर एक ऐसा देश बने, जिसमें फिलिस्तीनी और यहूदी दोनों मिलकर रहें और दोनों की मिली-जुली सरकार हो. सिद्धांततः यह आदर्श स्थिति है, पर इस समाधान के साथ दर्जनों किंतु-परंतु हैं. किसका शासन होगा, क्या अलग-अलग स्वायत्त इलाके होंगे, यरुसलम का क्या होगा वगैरह. दूसरा समाधान है 'टू स्टेट्स' यानी एक देश इजराइल और दूसरा फिलिस्तीन. यह कमोबेश 1947के संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव जैसा ही है, जिसमें यरुसलम को स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय नगर बनना था. इजराइल ने 1948 में हुए पहले युद्ध में शहर के पश्चिमी हिस्से पर कब्जा कर लिया. पूर्वी हिस्सा जॉर्डन के अधीन रहा. समाधान तभी संभव है, जब बाहरी ताकतें सहमत हों. अन्यथा एक पक्ष समझौते का प्रयास करेगा तो दूसरा उसमें अड़ंगा लगा देगा, जैसा कि अबतक होता आया है. 1993 के ओस्लो समझौते के बाद लगता था कि समाधान का छोर मिल गया है. वह फिलिस्तीनी प्राधिकरण की स्थापना से जुड़ा था. पिछले तीस वर्षों में स्थितियां बिगड़ती चली गई. इसके पीछे एक तरफ इसराइली उग्र-राष्ट्रवाद और दूसरी तरफ फिलिस्तीनियों के बीच पनपे सशस्त्र-संगठन हमास की भूमिका है, जबकि समझौतों के लिए मध्यमार्गी विचारों की जरूरत होती है. ओस्लो समझौते के बाद पश्चिम एशिया में शांति को लेकर उत्साह इतना बढ़ा कि 2002में अमेरिका के विदेश विभाग के अधिकारी डोनाल्ड ब्लोम ने 'शांति का रोडमैप' भी तैयार कर दिया, जिसमें अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, रूस और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका थी. 24 जून, 2002 को राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने कहा, इजराइल के साथ-साथ एक स्वतंत्र फिलिस्तीन की स्थापना होनी चाहिए. सवाल है कि इजराइल के साथ कभी कोई समझौता हुआ भी तो किसके नेतृत्व में होगा? अप्रैल 2014 में दोनों गुटों के बीच एकता का समझौता हुआ. हमास और फतह अस्थायी एकता सरकार गठित करने और चुनाव कराने की सहमति पर पहुंच गए थे और दोनों पक्षों ने दशकों पुरानी रंजिश खत्म करने की घोषणा की थी. यह सहमति मिस्र की मध्यस्थता में हासिल हुई थी. बैठक में तय हुआ था कि सीमित जनादेश के साथ अस्थायी सरकार बनेगी, चुनाव की तारीख तय होगी. मिस्र इसके बाद सभी फिलिस्तीनी गुटों की काहिरा में एक बैठक बुलाएगा, जिसमें सुलह समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. ऐसा हुआ नहीं, पर एकता प्रयासों की बैठकें होती रहीं. नवीनतम बैठक 13 अक्तूबर, 2022 को अल्जीयर्स में हुई थी, जिसमें फतह और हमास सहित फिलिस्तीनियों के 14 संगठनों ने राष्ट्रपति पद और संसद के चुनाव एक साल के भीतर कराने का फैसला किया था. वर्तमान टकराव मई 2021 के टकराव का ही अगला रूप है. उस समय हमास ने इजराइल पर रॉकेटों से वार तभी किए थे. उस समय भी लग रहा था कि पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के आसार पैदा हो रहे हैं. अरब देशों का इजराइल के प्रति कठोर रुख बदलने लगा था. तीन देशों ने उसे मान्यता दे दी थी और संभावना इस बात की थी कि सऊदी अरब भी उसे स्वीकार कर लेगा. हिंसा से इस प्रक्रिया को धक्का लगा और अब उन अरब देशों को इजराइल से रिश्ते सुधारने में दिक्कत होगी, जिन्होंने हाल में इजराइल के साथ रिश्ते बनाए हैं. मई. 2021के पहले हफ्ते में इसराइली सुरक्षा बलों ने यरुसलम के दमिश्क गेट पर फलस्तीनियों को जमा होने से रोका, जिसके कारण हिंसा भड़की.

> इजराइल ने 1948 में हुए पहले युद्ध में शहर के पश्चिमी हिस्से पर कब्जा कर लिया. पूर्वी हिस्सा जॉर्डन के अधीन रहा. समाधान तभी संभव है, जब बाहरी ताकतें सहमत हों. अन्यथा एक पक्ष समझौते का प्रयास करेगा तो दूसरा उसमें अड़ंगा लगा देगा, जैसा कि अबतक होता आया है.

मीडिया में अन्यत्र

मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई

सितंबर माह में उपभोक्ताओं द्वारा झेली जा रही मुद्रास्फीति की दर घटकर पांच फीसदी पर आ गई. इससे कीमतों में तेज उछाल के बाद कुछ राहत मिली. कीमतों में यह उछाल जुलाई में 7.44 फीसदी की 15 महीने की उच्च मुद्रास्फीति दर के साथ शुरू हुई थी. मुद्रास्फीति में यह कमी न सिर्फ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दो फीसदी से लेकर छह फीसदी की सहनशीलता सीमा की ओर वापसी का प्रतीक है, बल्कि जुलाई और सितंबर के बीच बैंक के 6.4 फीसदी की औसत मुद्रास्फीति के ताजा अनुमान से भी मेल खाती है. बेशक, मुद्रास्फीति की पसंदीदा दर चार फीसदी बनी हुई है और आरबीआई इसे स्थायी रूप से हासिल करने पर "दृढ़ता से केंद्रित" रहेगा. पर खुद मुद्रास्फीति की हलचल हिसाब से, यह लक्ष्य दूर दिखाई देता है - इस तिमाही में औसत मुद्रास्फीति 5.6 फीसदी रहने की उम्मीद है और जनवरी से जून 2024 के बीच इसके 5.2 फीसदी रहने की उम्मीद है. यहां तक कि इन अपेक्षाओं पर भी अंकुश लगाने की जरुरत पड़ सकती है. आरबीआई ने जहां 2023-24 में औसत मुद्रास्फीति 5.4 फीसदी का अनुमान लगाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने इस महीने इस संदर्भ में अपना अनुमान बढ़ाकर क्रमशः 5.5 फीसदी और 5.9 फीसदी कर दिया है. लिहाजा सितंबर की पांच फीसदी की मुद्रास्फीति, जिसमें आंशिक रूप से 2022 के आधार प्रभावों से मदद उस दौर में मिली जब मुद्रास्फीति की रफ्तार 7.4 फीसदी थी और थोड़ी मदद आंशिक रूप से टमाटर एवं सब्जियों की अस्थिर कीमतों में तेज गिरावट के साथ-साथ केंद्र द्वारा एलपीजी की कीमतों में कटौती से मिली, को आगे बरकरार या नरम रखने की संभावना नहीं है.जुलाई और अगस्त के दौरान कीमतों में इजाफे को हवा देने वाली खाद्य मुद्रास्फीति भले ही सितंबर में घटकर 6.6 फीसदी पर आ गई है, लेकिन यह सब्जियों की कीमतों में गिरावट और दालों, फलों, अंडों एवं चीनी में मुद्रास्फीति की तेज गति से असंगत रूप से प्रभावित हुई. अनाज और मसालों की मुद्रास्फीति क्रमशः 11 फीसदी और 23.1 फीसदी पर स्थिर रही. ग्रामीण मुद्रास्फीति शहरी उपभोक्ताओं के मुकाबले ज्यादा बनी हुई है.

(द हिंदू से)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आद्या/आर्या

दुर्गा अष्टोत्तरशत नाम स्तोत्र के पहले श्लोक की दूसरी पंक्ति में दुर्गा के छः नामों का उल्लेख है-आर्या दुर्गा जया चाद्या त्रिनेत्र शूलधारिणी. इन छः नामों में पहला नाम आर्या और चौथा नाम आद्या है. जो भगवती दुर्गा के उपासक हैं, वे इन नामों से परिचित हैं, लेकिन हर कोई इनके अर्थ से परिचित नहीं है. शास्त्रों में स्पष्ट परामर्श है कि आप चाहे जिस मंत्र को बोलना चाहते हों, उसका अर्थ अवश्य समझ लें. हालांकि इस प्रकार की सलाह सामान्य तौर भी दी जाती है कि आप जो कुछ भी बोलते हैं, उसका मतलब आप स्वयं समझ लें. यदि बिना अर्थ समझे बोलते हैं तो वह अनर्थ का कारण बनता है और गलत शब्दों के प्रयोग के कारण ऐसे अनर्थ हमारे सामने आ जाते हैं. आद्या और आर्या दोनों तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. आद्या का पुराणों के अनुसार अर्थ है दस महाविद्याओं में प्रथम महाविद्या यानी काली. विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार ब्रह्मांड से भी जब कुछ भी नहीं था, केवल शून्य था, तब उसी शून्य में निर्गुण निराकार रूप में मां काली विद्यमान थीं, लेकिन सृष्टि की आवश्यकता हुई तो उन्होंने सगुण साकार रूप धारण कर लिया. इसीलिए इन्हें आद्या शक्ति भी कहा जाता है. आद्या का अर्थ पार्वती, दुर्गा, महाकाली, आदि शक्ति, ब्रह्म शक्ति, योगमाया, महामाया तथा महीने की पहली तिथि भी है. आर्या शब्द आर्य का स्त्रीलिंग रूप है. वह आर्य ही है, जिससे आर्यावर्त शब्द बना है. आर्य का मतलब है बहुत पहले सभ्यता प्राप्त करनेवाली एक मशहूर जाति, जिसमें भारतवासी भी शामिल हैं और इसकी शाखाएं एशिया और यूरोप में दूर-दूर तक फैली हुई हैं. विशेषण के रूप में श्रेष्ठ, उत्तम, पूज्य, मान्य, कुलीन, योग्य, उपयुक्त आदि को आर्य कहा जाता है. इसी प्रकार आर्या का अर्थ है पार्वती, दुर्गा, श्रेष्ठ नारी, सास दादी या पितामही को संबोधित करनेवाला एक प्राचीन शब्द. काव्य शास्त्र में आर्या एक छंद का नाम है.

मैं अगर डरता हूं तो केवल कुत्तों से

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

ये खौफ बचपन से मुझपर हाबी है. स्कूल से छुट्टी होते ही घर लौटते समय टामी का इलाका पडता था. मजाल है कि कोई उससे बच के निकल जाए ? क्या साइकिल क्या पैदल, क्या अमीर, क्या गरीब, क्या हिन्दू–मुसलमान सब को सेकुलर तरीके से दौड़ा देता था. हम बस्ता लटकाए एक कोने में दुबके हुए से रहते कि कब टामी का ध्यान बंटे और हम तडी-पार कर जाएं. विपरीत दिशा में आते हुए लोगों पर उसका भौंकना चालू होता था कि हम टाइमिंग एडजस्ट कर् लेते थे कि इतने सेकण्डों में हम टामी क्षेत्र से बाहर निकल जायेंगे. कभी कभी हमारा गणित फेल हो जाता था, वो आधे रास्ते अपने पुराने शिकार को छोड़ हम पर पिल जाता था. बस्ते हो उस पर पटकते – फेकते, बजरंग बली की जय जपते, हांफते घर पहुंचते. घर में डांट पड़ती, फिर टामी को छेड़ दिया न. बता देती हूं चौदह इंजेक्शन लगेंगे, वह भी पेट में. हम अपनी सफाई क्या देते, क्या समझाते कि किस सिचुएशन में फंसे थे? प्रेमिका भी मिली तो उनके घर में कुत्ता था. वह मोबाइल युग नहीं था, जो जाने के पहले चेताते. कालबेल दबाते ही भौंकना चालू. मां-बाप, भाई-बहन सब एक सुर में नइ सुसैन नइ....भौंकने का नइ...मैं उससे कोफ्त से कहता ...जब तक ये तुम्हारा कुत्ता है .....मैं आगे कुछ बोलता इससे पहले वह बोल देती, कुत्ता नहीं ...क्या गंवारों जैसे बोलते हो.....? नाम नहीं ले सकते तो कम से कम डागी तो बोला करो. मैं कहता या तो तुम डॉगी सम्हालो या मुझे .....और जानते हैं न वह डॉगी सम्हालने में लग गई. पच्चीस सालों बाद अचानक एक बड़े शहर के शापिंग माल में दिखी. मैंने अचकचाते हुए कहा, रेणु तुम ? वह एक तक देखने के बाद, जैसे सोते से जगी हो गदगद होकर बोली, क्या सुशी, बहुत अरसे बाद मिले, कहां थे? क्या करते हो ?कुछ खबर ही नहीं दिए ? मैंने जवाब देने के पहले पूछा, कहां है तुम्हारा कुत्ता ...? वह झेपते हुए बोली, फिर वही .....? डागी की पूछ रहे हो, सुसैन को मरे तो बीसों साल बीत गए. मैंने हलके-फुलके माहौल करने की गरज से कहा, दूसरा वाला कहां है? वह इशारा समझ कर बोली, क्या तुम अब भी मजाक के मूड में रहते हो ? छेडने से बाज नहीं आते ......? वे दुबई में रहते हैं. साल में एक दो बार आ पाते हैं. मैं यहां पढाती हूं, बच्चे सब सेटल हो गए. तुम अपनी कहो ....मेरी सुनने-सुनाने के लिए कॉफी-हॉल चलना होगा, चलो बैठते हैं. बहुत इत्मीनान, तसल्ली से जी भर के बातें हुई. जाते–जाते वह बोली, घर आओ कभी ..... मैंने मुस्कुराते हुए पूछा .....डॉगी तो नहीं है न? वह बोली अभी तक तो नहीं है ...हां अगर तुम ज्यादा चक्कर मारने लगोगे तो जरूर एक पाल लूंगी.

नवरात्र विशेष

ओम श्री कुमारियै नमः

अभिषेक अब्र

नवरात्र धीरे धीरे अपने चरम पर पहुंच रहा. परिवेश में सात्विकता घुली है. कलश वेदी में समर्पित जई के बीजों की फसल हमारी आस्था और उम्मीद के अनुसार लहलहाने को आतुर है. आइए, जल, मंत्र, कलश और जई पर एक अलग सोच से रू-ब-रू हों.

आचार्य अजय कुमार मिश्रा

नवरात्र में कन्या पूजन की विशेष परंपरा है. कई लोग ऐसे हैं जो नवरात्र पर्व के दौरान प्रति दिन कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराते हैं. दरअसल कन्याओं को नौ देवियों का रूप मानकर उनकी पूजा की जाती है और भोजन कराया जाता है. कन्याओं को वस्त्र, धन और शृंगार की वस्तुएं भी भेंट की जाती हैं. इसकी वजह यह है कि देवीभगवत पुराण में कहा गया है कि कन्या पूजन से माता प्रसन्न होती हैं और भक्तों की मनोकामना पूरी करती हैं. अष्टमी और नवमी तिथि के दिन माता गौरी और सिद्धिदात्री माता की पूजा की जाती है. ज्यादातर लोग अष्टमी या नवमी को कन्यापूजन और कन्या भोजन कराते हैं. गृहस्थों को मैं अष्टमी के दिन ही कन्या पूजन व कन्या भोजन कराने की सलाह देता हूं. दरअसल इसी दिन मां दुर्गा की नौ शक्ति का आह्वाहन होता है.

सोलह शृंगार के सामान

मान्यता है कि पूरे नवरात्र के दौरान विधि विधान व यथा शक्ति से पूजा-अर्चना करने के बाद अष्टमी तिथि को माता को सोलह शृंगार की सामग्री अर्पित करनी चाहिए. सोलह शृंगार में पायल, बिंदी, गजरे का हार, काजल, बेल-पत्र की माला, सिंदूर, हल्दी, कुंकुम, सुगंधित तेल, शंख चूड़ी, आलता, दर्पण, कंघी, कान का कुंडल व मांग टीका शामिल होता है. यहां भी दो परंपरा देखी जाती है. कुछ परिवारों में शृंगार सामग्री माता भगवती को अर्पित कर पंडित जी को दे दी जाती है. वहीं कुछ परिवारों में माता को अर्पित सामग्री खुद उपयोग में लेना प्रसाद स्वरूप और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. इस मामले में मैं सलाह देता हूं कि माता को दो सेट शृंगार सामग्री अर्पित करें. एक मंदिर या पुजारी के लिए तो दूसरा खुद प्रसाद स्वरूप ग्रहण करने के लिए.

इनका लगाएं भोग

अष्टमी के दिन माता को नौ फलों का भोग लगाएं. इन नौ फलों में केला, नींबू, श्रीफल यानी नारियल, ईख, अनार, चेरी फल, पपीता, सेव और शरीफा शामिल हों. इसके अलावा माता को खुद के बनाए पकवान भी अर्पित करें. इन पकवानों में शक्करपारा, मालपुआ, हलवा, पूरी व खीर शामिल हों.

किस उम्र की कन्या का करें पूजन

कन्या पूजन के लिए एक साल से दस साल तक की कन्याओं का चयन करें. हालांकि देवी मार्कण्डेय पुराण के अनुसार सोलह वर्ष तक की कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया जा सकता है. एक साल की कन्या को संध्या, दो साल की कन्या को सरस्वती, तीन वर्ष की कन्या को त्रिमूर्ति, चार वर्ष की कन्या को कालिका, पांच वर्ष की कन्या को सुभागा, छह वर्ष की कन्या को उमा, सात वर्ष की कन्या को मालिनी, आठ वर्ष की कन्या को कुंजिका, नौ वर्ष की कन्या को संदर्भा और दस वर्ष की कन्या को अपराजिता कहा जाता है. 11 वर्ष की कन्या रुद्राणी, 12 वर्ष की कन्या भैरवी, 13 वर्ष की कन्या महालक्ष्मी, 14 वर्ष की कन्या पीठ नाशिका और 15 वर्ष की कन्या क्षेत्रता काल कहलाती हैं. सोलह साल की कन्या को अंबिका कहा जाता है. ज्यादातर धर्म विज्ञ दस साल तक की कन्या के पूजन के समर्थक हैं. कन्या पूजन-भोजन के लिए जाति विभेद नहीं देखा जाता. ऐसी मान्यता है कि हर जाति की कन्या का पूजन विशेष लाभकारी है. वैदिक नियमों के अनुसार ब्राह्मण कन्या के पूजन से सर्व मनोरथ की पूर्ति होती है. अगर न्यायलय में कोई मामला फंसा है या किसी तरह के उपद्रव से परेशान हैं तो क्षत्रिय कन्या के पूजन से लाभ होगा. वैश्य कन्या का पूजन व्यवसाय-बिजनेस में लाभकारी है. शूद्र कन्या के पूजन से भगवत कृपा की प्राप्त होती है.

ऐसे करें कन्या पूजन

सबसे पहले कन्याओं के चरण ढोएं. सुगंधित तेल में हल्दी डाल कर बालों में लगाएं. अब नाक से माथे तक कुंकुम लगाएं. आलता लगाएं. श्रद्धा पूर्वक भोजन कराने के बाद मुख शुद्धि के लिए पान खिलाएं. खोइंछा दें. इसके लिए किसी वस्त्र या रुमाल में अरवा चावल, खोआ की बनी कोई मिठाई, फल, दूभि, गोटा हल्दी, सुपारी व द्रव्य यानी कुछ पैसे दे कर इसे बंद कर दें. अंत में दक्षिणा भी जरूर दें. खोइंछा का चावल हल्दी से रंगा हो.

कन्या भोजन के बाद कन्याओं के चरण स्पर्श करते हुए मंत्रोच्चारण करें-

ऊं कुमारीं कमलारुढां त्रिनेत्रा चंद्रशेखराम
तप्तकांचनवर्णाभां नानालंकारभूषिताम
रक्तांबरपरिधानां रक्तमाल्यानुलेपनाम
वामेनाभयदां ध्यायेद्दक्षिणेन वरप्रदाम्.

यदि इतना बड़ा मंत्र पढ़ने में असुविधा है तो केवल **ओम श्री कुमारियै नमः** का पाठ करें.

अमंगल नाशक है अपराजिता

अपराजिता देवी सकल सिद्धियों की प्रदात्री साक्षात माता दुर्गा का अवतार है. विजयादशमी को माता को विदाई देने से पहले अपराजिता के नीले फूल से पूजा कर अभय दान मांगा जाता है. मान्यता है कि अपराजिता पूजन करने से कभी असफलता का सामना नहीं करना पड़ता है. विजयादशमी के दिन अपराजिता देवी के पूजन का विधान है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार आश्विन शुक्ल की दशमी तिथि को शुक्र उदय होने के समय जो मुहूर्त होता है, उसे विजय मुहूर्त कहते हैं. देवी अपराजिता को देवताओं द्वारा पूजित महादेव सहित ब्रह्मा, विष्णु और विभिन्न अवतारों द्वारा नित्य ध्यान में लाई जाने वाली देवी कहा गया है. दशमी के दिन इनके पूजन का विशेष महत्व है. देवी अपराजिता शक्ति के 9 पीठ शक्तियों में से एक हैं. जया और विजया से संबंधित बहुत सी कथाएं हमारे धर्म ग्रंथो में प्रचलित हैं जो देवी पार्वती की बहुत ही अभिन्न सखियों के रूप में मानी जाती है. अपराजिता देवी का अर्थ है जो कभी पराजित ना हो. अपराजिता देवी शक्ति की बहुत बड़ी संहारक शक्ति है. यह शक्ति कभी पराजित नहीं हो सकती और ना अपने साधकों को कभी पराजय का मुख देखने देती है. अपराजिता देवी का जया, विजया, अजिता, विलासिनी, अघोरा, मंगला और नित्या के नाम से भी शास्त्रों में उल्लेख मिलता है.

पौराणिक मान्यता

जब देव सुर संग्राम में नवदुर्गाओं ने दोनों के संपूर्ण वंश का नाश कर दिया तब मां दुर्गा अपनी मूल पीठ शक्तियों में से अपनी आदिशक्ति अपराजिता को पूजने के लिए शमी का घास लेकर हिमालय में अंतर ध्यान हुईं. बाद में आर्यावर्त के राजाओं ने विजय पर्व के रूप में विजयदशमी की स्थापना की जो नवरात्र के बाद प्रचलन में आया. एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान राम ने माता अपराजिता का पूजन करके ही राक्षस राज रावण से युद्ध करने के लिए विजयदशमी को प्रस्थान किया था. माना जाता है कि यात्रा के ऊपर माता अपराजिता का ही अधिकार होता है. तब से भारत वर्ष में अपराजिता देवी के पूजन का प्रचलन आरंभ हुआ. शारदीय नवरात्र अपराजिता पूजन के बिना संपन्न नहीं होता है.
विजयादशमी के दिन माता को विदाई देने से पहले अपराजिता के नीले फूल से माता की पूजा करके अभय दान मांगा जाता है. अपराजिता के नीले फूल से देवी अपराजिता पूजन करने से अपराजित रहने का वरदान मिलता है. अपराजिता की लताएं कलाई में बांधी जाती हैं. देवी अपराजिता की उपासना के बिना विजयदशमी का पूजन एवं पर्व अधूरा माना जाता है

अभय प्रदान करता है यह मंत्र

अपराजिता देवी की साधना और आराधना के संबंध में धर्म सिंधु में बड़ा ही सुंदर वर्णन मिलता है. कहा गया है कि जातक जब भटकाव की स्थिति में हो तो सबसे सरल उपाय है कि उस देवता या देवी के लिए गायत्री मंत्र का प्रयोग करें-

ॐ सर्व विजयेश्वरी विद्महे शक्ति धीमहि अपराजितायै प्रचोदयात् ।

कलश, जई, जल और मंत्र

सनातन की पूजा पद्यति में कलश का बहुत महत्व है. आश्विन शुक्ल-पक्ष के प्रतिपदा के दिन घर व पूजा-पंडालों में कलश स्थापित किया जाता है. कलश स्थापना के समय कलश के अंदर गंगा-जल के साथ शुद्ध जल मिला कर डाला जाता है तथा उसमें कुमकुम, चन्दन, सुपारी, दूब, सिक्का, सर्वोषधि, नवरत्न तथा सप्तमिर्तिका डाल दिया जाता है. कलश की वेदी में जई के बीज डाले जाते हैं. जैसे-जैसे नवरात्रे आगे बढ़ते हैं कलश के चारों ओर जई की फसल उग कर बढ़ने लगती. विजय दशमी में कलश-विसर्जन के बाद पंडित जी जई उखाड़-उखाड़ कर आशीर्वाद स्वरूप देते हैं और उसे हम कानों के ऊपर खोंस कर रखते हैं. जई को अपनी पुस्तक में, दराज में, अलमारी में, पर्स इत्यादि में भी रखते हैं. पंडित जी कलश का जल मंत्रोच्चारण के साथ सब के माथे पर और पूरे घर में छिड़कते हैं.

• जल स्मृति विज्ञान

इसके पीछे जल-स्मृति विज्ञान है. जल में ऊर्जा को याददाश्त के रूप में संरक्षित करने की क्षमता है. इस बात को पहली बार एक फ्रेंच डॉक्टर जेकेस बेन्विस्ते ने 1988 में बताया था. डॉ बेन्विस्ते ने कहा कि जब भी पानी किसी भी वस्तु के स्पर्श में आता है तो पानी उस वस्तु से सम्बंधित जानकारी अपने में समेट लेता है और उसे संगृहीत कर स्टोर भी कर लेता है. हैरानी की बात यह है कि जल न सिर्फ आस पास की चीजों को याद रखता है बल्कि ये विचारों को भी समझता है और फिर अपने आप में सामने वाले के इरादों के अनुसार खुद में बदलाव ला सकता है. बाद में जापान के डॉ. मसारू इमोतो ने इसपर काफ़ी अध्ययन किया और इस अद्भुत जानकरी को सिद्ध किया. पानी नैनो टेक्नोलॉजी की तरह काम करता है. पानी के बहुत छोटे कण जो परमाणु के बराबर होते हैं, उनमें भी अपनी एक याददाश्त होती है जो हर बात को रिकॉड करते हैं. शब्दों के साथ छोड़ी गई भावनाएं वह समझते हैं इसलिए आप किसी भी भाषा में पानी से अपनी बात कहे वह सुनता है और आपकी बात समझ कर उसके अनुरूप काम करता है.

• ऊर्जावान जल

नवरात्रों में घर-पंडाल में प्रतिदिन पूजा में कल्याणकारी मंत्रों की ध्वनि-ऊर्जा कंपन के रूप में प्रवाहित होती है. मंत्रों में अद्भुत शक्ति है, परम ऊर्जा है. इसके साथ-साथ प्रतिदिन सप्तशती-पाठ होता है. इन ध्वनि-कंपन के ऊर्जा को कलश के अंदर का जल अवशोषित कर संग्रहित कर लेता है. यानी कलश का जल ऊर्जावान (एनर्ज़ाइज्ड) हो उठता है. कलश का जल वेदी में छींटे हुए जई के उगने (बीज से फसल बनने) के लिए जल-स्रोत का काम करता है. मिट्टी के कलश से जल ऑस्मोसिस प्रक्रिया से खिंच कर वेदी की रेत की सिंचाई करता है जिसमें पड़े हुए जई को जल मिलने लगता है और वह प्रस्फुटित हो उगने लगता है. जई के तृण में जल तत्व प्रचुरता में होता है तथा उसकी स्फीति (तर्जीडीटी) का कारण होता है; वहीं मंत्र-सक्रियकृत ऊर्जावान जल जो अब जई की प्राण शक्ति के रूप में संचित हो जाता है. जई (और कलश) में मां दुर्गा का भाव आ जाता है. इससे जई भी एक एनर्ज़ाइज्ड वस्तु बन जाती है जो नवरात्र का लब्ध है और उसे हम आशीर्वाद स्वरूप ग्रहण करते हैं. विसर्जन (विजयदशमी) के दिन इसलिए कलश में लगभग आधा जल ही बच जाता है. यह जल अति-सक्रिय ऊर्जा के रूप में संचित होता है तथा पंडित जी इस जल को पूरे घर और सबके ऊपर छिड़कते है जिससे तन-मन-घर-द्वार सब शुद्ध और पवित्र हो उठते हैं.

ये चुटकी भर तिल करेंगे ताड़ सा कमाल

शारदीय नवरात्र चल रहा है और इसका समापन 23 अक्टूबर को होगा. नवरात्र का यह समय मां दुर्गा की पूजा-आराधना करने के लिए तो खास होता ही है, साथ ही जीवन के कई कष्टों से निजात पाने के लिए भी महत्वपूर्ण होता है. नवरात्र का समय कुंडली के तमाम ग्रह दोषों से निजात पाने के लिए अच्छा समय होता है. ज्योतिष शास्त्र और लाल किताब में नवरात्र के दौरान कई उपाय और टोटके बताए गए हैं जो कुंडली के कई तरह के ग्रह दोषों जैसे- शनि दोष, काल सर्प दोष, राहु-केतु दोष आदि से मुक्ति दिलाते हैं. ऐसा ही एक टोटका काले तिल से जुड़ा है. चुटकी भर काला तिल ताड़ सा कमाल दिखा सकता है. आइए, तिल के कुछ ऐसे ही उपायों से हों वाकिफ

1. नवरात्र के दौरान सोमवार और शनिवार के दिन एक छोटे से पात्र में जल लें और इसमें चुटकी भर काला तिल मिला दें. अब इस जल को शिवलिंग पर अर्पित करें. ऐसा करने से कुंडली के कालसर्प दोष, राहु, केतु और शनि दोष का प्रभाव कम होता है. बाधाएं दूर होती हैं. काम बनने लगते हैं. घर में सुख-समृद्धि और शांति का प्रवेश होता है.

2. नवरात्र के दौरान पड़ने वाले शनिवार को एक दीप में सरसो तेल डालें. अब इसमें चुटकी भर काला तिल भी डालें. इस दीप को जला कर पीपल पेड़ के नीचे रखें. ऐसा करने से शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या के कष्टों से राहत मिलती है.

3. नवरात्र के दौरान शनिवार के दिन काले कपड़े में काले तिल और काली उड़द बांध लें. फिर इस पोटली को किसी गरीब व्यक्ति को दान कर दें. नवरात्रि से शुरू करके ऐसा 11 शनिवार तक लगातार करें. इससे आपकी आर्थिक तंगी समाप्त होगी. कर्ज खत्म होगा. धन आगमन के रास्ते खुलेंगे. करियर और कारोबार में तेजी से तरक्की मिलेगी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

जीत का चौका

वर्ल्ड कप में भारत की लगातार चौथी जीत, बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

'विराट' जीत

कोहली का 48वां शतक, सबसे तेज 26 हजार इंटरनेशनल रन बनाए

सबसे तेज 26 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने कोहली

कोहली ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने एकदिवसीय करियर का 48वां शतक जमाया. उन्होंने सबसे तेज 26 हजार इंटरनेशनल रन भी पूरे कर लिए हैं.0 उन्होंने 567 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की है. उनसे पहले सचिन तेंदुलकर ने 600 पारियों में यह कारनामा किया था

जीत के हीरो

शुभमन गिल : 53 रन

जाडेजा 02 विकेट

भाषा। पुणे

भारत ने गुरुवार को यहां बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर एकदिवसीय विश्व कप में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की. बांग्लादेश पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत के बावजूद आठ विकेट पर 256 रन ही बना पाया. भारत ने इसके जवाब में 41.3 ओवर में तीन विकेट पर 261 रन बनाकर जीत हासिल की. भारत के लिए रोहित और गिल ने पहले विकेट के लिए 88 रन जोड़े. रोहित ने 48 रन बनाए, वहीं गिल ने 53 रनों की पारी खेली. जिसके बाद विराट ने टीम का मोर्चा संभाला और अपने शानदार शतक के बदौलत टीम को जीत दिलायी. कोहली नें इस मैच में अपना 48वां एकदिवसीय शतक जड़ा. केएल राहुल ने भी कोहली का साथ निभाया और टीम के लिए 34 रन जोड़े.

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर से अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया और बांग्लादेश 256 रन पर रोक दिया. बांग्लादेश का स्कोर एक समय बिना किसी नुकसान के 93 रन था लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने हार्दिक पंड्या के चोटिल हो जाने के बावजूद उसे बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया. हार्दिक ने नौवें ओवर में गेंद संभाली लेकिन लिटन दास के स्ट्रेट ड्राइव को रोकने के प्रयास में उनका टखना मुड़ गया. उन्होंने पहले मैदान पर ही उपचार लिया लेकिन आखिर में उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने बाद में कहा कि हार्दिक को स्कैन के लिए ले जाया गया है, हार्दिक के ओवर को विराट कोहली ने पूरा किया. उस समय तक भारत को पहली सफलता का इंतजार था. कुलदीप यादव ने भारत को पहली सफलता जबकि रविंद्र जडेजा ने दूसरी सफलता दिलाई. इसके बाद बांग्लादेश के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाए। जडेजा ने 10 ओवर में 38 रन दे कर दो विकेट लिए और इसके अलावा मुशफिकुर रहीम का डाइव लगाकर शानदार कैच भी लिया.

सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने के मामले में विराट ने जयवर्धने को पछाड़ा

विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने के मामलें में श्रीलंका के महेला जयवर्धने को पछाड़ दिया. जयावर्धन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर 652 मैचों में 25,957 रन बनाए थे. वहीं विराट ने 511 मैचों में 26 हजार रन पूरे करके जयावर्धन को पछाड़ा

सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले बल्लेबाज

1.सचिन तेंदुलकर	664 मैच	34,357 रन
2. कुमार संगकारा	594 मैच	28,016 रन
3. रिकी पोंटिंग	560 मैच	27,483 रन
4. विराट कोहली	511 मैच	26000* रन
5.महेला जयवर्धने	652 मैच	25,957 रन

01 शतक मात्र दूर हैं कोहली सचिन के सर्वाधिक 49 शतकों के रिकॉर्ड से

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश	रन	बॉल	4	6
तनजीद हसन एलबीडब्ल्यू बो कुलदीप	51	43	5	3
लिटन दास कै गिल बो जड़ेजा	66	82	7	0
शान्टो एलबीडब्ल्यू बो जड़ेजा	8	17	0	0
मेहदी हसन कै राहुल बो सिराज	3	13	0	0
तौहीद हृदोयक कै गिल बो ठाकुर	16	35	0	0
मुश्फिकुर रहीम कै जड़ेजा बो बुमराह	38	46	1	1
ामहमुदुल्ला बो बुमराह	46	36	3	3
नासुम अहमद कै राहुल बो सिराज	14	18	2	0
मुस्तफिजुर नॉटआउट	1	7	0	0
शोरफुल इस्लाम नॉटआउट	7	3	0	1

अतिरिक्त : 6 , कुल : 256/8, 50 ओवर, विकेट पतन : 93-1, 110-2, 129-3 , 137-4, 179-5 , 201-6 , 233-7 , 248-8, गेंदबाजी : बुमराह : 10-1-41-2, सिराज : 10-0-60-2, हार्दिक पंड्या : 0.3-0-8-0-, कोहली : 0.3-0-2-0, ठाकुर : 9-0-59-1, कुलदीप यादव : 10-0-47-1, रवींद्र जड़ेजा : 10-0-38-2

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित कै तौहीद हृदॉय बो हसन महमूद	48	40	7	2
गिल कै महमूदुल्लाह बो मेहदी हसन	53	55	5	2
विराट कोहली नाबाद	103	97	6	4
अय्यर कै महमूदुल्लाह बो मेहदी हसन	19	25	2	0
केएल राहुल नबाद	34	34	3	1

अतिरिक्त : 4, कुल : 263/ 3, 41.3, विकेट पतन : 88-1, 132-2, 178-3, गेंदबाजी : शोरीफुल इस्लाम : 8-0-54-0, मुस्ताफिजुर रहमान : 5-0-29-0, नासुम अहमद : 9.3-0-60-0, हसन महमूद : 8-0-65-1,मेहदी हसन मिराज : 10-0-47-2, महमुदुल्लाह-1-0-6-0

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	न्यूजीलैंड	04	04	00	08	+1.923
2	भारत	04	04	00	08	+1.659
3	दक्षिण अफ्रीका	03	02	00	04	+1.076
4	पाकिस्तान	03	02	01	04	-0.137
5	इंग्लैंड	03	01	02	02	-0.084
6	ऑस्ट्रेलिया	03	01	02	02	-0.734
7	बांग्लादेश	04	01	03	02	-0.784
8	नीदरलैंड	03	01	02	02	-0.993
9	अफगानिस्तान	04	01	03	02	-1.250
10	श्रीलंका	03	00	03	00	-1.532

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज

बेंगलुरू। परिपक्वता की पर्याय ऑस्ट्रेलिया और आक्रामकता की मिसाल पाकिस्तान की टीमें विश्व कप के मुकाबले में शुक्रवार को जब आमने सामने होंगी तो उन्हें खेल के हर विभाग में सुधार करके अपने रसूख के मुताबिक प्रदर्शन करना होगा. पाकिस्तान को दबाव में बेखौफ क्रिकेट खेलने के लिये जाना जाता है लेकिन इस बार भारत के खिलाफ महा मुकाबले में 1992 चैंपियन टीम दबाव नहीं झेल सकी. भारत ने बिल्कुल एकतरफा अंदाज में सात विकेट से जीत दर्ज की. श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में प्रदर्शन भले ही अच्छा रहा हो लेकिन श्रीलंका का आक्रमण भी आला दर्जे का नहीं था. अब सामना ऑस्ट्रेलिया से है और पांच बार की चैंपियन टीम अपनी ही समस्याओं से जूझ रही है. ऑस्ट्रेलिया की चुनौती इस समय भारत की तरह दुश्वार भले ही नहीं हो लेकिन उसे हराना आसान नहीं होगा. वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड 69-34 का है और 50 ओवरों के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने छह मैच जीते जबकि चार हारे हैं.

डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधू

भाषा । ओडेंसे

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करके इंडोनेशिया की विश्व में सातवें नंबर की खिलाड़ी ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजंग को हराकर डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.

पिछले सप्ताह आर्कटिक ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने अपना जज्बा दिखाया तथा 71 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में तुनजंग को 18-21 21-15 21-13 से हराया. इन दोनों खिलाड़ियों के बीच इस साल जो तीन मैच खेले गए हैं उनमें इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने दो मैच में जीत दर्ज की, जिनमें मैड्रिड स्पेन मास्टर्स फाइनल भी शामिल है. इस मैच से पहले हालांकि सिंधू का तुनजंग के खिलाफ ओवरऑल रिकॉर्ड 8-2 था. सिंधू का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और तब वह मुश्किल स्थिति में दिख रही थी जब इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहले गेम में वह 6-12 से पीछे चल रही थी. उन्होंने वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन तुनजंग को पहला गेम जीतने से नहीं रोक पाई. सिंधू ने दूसरे गेम में अच्छा प्रदर्शन किया और एक समय वह 13-4 से आगे चल रही थी. तुनजंग ने इसके बाद लगातार आठ अंक बनाए और स्कोर 14-14 से बराबर कर दिया.

खास बातें

- पहला गेम गंवाने के बाद सिंधू ने की शानदार वापसी
- सिंधू ने ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजंग को हराया

झारखंड की टीम बनी ओवरऑल उपविजेता

खेल संवाददाता । रांची

कोलकाता के साई स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 34वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन झारखंड के खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण, 5 रजत, 11 कांस्य समेत कुल 23 पदक जीते. इस प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने अब तक 23 स्वर्ण, 17 रजत एवं 26 कांस्य पदक समेत कुल 66 पदक जीते हैं. झारखंड राज्य की टीम अंडर बालिका 14 वर्ष, 16 वर्ष, 18 वर्ष एवं बालक 14 वर्ष, बालक 16 वर्ष आयु वर्ग में उपविजेता के साथ ओवरऑल उपविजेता रही. भारतीय एथलेटिक्स संघ नई दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल एथलेटिक्स एसोसिएशन कोलकाता के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में मेजबान पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड,असम , मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, मेघालय, मणिपुर वअरुणाचल प्रदेश की टीम भाग ले रही थी. पदक विजेता एथलीटों को झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक, सचिव सीडी सिंह, एसके पांडेय डॉ प्रभात शंकर, बिनोद कुमार सिंह,आलोक मिश्रा,आशीष झा, सुखैर भगत, राकेश सिंह, बरूण कुमार, किरण रानी साहू, संजय त्रिपाठी, रविंद्र मुर्मू, बंधन टोप्पो, आशू भटिया, प्रभात रंजन तिवारी, सिकंदर महतो, अजीत साहू, अजय नायक, रनवीर सिंह, प्रभाकर वर्मा, अन्ना गोरेती मिंज, मुकुल टोप्पो, अरविंद कुमार, योगेश यादव, अशोक कुमार , शाशांक भूषण सिंह समेत संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी है.

खास बातें

- पूर्वी क्षेत्र जूनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप
- 23 स्वर्ण समेत कुल 66 पदक जीते झारखंड ने

परिणाम

स्वर्ण पदक
1. संघमित्रा महथा -1500 मी.
2. अनित उरांव- ट्रायथलॉन
3. रहीम अंसारी-ऊंची कूद
4. शिवानी कुमारी -400 मी. हर्डल्स
5. विराज तिग्गा- ट्रिपल जंप
6. प्रीतम तिग्गा - हैमर

रजत पदक
1. अनुज बाखला- 600 मी
2. आकांक्षा कुमारी -400 मी/200 मीटर
3. आकांक्षा कुमारी -200 मीटर
4. प्रीति लकड़ा - ट्रिपल जंप

कांस्य पदक
1. मनीष बेदिया -110मी. हर्डल
2. पवन कुमार -600 मी.
3. सीमा कुमारी -हेक्साथल
4. मंजूषा तिग्गा - ट्रिपल जंप
5. मो फुरकान -हैमर थ्रो
9. समीर उरांव -ट्रिपल जंप

फील्ड अपडेट

डोमचांच कालीमंडा ने लोकाई को हराया

कोडरमा/डोमचांच : डोमचांच प्रखंड के मसमोहना में गुरुवार को एमपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर किया. उद्घाटन मैच में डोमचांच कालीमंडा की टीम ने लोकाई को सात विकेट से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए लोकाई की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 78 रन रन बनाए. जवाबी पारी खेलने उत्तरी डोमचांच कालीमंडा की टीम ने छह ओवर में ही तीन विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया. मौके पर मुखिया चांदनी सिंह, मदन मोहन सिंह, बीरेंद्र कराटे, धीरेंद्र सिंह, आनंद सिंह, प्रिंस सिंह, परमेश्वर भारती, अर्जुन प्रसाद सिंह, हरिकिशोर सिंह, सुभाष प्रसाद, कैलाश सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे.

लातेहार फाइटर ने लातेहार बुल्स को हराया

लातेहार : जिला स्टेडियम मे खेले जा रहे लातेहार प्रीमियर लीग का (एलपीएल) आखिरी लीग मैच लातेहार बुल्स और लातेहार फाइटर के बीच खेला गया, जिसमें लातेहार फाइटर की ने जीत हासिल की. लातेहार बुल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में पांच विकेट खोकर 122 रन बनाये. शनि सचिन तिवारी ने 55 और राजा बाबू ने 22 रनों का योगदान दिया. लातेहार फाइटर की ओर से प्रियांशु चौबे ने दो तथा ऋतीक अनंत ने एक विकेट लिए. लक्ष्य की पीछा करने उतरी लातेहार फाइटर ने 18 वें ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया, साथ ही सेमीफाइनल में जगह पक्की की. आकाश सिन्हा ने नाबाद 46 तथा प्रियांशु चौबे ने नाबाद 32 रन का योगदान दिया. लातेहार बुल्स की ओर से प्रशांत सुमन ने दो और राहुल ने एक विकेट लिए. मैन ऑफ द मैच लातेहार फाइटर के प्रियांशु चौबे को चुना गया.

चाईबासा क्रिकेट क्लब ने लक्ष्मण गिलुआ को हराया

चाईबासा । आमर्त्य चौधरी की शानदार बल्लेबाजी और पियुष त्यागी के बेहतरीन ऑलराउंडर प्रदर्शन के कारण चाईबासा क्रिकेट क्लब ने लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट क्लब चक्रधरपुर को चार विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए गुरुवार के मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्मण गिलुवा क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 24 ओवर में 120 रन बनाकर आल आउट हो गई. जीत के लिए निर्धारित 30 ओवर में 121 रनों के आसान सा लक्ष्य का पीछा करने उतरी चाईबासा क्रिकेट क्लल 21.5 ओवर में 6 विकेट खोकर जीत हासिल की. आमर्त्य चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर सात चौकों एवं एक छक्का की सहायता से 42 रन बनाए. लक्ष्मण गिलुवा क्रिकेट क्लब की ओर से पियुष कुमार ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए.

राष्ट्रीय खेल के लिए झारखंड मलखंब टीम घोषित

रांची। गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय को लेकर झारखंड खेल विभाग तथा झारखंड ओलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय रांची में मलखंब खेल का विशेष प्रशिक्षण शिविर चलाया गया था. इस प्रशिक्षण शिविर में 12 पुरुष, 12 महिला, 3 प्रशिक्षक , एक टीम प्रबंधक तथा एक मसाजर ने इक्कीस दिन तक योगदान देकर सभी प्रशिक्षणार्थियों को तैयार किया. प्रशिक्षण शिविर के आधार पर गुरुवार को झारखंड पुरुष -महिला मलखंब टीम की घोषणा झारखंड खेल निदेशक सुशांत गौरव एवं झारखंड झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव डॉ अजय झा ने की. झारखंड टीम शनिवार को गोवा के लिए प्रस्थान करेगी.

पुरुष वर्ग : निखिल कुमार (कप्तान) , राकेश नायक (उपकप्तान) , रोहण कुमार , पिंटू कुमार , कौशल कुमार , मनमीत सिंह गिल, प्रशिक्षक : विवेक कुमार

महिला वर्ग : अनुशिखा कुमारी (कप्तान) , सरिता कुमारी (उपकप्तान) , आरूषी कुमारी , काबेरी कुमारी , साक्षी कुमारी , नेहा कुमारी

प्रशिक्षक : प्रीती रानी, **मुख्य प्रशिक्षक :** अजय झा, **टीम प्रबंधक :** शुभम सिंह

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी रांची के जेएससीए में स्टेडियम में हुई रनों की बौछार

सौराष्ट्र, आंध्रा, गुजरात और पंजाब ने जीते अपने-अपने मुकाबले

खेल संवाददाता । रांची

रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेले जा रहे घरेलू टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट सैयद मुशताक अली ट्रॉफी के 16वें एडिशन में गुरूवार को ग्रुप सी के चार मुकाबले खेले गए जिसमें सौराष्ट्र, आंध्रा, गुजरात और पंजाब ने अपने अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की. गुरूवार को रांची में खेले गए मुकाबलों में पांच बार 200 से अधिक का स्कोर हुआ.

सौराष्ट्र ने मणिपुर को 85 रनों से हराया : जेएससीए ओवल मैदान में सौराष्ट्र और मणिपुर के बीच खेले गए मुकाबले में सौराष्ट्र ने मणिपुर को 85 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र की टीम ने हार्विक देसाई के नाबाद 55 गेंदों में 104 रन की मदद से 4 विकेट पर 240 रन जड़ दिए. विश्वराजसिंह जडेजा ने 29 गेंदों पर 69 रनों की शानदार पारी खेली. मणिपुर की ओर से चिंगाखम ने 2 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी मणिपुर की टीम 5 विकेट पर 155 रन ही बना सकी. टीम की ओर से प्रायोजित सिंह ने सर्वाधिक 75 रनों की पारी खेली. सौराष्ट्र की ओर से कुशांग पटेल ने 2 विकेट लिए.

एकतरफा मुकाबले में आंध्र में अरुणाचल प्रदेश को हराया : जेएससीए ओवल मैदान में दिन का दूसरा मुकाबला आंध्रा और अरुणाचल प्रदेश के बीच खेला गया. जिसमे आंध्रा ने 145 रनों की बड़ी जीत दर्ज की. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्रा की टीम ने 4 विकेट पर 228 रन बनाए. टीम की ओर से शाईक रशीद ने नाबाद 54 गेंदों में 100 रन और हनुमा बिहारी ने 49 रनों की पारी खेली. दूसरी पारी में आंध्रा के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए अरुणाचल को 8 विकेट पर 83 रन पर रोक दिया. आंध्रा की ओर से सीएच स्टीफन ने 10 रन देकर 3 विकेट, शशिकांत ने 7 रन देकर 2 विकेट झटके. अरुणाचल को ओर से नबन जोश ने सर्वाधिक 21 रनों की पारी खेली.

रोमांचक मुकाबले में गुजरात जीता

जेएससीए के मुख्य मैदान में गुजरात और गोवा के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में गुजरात ने 15 रनों से जीत दर्ज की. पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 7 विकेट खोकर 216 रन बनाए. टीम की ओर से उर्विल पटेल ने 46 सौरव चौहान ने 36 रनों की पारी खेली. गोवा की ओर से मोहित और अर्जुन तेंदुलकर ने 2- 2 विकेट लिए. हालांकि अर्जुन ने 4 ओवर में 57 रन खर्च किए. लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा गोवा की शुरुआत अच्छी हुई. केवी सिद्धार्थ ने 53 और अंत में दर्शन मिसाल ने 50 रनों की पारी खेली.

पंजाब ने रेलवे को 120 रनों से हराया

जेएससीए मुख्य मैदान में खेले गए दिन के आखिरी मुकाबले में पंजाब ने रेलवे को 120 रनों से मात दी. पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 5 विकेट पर 218 रन बनाए. टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने सर्वाधिक 82 रनों की पारी खेली. वहीं रेलवे की ओर से आकाश ने 2 विकेट लिए. दूसरी पारी में पंजाब के हरप्रीत और मयंक मारकंडे (3- 3 विकेट)के आगे रेलवे की टीम टीक नहीं पाई और 98 रन पर ऑल आउट हो गई. रेलवे की ओर से विवेक ने सर्वाधिक 20 रन बनाए.

दुर्गोत्सव पर उमड़ी आस्था

मुंबई में देवी दुर्गा की मूर्ति का अनावरण.

कोलकाता में मां दुर्गा का दर्शन करते श्रद्धालु.

प्रयागराज में रथ पर सवार कलाकार.

नागपुर में रावण के पुतले तैयार करते कलाकार.

शारदीय नवरात्र में मां भगवती के महागौरी रूप की पूजा आराधना देश के कई शहरों में पंडाल सजाकर की जा रही है. शाम ढलने के बाद शहरी और ग्रामीण इलाकों में लोगों का उल्लास दिख रहा है. मां के भव्य रूप के दर्शन के लिए श्रद्धालु भी जुट रहे हैं. -फोटो : पीटीआई

आओ जानें

विश्व का सबसे बड़ा संविधान (शब्दों का)

भारत	146,385	सिंगापुर	40,076	रूस	12,908
नाइजीरिया	66,263	जमैका	38,048	अर्जेंटीना	12,514
ब्राज़ील	64,488	वेनेज़ुएला	37,344	इटली	11,708
मेक्सिको	57,087	टर्की	29,727	यूएई	11,557
पाकिस्तान	56,240	बांग्लादेश	27,643	वियतनाम	11,344
जिम्बाब्वे	55,883	जर्मनी	27,379	चीन	0,960
युगांडा	49,448	मिस्र	22,626	फ्रांस	10,180
केन्या	48,818	फिलीपींस	21,954	द. कोरिया	9,059
कोलंबिया	46,902	स्पेन	17,608	यूएसए	7,762
गुयाना	46,221	ऑस्ट्रेलिया	17,318	सऊदी अरब	6,335
द. अफ्रीका	43,062	ईरान	16,179	जापान	4,998
श्रीलंका	40,085	इथियोपिया	13,630		

छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे : अमित शाह

भाषा। जगदलपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेतृत्व वाली भूपेश बघेल सरकार पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए गरुवार को बस्तर की जनता से वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य को नक्सल समस्या से मुक्त कर दिया जाएगा. शाह ने राज्य सरकार पर वादा खिलाफी करने और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का भी आरोप लगाया. गृह मंत्री ने आज शहर के लालबाग परेड मैदान में नामांकन रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह भाजपा के प्रत्याशियों को जिताने के लिए राज्य में हैं. केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर क्षेत्र एक जमाने में धुर नक्सली क्षेत्र माना जाता था. आज भी छत्तीसगढ़ में कुछ समस्याएं हैं. मैं आपको कहने आया हूं कि एक बार फिर से कमल फूल (भाजपा) की सरकार बना दो, पूरे छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे. यदि नक्सली हिंसा होती है और पुलिस के जवान की मृत्यु होती है तब आदिवासी की मृत्यु होती है और यदि नक्सली मरता है तब आदिवासी की मृत्यु होती है. उन्होंने कहा कि आम नागरिक की मृत्यु होती है तब भी आदिवासी की मृत्यु होती है.

भूपेश बाबू आपने क्या किया ?:

शाह ने मुख्यमंत्री बघेल पर निशाना साधा और पूछा कि भूपेश बाबू आपने क्या किया? उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने राज्य में शराब की दुकान खोली और दो हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया. कोयले के परिवहन में 540 करोड़ रुपए का घोटाला किया. गरीबों के अनाज में पांच हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया और गौठान योजना में 1300 करोड़ रुपए का घोटाला किया. उन्होंने कहा कि बहुत घोटाले सुने हैं लेकिन गाय के गोबर में 1300 करोड़ का घोटाला करें, ऐसा आदमी मैं नहीं सुना. शाह ने राज्य सरकार पर महादेव एप जुआ में पांच हजार करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप लगाया. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य शासन की गलत नीति के कारण युवाओं को निर्वस्त्र होकर रैली निकालनी पड़ी. केंद्रीय गृह मंत्री ने जनता से कहा कि आज मैं आपसे कहने आया हूं कि आप एक बार फिर से राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाओ. जो आदिवासी का पैसा हजारों करोड़ रुपये के घोटाले में खा गए हैं उनको सीधा करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी.

लालबाग परेड मैदान में नामांकन रैली को संबोधित करते शाह.

लगाया आरोप

- बघेल सरकार ने राज्य में शराब की दुकान खोली
- कोयले के परिवहन में 540 करोड़ का घोटाला किया

ब्रीफ खबरें

नागा साधु की गला घोंटकर हत्या

अयोध्या। अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में 44 वर्षीय एक नागा साधु की बुधवार देर रात गला घोंटकर कथित तौर पर हत्या कर दी गई. पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मृतक की पहचान साधु राम सहारे दास (44) के रूप में की गई है जिसकी बुधवार देर रात गला घोंटकर कथित तौर पर हत्या कर दी गई. उन्होंने बताया कि मृतक के गले पर एक गहरा निशान पाया गया. साधु की हत्या के मामले में मंदिर परिसर में रहने वाले एक व्यक्ति पर शक है, जो फरार है.

7.75 लाख की मेफेड्रोन जब्त, एक गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 47 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7.75 लाख रुपये की मेफेड्रोन (मादक पदार्थ) जब्त की. नाला सोपारा थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक वियजसिंह बागल ने बताया कि पुलिस ने खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए सोमवार को नाला सोपारा इलाके में मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया था. व्यक्ति मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा. उन्होंने बताया कि व्यक्ति के पास तलाशी के दौरान 7.75 लाख रुपये मूल्य का 77.50 ग्राम मादक पदार्थ बरामद हुआ.

'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे टाइगर श्रॉफ

मुंबई। रोहित शेट्टी का पुलिस जगत टाइगर श्रॉफ के शामिल होने से बड़ा होने जा रहा है जिसमें अभिनेता फिल्म निर्माता की आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे. 'हीरोपंथी', 'बागी' और 'वॉर' जैसी फिल्मों में मुख्य किरदार निभाने वाले श्रॉफ 'सिंघम अगेन' में एसीपी सत्या की भूमिका निभाएंगे. इस फिल्म में अजय देवगन मुख्य भूमिका में है. शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि विशेष कार्य बल अधिकारी एसीपी सत्या से मिलिए, ये सच की तरह अमर हैं. दल में स्वागत है... टाइगर.'

अमेरिका ने भूमध्य सागर में भेजे विमानवाहक युद्ध पोत, तो भड़क उठा रूस

काला सागर भेजा किंजल मिसाइल

भाषा। तेल अवीव

इजराइल-हमास युद्ध के बीच खबर आयी है कि रूस इस संघर्ष में अमेरिका की दखलंदाजी से भड़क गया है. गौलतलब है कि 7 अक्तूबर को हमास द्वारा इजराइल में घुस कर आतंकी हमला किया गया. उसके बाद इजराइल ने गाजापट्टी में हमास के ठिकानों पर भीषण बमबारी शुरू कर दी जो अभी भी जारी है. इस घटना के तुरंत बाद अमेरिका इजराइल के समर्थन में आ गया. राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने सैन्य बेड़े इजराइल की भेज दिये. बाइडन प्रशासन ने दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस ड्वाइट डी आइजनहावर कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को पूर्वी भूमध्य सागर में भेज दिया. आइजनहावर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप में शामिल हो जायेगा, जो पहले से ही इजराइल के पास मौजूद है. अमेरिकी रक्षा सचिव लायड आस्टिन ने कहा कि इस युद्ध को व्यापक बनाने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए इजराइल को सैन्य सहायता भेजी गयी है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अमेरिका अब पूरी तरह से इजराइल-फिलिस्तीनी (हमास) संघर्ष में उतरता जा रहा है. यह बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को रास नहीं आ रही है. उसके कई कारण बताए जा रहे हैं.

गाजा अस्पताल विस्फोट के लिए इजराइल जिम्मेदार नहीं : व्हाइट हाउस

– वाशिंगटन। अमेरिका के आकलन से यह पता चलता है कि मंगलवार को गाजा के अस्पताल पर हुए हमले के लिए इजराइल जिम्मेदार नहीं है. यह आकलन खुफिया जानकारी, मिसाइल गतिविधि, उपग्रह से ली गई तस्वीरों, संचार सामग्री और 'ओपन सोर्स सूचना' के आधार पर किया गया है. व्हाइट हाउस का यह आकलन बुधवार को उस वक्त सामने आया जब राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी इजराइल यात्रा के दौरान देश के साथ एकजुटता प्रकट की थी. फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि मंगलवार देर रात को अल-अहली बैप्टिस्ट अस्पताल में भीषण विस्फोट में 471 लोगों की मौत हो गई और 314 अन्य घायल हो गए.

पुतिन चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अभी चीन की यात्रा पर गये हैं. उन्होंने चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस की. कहा कि अमेरिका ने इजराइल और फिलिस्तीनियों के बीच संघर्ष के बीच भूमध्य सागर में दो विमान वाहक पोत भेजे हैं. रूस भूमध्य सागर में अमेरिका की सीधी मौजूदगी को अपने लिए चेतावनी के तौर पर लेता है. इसके बाद पुतिन ने कहा, रूस ने किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों के साथ रूसी विमानों को काला सागर पर गश्त करने का आदेश दिया है.

संघर्ष जारी

- भूमध्य सागर से काला सागर की भूरेखीय दूरी 1700 किमी
- अमेरिका ने रूस के नजदीक अपना सैन्य बेड़ा उतारा

इजराइल के बहाने रूस को सीधा निशाना बना रहा अमेरिका

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका इजराइल के समर्थन के बहाने रूस को समुद्री सीमा पर सीधा निशाना बना रहा है. दोनों देश अब एक-दूसरे के आमने-सामने हैं. भूमध्य सागर से काला सागर की भूरेखीय दूरी 1700 किमी है. यानी अमेरिका ने रूस के नजदीक अपना सैन्य बेड़ा उतार दिया है. अमेरिका पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन का मददगार बना हुआ है. व्लादिमीर पुतिन का आरोप है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका पूरी गहराई से उतर गया है.

यूक्रेन को मिसाइल मुहैया करा कर गलती कर रहा है अमेरिका

रूस ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को लंबी दूरी की एटीएसीएमएस मिसाइलें मुहैया करा कर भारी गलती कर रहा है. काला सागर की समुद्री भौगोलिक स्थिति पर विचार करें तो यह बोस्पोरस जलडमरूमध्य के जरिए मरमारा सागर से तथा डारडेनेल्स जलडमरूमध्य के माध्यम से एजियन सागर से जुड़ा है. काला सागर क्षेत्र पर प्रभुत्व रूस की एक भू-रणनीतिक जरूरत है जो भूमध्य सागर में रूसी शक्ति को संरक्षित करने के लिए जरूरी है, जहां अमेरिका ने अपना सैन्य बेड़ा उतारा है.

मिस्र गाजा सीमा खोलने पर सहमत : बाइडन

खान यूनिस (गाजा पट्टी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को कहा कि मिस्र के राष्ट्रपति गाजा पट्टी के लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाने के वास्ते 20 ट्रकों को अनुमति देने के लिए गाजा में अपनी सीमा को खोलने पर सहमत हो गए हैं. बाइडन ने कहा कि उन्होंने इजराइल की अपनी यात्रा के बाद मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से बात की, जहां देश के नेता मानवीय सहायता की अनुमति देने पर सहमत हुए. सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी को सील कर दिया था और यहां के 23 लाख लोगों के लिए भोजन, पानी, दवा और ईंधन की आपूर्ति को रोक दिया.

हमास के हथियार का उत्तर कोरिया से कनेक्शन

सियोल। इजराइल पर सात अक्टूबर के हमले में हमास के लड़ाकों ने संभवत: उत्तर कोरिया के हथियारों का इस्तेमाल किया था. इजराइल द्वारा जुटाए गए आतंकवादियों के वीडियो और जब्त हथियारों से यह संकेत मिलता है. हालांकि उत्तर कोरिया ने आतंकवादी संगठन को हथियार बेचने के आरोपों से इनकार किया है. उत्तर कोरियाई हथियारों पर वीडियो का दो विशेषज्ञों ने विश्लेषण किया. 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) द्वारा हथियारों के वीडियो के विश्लेषण और दक्षिण कोरियाई सेना की सूचना के आधार पर इस बात के संकेत मिलते हैं कि हमास ने एफ-7 रॉकेट चालित ग्रेनेड का इस्तेमाल किया था. इस हथियार का इस्तेमाल बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ किया जाता है.

इजराइली के लिए काम में जुटा केरल का एक शहर

कन्नूर। इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को लेकर केरल में राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की अलग-अलग राय हो सकती है, लेकिन उत्तरी केरल के एक शहर में लोगों का एक समूह युद्ध शुरू होने से पहले और बाद में भी इजराइल के लिए पूरी लगन से काम कर रहा है. कन्नूर में एक स्थानीय परिधान इकाई के सैकड़ों दर्जी पिछले आठ वर्षों से इजराइली पुलिस की वर्दी की कमीज तैयार करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं. जिले में स्थापित हथकरघा कंपनी 'मरयान अपैरल प्राइवेट लिमिटेड' के दर्जी और कर्मचारी इजराइली पुलिस की वर्दी की लंबे आस्तीन वाली हल्के नीले रंग की कमीज तैयार करते हैं.

उ. कोरिया की यात्रा पर हैं रूस के विदेश मंत्री लावरोव

परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने के प्रयास में किम जोंग

भाषा सियोल

रूस और उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को प्योंगयांग में मुलाकात की और माना जा रहा है कि बातचीत दोनों देशों द्वारा उनके सैन्य संबंधों को बढ़ावा देने पर केंद्रित हो सकती है. इस मुलाकात के कुछ दिन पहले अमेरिका ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में चल रहे युद्ध के लिए रूस को युद्ध सामग्री की नई खेप भेजी थी. रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दो दिवसीय यात्रा के लिए बुधवार को प्योंगयांग पहुंचे.

सर्गेई ने स्वागत भाषण के दौरान कहा कि वह यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में मजबूत समर्थन के लिए उत्तर कोरिया का धन्यवाद करते हैं. लावरोव की यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या दोनों देश इस बारे में कोई संकेत देंगे कि वे अपने सुरक्षा सहयोग को कैसे मजबूत करेंगे. वहीं, इस यात्रा के दौरान रूस द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्योंगयांग की प्रस्तावित यात्रा के कार्यक्रम की घोषणा करने की भी अटकलें हैं. पुतिन ने पिछले महीने रूस आए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से उनके देश आना का वादा किया था. किम ने रूस की अपनी यात्रा के दौरान रूस के सबसे महत्वपूर्ण घरेलू अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र वोस्तोचन कोस्मोड्रोम में पुतिन से मुलाकात करने के साथ ही अन्य प्रमुख रूसी हथियार बनाने वाले स्थलों का निरीक्षण किया था. इसके बाद चर्चा तेज हो गई थी कि किम, रूस के युद्ध में समाप्त हो चुके हथियारों की खेप को फिर से भरने के लिए अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने के वास्ते रूसी प्रौद्योगिकियों की तलाश कर रहे हैं.

अटकलें तेज

- रूस व उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रियों की हुई मुलाकात
- लावरोव की यात्रा को लेकर लगाई जा रही हैं अटकलें

ध्यान दे सरकार

ट्रांसजेंडर के मुद्दों पर कोई भी दल या उम्मीदवार बात नहीं कर रहा

मप्र विधानसभा चुनावों में महिलाओं के मुद्दों पर जोर

भाषा। इंदौर

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस का महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर खास जोर है और दोनों धुर प्रतिद्वंद्वी सियासी दलों के दांव-पेंच बताते हैं कि वे आधी आबादी का समर्थन हासिल करने का कोई भी मौका छोड़ना नहीं चाहते. इस बीच, तीसरे लिंग के लोगों की शिकायत है कि उनके लिए मायने रखने वाले मुद्दे चुनावी परिदृश्य से पूरी तरह गायब हैं.

इस समुदाय से जुड़ी संध्या घावरी इंदौर नगर निगम की स्वच्छता राजदूत हैं और संविधान के विषय से जुड़ी एक फैलोशिप पर भी काम कर रही हैं. ट्रांसजेंडर के हितों में काम करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि उन्होंने बहुत पहले तय कर लिया था कि वह अपने समुदाय के अन्य लोगों की तरह नेग मांगने का पारम्परिक काम नहीं करेंगी.

केवल दिखावे के लिए सरकारी कार्यक्रमों में बुलाया जाता है : घावरी ने शिकायत भरे तीखे लहजे में कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को केवल दिखावे के लिए सरकारी कार्यक्रमों में बुलाया जाता है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में तीसरे लिंग के लोगों की असल आबादी के मुकाबले बेहद कम लोगों के पास मतदाता परिचय पत्र हैं. सरकारी आंकड़े इसकी तसदीक करते हैं. सूबे के मौजूदा विधानसभा चुनावों में 2.88 करोड़ पुरुष मतदाता और 2.72 करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि तीसरे लिंग के मतदाताओं की तादाद महज 1,373 है जिनमें इंदौर के 111 लोग शामिल हैं.

खास बातें

- उपेक्षित महसूस कर रहा है तीसरा लिंग
- राज्य सरकार ट्रांसजेंडरों के लिए कुछ नहीं की

सिर्फ नाम के लिए है तीसरे लिंग की श्रेणी

घावरी ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने पुरुष और महिला के अलावा तीसरे लिंग की श्रेणी तो बना दी है, लेकिन विधानसभा चुनावों में हमारे समुदाय के मुद्दों पर कोई भी दल या उम्मीदवार बात नहीं कर रहा है. इनमें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और समाज में सम्मानजनक तरीके से रहने के मुद्दे सबसे अहम हैं. उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी छत्तीसगढ़ और देश के अन्य सूबों के मुकाबले मध्यप्रदेश में तीसरे लिंग के लोगों के लिए राज्य सरकार ने कुछ भी नहीं किया है.

चुनाव हारने वाले हैं केसीआर : राहुल

भाषा। हैदराबाद

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि वह इस बात को महसूस कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) तेलंगाना में विधानसभा चुनाव हारने जा रही है. राज्य में कांग्रेस की जारी विजयभेरी यात्रा के दौरान भूपालपल्ली से पेद्दापल्ली के रास्ते में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी चुनावी लड़ाई दोराला (सामंती) तेलंगाना और प्रजाला (जनता) तेलंगाना के बीच है. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि केसीआर चुनाव हारने वाले हैं.

यह दोराल तेलंगाना और प्रजाला तेलंगाना... राजा और प्रजा के बीच लड़ाई है. राहुल गांधी ने चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए कहा कि 10 साल बाद भी तेलंगाना के मुख्यमंत्री लोगों से दूरी बनाए हुए हैं. तेलंगाना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए राहुल ने केसीआर का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में सारा नियंत्रण सिर्फ एक परिवार के पास है. एआईसीसी नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केसीआर को छोड़कर सभी विपक्षी नेताओं पर हमला करती है और ईडी, सीबीआई एवं आयकर विभागों का इस्तेमाल कर उनके खिलाफ मामले दर्ज करती है.

रामप्पा मंदिर में कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका गांधी ने पूजा की.

खास बातें

- राज्य में सारा नियंत्रण सिर्फ एक परिवार के पास
- लोगों से दूरी बनाए हुए हैं तेलंगाना के सीएम

एक महीने के भीतर रेलवे की ओर से निकाला जाएगा टेंडर, रेस्टोरेंट में 24 घंटे उठा सकेंगे लजीजी व्यंजन का लुत्फ

धनबाद रेलवे स्टेशन पर खुलेगा वातानुकूलित कोच रेस्टोरेंट

संवाददाता । धनबाद

बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी धनबाद समेत कई स्टेशनों पर वातानुकूलित कोच रेस्टोरेंट खुलेगा. रेलवे सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल मंडल में सबसे पहले धनबाद स्टेशन पर कोच रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी चल रही है. बकायदा वाणिज्य विभाग के अधिकारियों की टीम धनबाद स्टेशन भवन के सामने पोर्टिको में स्थल चिह्नित कर रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द टेंडर निकाल कर रेस्टोरेंट खोला जा सके. पुराने एसी कोच को रंग रोगन कर ऐसा रूप दिया जाएगा कि बाहर और अंदर से लगे की कोच बिल्कुल नई है और किसी महाराजा एक्सप्रेस के कोच में बैठ कर लजीज व्यंजन का लुत्फ उठा रहे हैं.

एक माह के भीतर रेलवे की ओर से ऑनलाइन टेंडर निकाला जाएगा. जिसमें कोई भी व्यक्ति हिस्सा ले सकता है. धनबाद के बाद गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, बरकाकाना, डालटनगंज व गढ़वा रोड आदि स्टेशनों पर भी खोलने की योजना है. जिसमें 24 घंटे कोई भी व्यक्ति लजीज व्यंजन का लुत्फ उठा सकता है. यह दिन-रात खुला रहेगा.

वेज और नॉनवेज के साथ मिठाइयां व आईस्क्रीम भी मिलेगी

कोच रेस्टोरेंट में वेज और नॉनवेज के साथ मिठाइयां और आईस्क्रीम भी मिलेगी. इसके अलावा और भी कई तरह के फास्ट फुड होंगे. जिसका लुत्फ बच्चे-बड़ों से लेकर बुजुर्ग तक भी उठा सकते हैं. इस रेस्टोरेंट में रेल यात्रियों के अलावा बाहरी व्यक्ति भी परिवार के साथ आकर नाश्ता-खाना का सेवन कर सकता है. पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर जोन के सीपीआरओ वीरेंद्र कुमार का कहना है कि बिहार में पटना समेत कई रेलवे स्टेशनों पर कोच रेस्टोरेंट खुले है. इसी तरह झारखंड में भी धनबाद समेत कई स्टेशनों पर खोलने की तैयारी चल रही है. कोच रेस्टोरेंट को बनायी गई पटरी पर ही रखा जाएगा. लोगों को बाहर से लगेगा कि ट्रेन की कोच रखी हुई है, लेकिन भीतर जाने पर पता चलेगा कि यह पूरी तरह से एसी रेस्टोरेंट हैं. मैन्यू के आधार पर नाश्ता, खाना, पानी, कोलड्रिंक्स, चाय, कॉफी, समोसे, इडली, सांभर बाड़ा, बिरयानी, ईग रॉल, चाउमिन व चिकन चिल्ली आदि दर्जनों तरह के व्यंजन होंगे.

आओ जानें

20 अक्टूबर का इतिहास

- 1568 : अकबर ने चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण किया. 1774 : कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) भारत की राजधानी बनी.
- 1822 : लंदन संडे टाइम्स का पहला अंक प्रकाशित.
- 1880 : एम्सटर्डम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई.
- 1947 : अमेरिका और पाकिस्तान ने पहली बार राजनयिक संबंध स्थापित किये.
- 1947 : भारत-पाकिस्तान के बीच पहला युद्ध हुआ.
- 1962 : भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर युद्ध शुरू हुआ. चीन ने 1962 में भारत पर हमला किया और अरुणाचल प्रदेश के रास्ते भारत के अंदर तक प्रवेश की कोशिश की.
- 1973 : ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में ओपेरा हाउस को पहली बार जनता के लिए खोला गया.

एशियन महिला हॉकी चैम्पियनशिप की मूल ट्रॉफी का किया अनावरण

संवाददाता । हजारीबाग

महिला हॉकी एशियन चैंपियनशिप 2023 ट्रॉफी का न्यू स्टेडियम संत कोलंबा कॉलेज में गुरुवार को डीसी नैंसी सहाय, एसपी मनोज रतन चोथे, डीडीसी प्रेरणा दीक्षित, आईएएस प्रोबेशनर सुलोचना मीणा और सदर एसडीओ ने संयुक्त रूप से अनावरण किया. एशियन हॉकी महिला प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार झारखंड में 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक रांची में किया जाएगा.

इस ट्रॉफी का अनावरण हजारीबाग के न्यू स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया. इसमें मुख्य अतिथि डीसी नैंसी सहाय और विशिष्ट अतिथि एसपी चोथे मनोज रतन, डीडीसी प्रेरणा दीक्षित प्रशिक्षु आईएएस सुलोचना मीणा, सदर एसडीओ विद्या भूषण कुमार, डीपीआरओ पंचानन उरांव मौजूद थे. सभी 24 जिलों में यह कार्यक्रम राज्य सरकार से प्रस्तावित है. इसी कड़ी में हजारीबाग में कार्यक्रम आयोजित किया गया. डीसी ने कहा कि यह ट्रॉफी हमारे देश की लड़कियां जीतेंगी, यह पूर्ण भरोसा है और यह भारत के लिए गौरव का दिन होगा. इस एशिया वुमन चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर झारखंड राज्य को मिला है, यह बहुत ही स्वर्णिम अवसर है. हम लोग अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हैं कि मूल ट्रॉफी का अनावरण करने का मौका मिला.

विशिष्ट अतिथि एसपी ने कहा कि हमारी लड़कियों यह ट्रॉफी जीत जाएं और हॉकी के साथ-साथ अन्य खेलों में भी हजारीबाग के खिलाड़ियों ने बहुत नाम कमाया है, इस गौरव को बरकरार रखना है. खेल में बहुत सारे अवसर हैं जिसके माध्यम से बेहतर और स्वर्णिम करियर बनाया जा सकता है. यहां उपस्थित सभी खिलाड़ियों को इस ट्रॉफी अनावरण से प्रेरणा मिलेगी ताकि वह भी भारत को रिप्रेजेंट कर सकें.

गौरव के पल

- हजारीबाग के न्यू स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन
- भरोसा है कि ट्रॉफी हमारे देश की लड़कियां जीतेंगी : डीसी

आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को एआईसीटीई ने दी अनुमति

वर्किंग प्रोफेशनल भी कर सकेंगे पढ़ाई

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को मौजूदा सत्र-2023 से वर्किंग प्रोफेशनल भी डिग्री एवं डिप्लोमा स्तर के अध्ययन कर सकेंगे. इसके लिए कॉलेज को एआईसीटीई, दिल्ली से अनुमति मिली गई है. विगत कई वर्षों से एआईसीटीई से इस तरह के अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही थी. अब सरकारी या गैर सरकारी महकमे, उद्योगों में कर्यरत लोगों को बिना किसी रुकावट के आगे अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होगा. इसके लिए कॉलेज को एआईसीटीई की ओर से डिग्री स्तर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 30, इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में 30 एवं कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 30 और इसी तरह डिप्लोम स्तर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 30, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में 30 एवं कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 30 सीटों का आवंटन किया गया है.

इस संबंध में कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि जमशेदपुर एक औद्योगिक शहर है. एआईसीटीई द्वारा आवंटित सीटों का उपयोग इन औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारी अपनी आगे की पढ़ाई के लिए कर सकेंगे. इस अनुमोदन से कॉलेज में कार्यरत सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कार्मचारियों में हर्ष है. इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष बिंदा सिंह, सचिव भरत सिंह एवं कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने आरवीएस परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी है.

वीमेंस यूनिवर्सिटी में इग्नू बीएड प्रोग्राम लिए कार्यशाला शुरू

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के लर्निंग सपोर्ट सेंटर में गुरुवार को इग्नू बीएड प्रोग्राम (सत्र 2022-2023) के छात्र-छात्राओं के लिए एक कार्यशाला की शुरुआत की गयी. यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता एवं इस इग्नू स्टडी सेंटर की को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया. स्वागत भाषण करते हुए डॉ त्रिपुरा झाने विषय प्रवेश कराया. राष्ट्र के विभिन्न राज्यों के केंद्रीय विद्यालय एवं राजकीय विद्यालय के शिक्षकों को संबोधित करते हुए कुलपति ने उन्हें 12 दिवसीय कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं दी एवं राष्ट्रीय अस्मिता, संस्कृति के संरक्षण में शिक्षक की भूमिका को रेखांकित करते हुए कर्तव्यनिष्ठतापूर्ण आदर्श नागरिक के निर्माण के लिए उनका मार्गदर्शन किया.

डॉ त्रिपुरा झा ने द्वितीय सत्र के क्रियाकलाप, सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों तथा वृत्तिक क्षमता के विकास पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला नवाचारी शिक्षण विधियों के साथ एवं शिक्षण शास्त्रीय कौशलों के विकास में किस प्रकार सहायता करेगी। द्वितीय सत्र में महिला कॉलेज चाईबासा की रिसोर्स पर्सन अर्पित सुमन टोपनो ने पाठ्यचर्या का संदर्भीकरण विषय पर पावर प्वाइंट के माध्यम से व्याख्यान दिया. कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ सुचेता भुइयां, डॉ मोनिका उप्पल, नेहा सुरुचि मिंज, अजीत दुबे, सोनी कुमारी, अंजलि कुमारी, प्रभाकर राव एवं उपेंद्र शर्मा उपस्थित थे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

फ्री ऑनलाइन कोर्स कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर/रजनीश प्रसाद

ऐसे कई सरकारी, निजी वेबसाइट हैं जो फ्री ऑनलाइन कोर्स चला रही हैं. इन ऑलनाइन कोर्स में अलग-अलग प्रकार के विषय शामिल है. आज के समय में फ्री ऑनलाइन कोर्सेज करके करियर आसानी से बनाया जा सकता है. कई बड़ी ऑर्गेनाइजेशन भी है जो इस तरह के कोर्स कराते हैं. इन कोर्स में प्रोफेशनल कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, डिग्री कोर्स (कुछ यूनिवर्सिटी के द्वारा), किसी खास तकनीक पर आधारित ट्यूटोरियल पर होते हैं. कोर्स खत्म होने के बाद प्रमाण पत्र भी दिया जाता है.

स्वयं में ऑनलाइन कोर्स

भारत सरकार ने स्वयं पोर्टल की शुरुआत की है. सरकार के इस पोर्टल के द्वारा अब कंप्यूटर सांइस और इंजीनियरिंग के ऑनलाइन कोर्स भी किए जा सकते हैं. इस पोर्टल पर सभी कोर्स फ्री है.

प्रमुख ऑनलाइन कोर्स

एडवांस कंप्यूटर आर्किटेक्चर

यह कोर्स कंप्यूटर साइंस और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के यूजी और पीजी छात्रों के लिए है. इस कोर्स में आईआईटी दिल्ली के प्रो. स्मृति रंजन सारंगी पढ़ाएंगे. इसमें कैच, डिजाइन, कंपाइलर टेक्नीक, चिप ऑन वर्क्स, लो पावर डिजाइन आदि के बारे में बताया जाएगा.

सीनियर सेकेंडरी कंप्यूटर साइंस-

यह 24 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स है. इसके लिए एनआईओएस के 12वीं कक्षा में एनरोलमेंट जरूरी है. यह कोर्स एक अप्रैल 2021 से शुरू किया गया है. इसमें एनरोलमेंट 30 सितंबर तक होता है. इस कोर्स में ऑपरेटिंग सिस्टम, बाइनरी लॉजिक, डेटा कम्युनिकेशन एवं नटवर्किंग आदि के बारे में पढ़ाया जाएगा.

मल्टीकोर कंप्यूटर आर्किटेक्चर-

यह कोर्स कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से जुड़े होने के साथ मल्टीकोर कंप्यूटर आर्किटेक्चर में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति कर सकता है. इसे आईआईटी गुवाहाटी के प्रो. जॉन जोश पढ़ाएंगे.

कंप्यूटर ग्राफिक्स-

यह कोर्स कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए है. इसमें ग्राफिक के बारे में पढ़ाया जाएगा. यह कोर्स आठ सप्ताह का है. इसे आईआईटी गुवाहाटी के प्रो. समित भट्टाचार्य पढ़ाएंगे.

कंप्यूटर विजन-

कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की समझ रखने वाले यह कोर्स कर सकते हैं. यह कोर्स अंडरग्रेजुएट स्तर का है. इसमें इमेज प्रोसेसिंग का फंडामेंटल, कैमरा जियोमेट्री, स्टीरियो और कलर प्रोसेसिंग के बारे में पढ़ाया जाता है.

ग्राफिक डिजाइनिंग-

यदि प्रौद्योगिकी में रुचि के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व में रचनात्मक प्रवृत्ति है, तो ग्राफिक डिजाइनर बनने की यात्रा शुरू करने का समय आ गया है. चाहे आप नौसिखिया हों या पेशेवर, ये पाठ्यक्रम निश्चित रूप से एक ग्राफिक डिजाइनर के रूप में आपके कौशल को निखारेगी. यह पाठ्यक्रम आपको विजुअल डिजाइन, ब्रांड सिस्टम बनाना, टाइपोग्राफी, फ़ोटोशॉप, प्रोफेशनल लोगो डिज़ाइन, क्रिएटिव वेबसाइट बनाना और ग्राफिक डिज़ाइनिंग के कई अन्य मूलभूत पहलुओं के मूल सिद्धांत सिखाएंगे.

डेटा विज्ञान पाठ्यक्रम-

आज, बहुराष्ट्रीय कंपनिया और कॉर्पोरेट दिग्गज डेटा के विशाल भंडार से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद के लिए डेटा विज्ञान पेशेवरों की ओर रुख कर रहे हैं. इस प्रकार डेटा माइनिंग, प्रोग्रामिंग और सांख्यिकीय मॉडलिंग में कुशल लोगों की भारी मांग है.

डेटा साइंस मशीन लर्निंग-

यह हार्वर्ड द्वारा ईडीएक्स पर पेश किया जाने वाला 8 सप्ताह का परिचयात्मक पाठ्यक्रम है. यह पाठ्यक्रम आपको मशीन लर्निंग (एमएल) एल्गोरिदम और प्रमुख घटक विश्लेषण सिखाता है.

पायथन विशेषज्ञता के साथ सांख्यिकी-

यह मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा कौरसेरा पर पेश किया जाने वाला 8 सप्ताह का परिचयात्मक पाठ्यक्रम है. यह पाठ्यक्रम आपको पायथन का उपयोग करके सांख्यिकीय विश्लेषण सीखने की अनुमति देगा. आप विभिन्न डेटा स्रोतों, डेटा के प्रकार, डेटा प्रबंधन और डेटा विजुअलाइज़ेशन बनाने और व्याख्या करने के तरीके के बारे में सीखेंगे.

सोशल मीडिया मार्केटिंग-

यदि आप एक व्यवसाय के मालिक हैं, तो आपको ब्रांड जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने ब्रांड को वैश्विक बाजार में प्रचारित करने की आवश्यकता है. यहां सोशल मीडिया मार्केटिंग की भूमिका आती है जो डिजिटल मार्केटिंग के सबसे प्रमुख पहलुओं में से एक है. सोशल मीडिया मार्केटिंग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया की 50% आबादी फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से चिपकी हुई है.

रचनात्मक लेखन-

अगर आप अपने जादुई शब्दों से एक अद्भुत कहानी, निबंध, लेख या कविता बुन सकते हैं, तो क्रिएटिव राइटिंग आपके लिए सबसे उपयुक्त करियर विकल्प है. रचनात्मक लेखन पाठ्यक्रम आपको लेखन की बारीकियां सिखाकर आपकी विचार प्रक्रिया को आकार दे सकते हैं और जब एक विपुल लेखक के रूप में अपनी पहचान बनाने की बात आती है तो यह आपको दूसरों पर बढ़त दिला सकता है.

लिंकडिन पर Lynda.com के फ्री ऑनलाइन कोर्सेज

- स्प्रेडशीट्स
- डेटा एनालिसिस
- प्रोग्रामिंग लैंग्वेज
- वेब स्टैंडर्ड्स
- एक्सेल शीट
- एचटीएमएल
- सीएसएस ट्रेनिंग
- एडोब इलस्ट्रेटर
- पाइथन लर्निंग

इन ऑनलाइन कोर्सेज की डिमांड अधिक

- टॉप ट्रेंडिंग ऑनलाइन कोर्स
- डेटा साइंस
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग
- बिजनेस इंटेलिजेंस
- क्लाउड कंप्यूटिंग
- परियोजना प्रबंधन
- सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट
- फुल-स्टैक डेवलपमेंट

भारत में सरकार द्वारा प्रमाणपत्रों के साथ सर्वश्रेष्ठ मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम

सरकारी संस्थान पहले ऑनलाइन शिक्षा के लिए उत्सुक नहीं थे, क्योंकि छात्रों का रुझान मिश्रित शिक्षा की ओर अधिक था. लेकिन ऑनलाइन मोड में बढ़ती रुचि के साथ, सरकारी संस्थानों ने भविष्यवादी दृष्टिकोण अपनाया और मुफ्त सरकारी प्रमाणपत्र ऑनलाइन लॉन्च किया. देश की महिला आबादी को ध्यान में रखते हुए, सरकारी सहायता प्राप्त संगठनों ने महिलाओं के लिए मुफ्त सरकारी पाठ्यक्रम शुरू करने की पहल भी की है. ऑनलाइन मुफ्त सरकारी वित्त पोषित पाठ्यक्रमों का चयन करते समय विचार करने के लिए कई बिंदु हैं, जिनमें कक्षा की शैली, अवधि, बैच आकार और समय शामिल हैं. आप अपने कौशल के आधार पर प्रमाण पत्र के साथ सर्वोत्तम सरकारी ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की निःशुल्क जांच और नामांकन कर सकते हैं.

तीन महीने के सर्टिफिकेट प्रोग्राम के साथ शीर्ष कॅरियर ऑप्शन

- मेडिकल बिलिंग और कोडिंग स्पेशलिस्ट
- वेब डिजाइनर
- लाइसेंस प्राप्त रियल एस्टेट एजेंट
- आईटी सहायता
- व्यक्तिगत ट्रेनर

शीर्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

- मशीन लर्निंग और एआई में मास्टर ऑफ साइंस
- डेटा साइंस में पीजी डिप्लोमा
- मशीन लर्निंग और एआई में पीजी डिप्लोमा
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम)
- प्रबंधन में पीजी कार्यक्रम (पीजीपीएम)
- ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट में एग्जीक्यूटिव कोर्स
- प्रोडक्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कार्यक्रम

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)